ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

भाजपा-जेडीएस गठबंधन में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बनी @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 27 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-86

सेना को पंगु बनाने का केंद्र सरकार का सिलसिला जारी

सैनिकों के आर्थिक भविष्य पर चली कुल्हाड़ी

- अब सैनिकों के जीपीएफ खाते में जमा करने की राशि फिक्स
- पीएम के सिपहसालार नौकरशाह के सेना-विरोधी होने का संदेह
- विकलांगता पेंशन में अनापशनाप कटौती के बाद दूसरा प्रहार

नई दिल्ली 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार भारतीय सेना के तीनों अंगों को लगातार सुविधाओं और आर्थिक रूप से पंगु बनाती जा रही है। जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के सिपहसालार नौकरशाह सेना-विरोधी हैं और सेना के खिलाफ अनाप-शनाप फैसले लिए जा रहे हैं। सेना के डेयरी फार्म्स हटाए गए, डेयरी फार्म्स की कीमती साहीवाल गायें कौड़ियों में बेच डाली गईं । वेटनरी कोर नष्ट कर दिया गया, छावनियों की बेशकीमती जमीनें सेना से छीन ली गईं, रक्षा मंत्रालय के डीआरडीओ जैसे संवेदनशील उपक्रमों को निजी हाथों में बेचने की प्रक्रिया शुरू की गई, सैनिकों के ओआरओपी में तरह-तरह की कारगुजारियां की गईं। सैनिकों का पेंशन न देना पड़े इसके लिए अग्निवीर जैसी रद्दी व्यवस्था लागू कर सेना की रीढ़ तोड़ी गई, सेना की विकलांगता पेंशन करीब-करीब रोक दी गई और अब सैनिकों के जीपीएफ पर केंद्र सरकार ने कुल्हाड़ी चलाई है। सैनिक जीपीएफ में पैसा जमा कर अपने भविष्य के लिए कुछ धन इकट्ठा करते थे, अब उस पैसे पर भी सरकार की कुदृष्टि लग गई है।

केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं के अधिकारियों के वित्तीय फायदों पर कैंची चला दी है। प्रधान रक्षा लेखा नियंत्रक (अधिकारी) द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि अब रक्षा क्षेत्र के सभी अधिकारी, अपने जनरल प्रोविडेंट फंड अकाउंट यानी सामान्य भविष्य निधि खाते में एक वर्ष के दौरान केवल पांच लाख रुपए ही जमा करा सकेंगे। सरकार ने जीपीएफ में पैसा जमा कराने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। इससे पहले सेना के वरिष्ठ अफसर हर माह अपनी पूरी बेसिक सेलरी, जीपीएफ में जमा करा देते थे। इसके चलते सरकार ने अब जनरल प्रोविडेंट फंड में जमा कराई जाने वाली राशि की एक सीमा निर्धारित कर दी है।

भारत सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के अंतर्गत आने वाले पीसीडीए (ओ) द्वारा 19 मार्च को उक्त आदेश जारी किया गया है। इस प्रतिष्ठित विभाग के शीर्ष पर रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) है। यह विभाग सेना के अधिकारियों को वेतन, भत्ते की अपरिहार्य सुविधा प्रदान करने, सावधानीपूर्वक लेखांकन करने और व्यापक आंतरिक ऑडिट करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग का पूरा ध्यान, रक्षा अधिकारियों के व्यय और प्राप्तियों के प्रबंधन पर रहता है। इससे पहले साल 2023 में अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए भी जनरल प्रोविडेंट फंड में पैसा जमा कराने की अधिकतम सीमा तय कर दी गई थी। भारत सरकार के लोक शिकायत, कार्मिक और पेंशन मंत्रालय के तहत पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा छह जनवरी, 2023 को जारी अपने आदेश में कहा था, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी, पांच लाख रुपए से ज्यादा की राशि जीपीएफ में जमा नहीं करा सकेंगे। जब तक अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि नियम 1955 में संशोधन नहीं होता है, तब तक वहीं नियम लागू होंगे, जिनके तहत केंद्रीय कर्मचारियों के लिए पांच लाख रुपए से ज्यादा की राशि जीपीएफ में जमा नहीं कराने का आदेश जारी किया गया था।

इस संबंध में केंद्र के कई विभागों के नियमों में थोड़ा बहुत ही अंतर होता है। अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि नियम 1955, केंद्र सरकार के सिविल कर्मी, रक्षा विभाग और रेलवे में कुछ नियम अलग होते हैं। हालांकि ये नियम आपस में मिलते-जुलते हैं, लेकिन इनके नियमों का सेट अलग रहता है। डीअ-ोपीटी ने कहा है कि जब तक अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि नियम 1955 में संशोधन नहीं किया जाता, तब तक इस सेवा के अधिकारियों पर भी वही नियम लागू होंगे, जिनके अंतर्गत केंद्रीय कर्मियों पर जीपीएफ की नई शर्त लागू की गई है। पिछले साल पहली जनवरी से आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और दूसरी अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारी भी जीपीएफ में पांच लाख रुपए से ज्यादा की राशि जमा नहीं करा सकेंगे।

सैन्य ड्यूटी में बीमार हुए तब भी नहीं मिलेगी विकलांगता पेंशन

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार सेना के अधिकारी और सुविधाओं में लगातार कटौतियां किए जा रही है। अभी कुछ ही महीने पहले सरकार ने देश के सैनिकों के लिए विकलांगता पेंशन में संशोधन नए नियम लागू कर दिए। पूर्व सैनिकों इन नए पेंशन-नियमों का पुरजोर विरोध किया, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। सत्ता हमेशा ऊंचा सुनती है, यह फिर साबित हुआ। नई पेंशन पॉलिसी सैनिकों के हित में नहीं है। इस नियम को काफी कठोर बना दिया गया है। नई विकलांगता पेशन पॉलिसी में सैनिकों को मुआवजा देने के लिए कई कड़ी शर्तें शामिल कर दी गईं। ब्लड प्रेशर और दिल से संबंधित बीमारियों के लिए सैनिक विकलांगता पेंशन के लिए पात्र नहीं होंगे। नए नियम 7 (बी) में कहा गया है कि किसी सैनिक को कोई बीमारी भले ही उसकी सैन्य सेवा में क्यों आए, उसे विकलांगता पेंशन नहीं मिलेगी। यह विश्त स्तर पर सेनाओं के लिए लागू नियमों के विपरीत है। यह भारत में केंद्रीय अर्ध सैनिक बल पर लागू नियमों और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के भी विपरीत है। नए नियम 11 (बी) (2) में कहा गया है कि बीमारियों पर पेंशन की नीति तभी मान्य की जाएगी जब बीमारी अधिक काम करने के कारण होगी। जिसमें सैनिक को अधिक मेहनत करनी पड़ी हो। पहले के नियमों में यह शर्त नहीं थी, उसे काफी लचीला रखा गया था। पूर्व के नियम में सैन्य सेवा के समय होने वाली किसी भी विकलांगता को सेवाकाल (सर्विस पीरियड) से जुड़ा हुआ माना जाता था। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि विकलांगता या मृत्यु लाभ के अधिकार से इस आधार पर इन्कार नहीं किया जा सकता है कि वह सैन्य सेवा के दरम्यान हुआ या छुट्टी के दरम्यान।

भाजपा की एक और सूची जारी

राजस्थान के लिए दो और मणिपुर के लिए एक उम्मीदवार का ऐलान

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने छठी सूची जारी कर दी है। इसमें तीन उम्मीदवारों का ऐलान किया गया है। सूची में राजस्थान के लिए दो और मणिपुर के लिए एक उम्मीदवार का नाम घोषित किया है। जानकारी के मुताबिक, राजस्थान की करौली-धौलपुर (अजा) लोकसभा सीट से इंदु देवी जाटव और दौसा से कन्हैया लाल मीणा को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा इनर मणिपुर लोकसभा सीट से थौनाओजम बसंत कुमार सिंह पर दांव लगाया गया है।

सूची में बड़ी बात यह है कि दौसा सीट से वर्तमान सांसद जसकौर मीणा का पार्टी ने टिकट काट दिया है। कांग्रेस ने यहां से मुरारी लाल मीणा को उम्मीदवार घोषित किया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद मनोज राजोरिया हैं। इन्होंने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की थी। पार्टी ने इस बार उनका भी टिकट काट दिया है। कांग्रेस ने यहां से भजनलाल जाटव को टिकट दिया है।भाजपा ने राजस्थान की 25 लोकसभा सीट में से 24 सीट पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। मणिपुर के इनर मणिपुर संसदीय क्षेत्र से थौनाओजम बसंत कुमार सिंह को पार्टी ने टिकट दिया है। इनर मणिपुर सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री राजकुमार रंजन सिंह का भी टिकट काट दिया है। पार्टी ने उनके स्थान पर राज्य सरकार में मंत्री बसंत कुमार सिंह पर भरोसा जताया है। भाजपा ने 543 सदस्यीय लोकसभा चुनाव के लिये अब तक 401 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। लोकसभा की 543 सीट के लिए 19 अप्रैल से एक जून के बीच सात चरण में चुनाव होना है। मतगणना चार जून को होगी।उल्लेखनीय है कि भाजपा की पहली सूची में 195 नामों का ऐलान किया गया था, जिसमें 34 केंद्रीय और राज्य मंत्रियों के नाम सूची में थे। पहली सूची में 28 महिलाओं को भी मौका दिया गया।

महाराष्ट्र में सीटों के बंटवारे पर एनडीए में सहमति

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने बताया कि महायुक्ति सभी 48 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने आगे कहा कि लगभग सभी मुद्दों पर बातचीत हो चुकी है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने बताया कि राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को रायगढ़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।मीडिया से बात करते हुए अजित पवार ने कहा, कौन किस सीट से चुनाव लड़ेंगे, इस पर फैसला हो चुका है। लगभग 90 फीसदी चीजें तय हो चुकी हैं। अब 28 मार्च को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी घोषणाएं की जाएगी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने कहा, महायुक्ति में कोई भ्रम नहीं है। हम एक साथ बैठे और सीट समझौते पर बातचीत की। सीट समझौते पर भाजपा और शिवसेना ने भी सहयोग दिया। सभी घोषणाएं अब भाजपा और शिवसेना के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की जाएगी।

महाराष्ट्र के 48 सीटों पर 19 अप्रैल से 20 मई तक पांच चरणों में लोकसभा चुनाव होने वाला है। नतीजे चार जून को आएंगे।

पिछली लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों पर भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने 41 सीटें जीती थी। वहीं राकांपा ने चार, कांग्रेस, एआईएमआईएम और निर्दलीय को महज एक सीट पर जीत मिली।

ममता बनर्जी पर टिप्पणी के बाद घिरे भाजपा सांसद

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद दिलीप घोष के एक वीडियो क्लिप में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मजाक उड़ाते हुए सुनने के बाद मंगलवार को विवाद खड़ा हो गया है। जिसके बाद से ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी खासा आक्रामक दिखाई दे रही है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास भाजपा सांसद दिलीप घोष के बयान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

दिलीप घोष की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी ने कहा कि भाजपा सांसद की टिप्पणी भाजपा के डीएनए को दिखाता है। दिलीप घोष की आलोचना करते हुए टीएमसी ने वीडियो क्लिप साझा किया। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष, जो वर्तमान में बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, ने टीएमसी के नारे बांग्ला निजेर मेये के चाय (बंगाल अपनी बेटी चाहता है) का मजाक उड़ाया था।

दिलीप घोष ने ममता बनर्जी पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि जब ममता बनर्जी गोवा जाती है, तो कहती है कि वह गोवा की बेटी है। त्रिपुरा में वह करती है कि वह त्रिपुरा की बेटी है।

पहले उन्हें स्पष्ट करने दीजिए। मेदिनीपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद घोष टीएमसी के 2021 चुनाव नारे बांग्ला निजेर मेये केई चाय का जिक्र कर रहे थे। भाजपा नेता की टिप्पणी के खिलाफ चुनाव आयोग का टीएमसी ने दरवाजा खटखटाया है। पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने दिलीप घोष से माफी की मांग की और कहा कि टिप्पणियां भाजपा के डीएनए में मौजूद है। उन्होंने कहा कि दिलीप घोष को तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

टीएमसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि दिलीप घोष राजनीतिक नेतृत्व के नाम पर अपमानजनक है।

मां दुर्गा की वंशावली को चुनौती देने से लेकर अब ममता बनर्जी की वंशावली पर सवाल उठाने तक वह नैतिक दिवालियापन की सबसे गहरी खाई में डूब गए हैं।

टीएमसी ने दावा किया कि इस तरह के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि दिलीप घोष के मन में बंगाल की महिलाओं के लिए कोई सम्मान नहीं है, चाहे वह हिंदू धर्म की प्रतिष्ठित देवी हों या भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हों। गौरतलब है कि टीएमसी ने चुनावी नारा बांग्ला निजेर मेयेकेई चाय लाकर बंगाली गौरव को बढ़ावा दिया था।

महाकुंभ के अतिरिक्त भी प्रयागराज को पर्यटन और यात्रियों की सुविधाओं के लिए संवारा जा रहा है। इसके अंतर्गत 7 विभागों के प्रोजेक्ट्स संचालित हैं। इसमें टूरिज्स डिपार्टमेंट के कुल 29 प्रोजेक्ट्स के लिए 70 करोड़ से ज्यादा की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है और 23 करोड़ से ज्यादा की राशि जारी भी की जा चुकी है।

केजरीवाल के इस्तीफे की मांग पर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का कहना है कि वे शराब घोटाले से ध्यान भटकाना चाहते हैं, वे कहते रहते हैं कि उन्हें (जेल से) आदेश मिल रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ईडी की हिरासत में ड्रामा कर रहे हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 68,690/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 76,865/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

गर्भगृह में आग लगने की घटना की हो रही जांच

उज्जैन, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाकालेश्वर मंदिर में होली पर्व पर भस्मआरती के दौरान भड़की आग की घटना के बाद सभी पुजारी और सेवकों को तुरंत जिला अस्पताल और गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया गया था, जहां उनका उपचार जारी है। बाबा महाकाल के गर्भगृह में हुई इस घटना के बाद सोमवार को पूरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तक इस घटना को लेकर चिंतित नजर आए और इस मामले में मजिस्ट्रियल जांच किए जाने के निर्देश दिए, साथ ही यह भी बताया गया कि तीन दिनों में कमेटी इस जांच को पूरा करें और जो भी दोषी हो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में होली पर्व पर घटित हुई आ-गजनी की घटना की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो चुकी है। इस घटना की जांच कर रहे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मृणाल मीना और अपर कलेक्टर उज्जैन अनुकूल जैन अभी तो कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन जांच के दौरान उन्हें कई ऐसी जानकारियां मिल रही है जिससे कि तीन दिन बाद जब वे इस रिपोर्ट को सौंपेंगे तो बाबा महाकाल के गर्भगृह में लगी आग का राज जरूर फाश हो जाएगा।जांच के दौरान अधिकारियों को गर्भगृह में आग लगने की अलग-अलग जानकारी मिल रही है। कोई बता रहा है कि आग गुलाल फेंके जाने से लगी तो किसी का कहना है कि घटना के समय रंग गुलाल के स्प्रे भी चलाए गए थे, जिसके कारण भी आग अचानक भड़की और कुछ ही सेकंड में 14 पुजारी और सेवक इस आगजनी में झुलस गए। वहीं बताया यह भी जाता है कि गर्भगृह में आगजनी से सबसे पहले फ्लेक्स जलने की बात सामने आई थी, लेकिन इस दौरान यहां कुछ पर्दे भी लगे हुए थे, जिन्होंने सबसे पहले आग पकड़ी थी। यह जानकारियां जांच अधिकारियों को मिल तो रही है, लेकिन इन बातों में कितनी सत्यता है यह तो अधिकारी जांच के बाद पेश की जाने वाली रिपोर्ट में ही बताएंगे।याद रहे कि बाबा महाकाल के शिवलिंग का शरण ना हो इसके लिए सारिका गुरु द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी जिसके बाद प्रतिवर्ष महाकालेश्वर मंदिर में जांच करने जीएसआई और एएसआई कि टीम पहुंचती है जोकि बाबा महाकाल को अर्पित की जाने वाली सामग्री के साथ ही उन्हें चढ़ाए जाने वाले जल पंचामृत और अन्य सामग्री की शुद्धता को देखती है। याद रहे की कुछ वर्षों पूर्व इस टीम के द्वारा ही होली पर्व पर बाबा महाकाल को हर्बल गुलाल लगाए जाने की बात कही गई थी और मंदिर में बाबा महाकाल को यही अर्पित भी किया जाता था, लेकिन इस वर्ष इस आगजनी की घटना ने यह पोल खोल दी की श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के जिम्मेदार जो बता रहे थे उनकी बातों में इतनी सत्यता नहीं थी।

जनकल्याण योजनाओं पर सब्सिडी खत्म होने की अफवाह

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सार्वजनिक सेवाएं, सामाजिक कल्याण योजनाएं और सब्सिडी सीएम की गिरफ्तारी से प्रभावित नहीं होंगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा वर्तमान में दी जाने वाली सभी सार्वजनिक सेवाएं, सामाजिक कल्याण योजनाएं और सब्सिडी निर्बाध रूप से जारी रहेंगी।

लोगों को किसी भी डर से गुमराह नहीं होना चाहिए। दिल्ली सरकार के योजना विभाग की सचिव निहारिका राय ने एक प्रेस नोट में यह बातें कहीं। दरअसल, दिल्ली में अफवाह उड़ाई गई है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सभी प्रकार की जनकल्याण योजनाओं पर मिल रही सब्सिडी खत्म कर दी जाएगी। इस अफवाह के बाद विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि ऐसा कुछ नहीं है। योजना विभाग की सचिव निहारिका राय ने एक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि यह महज एक अफवाह है और इस पर किसी को ध्यान देने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के हिरासत में जाने के बाद भी जो सुविधाएं मिल रही हैं। वह पहले की तरह जारी रहेंगी। किसी भी सुविधा को बंद नहीं किया जा रहा है। दिल्ली सरकार की सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी कानूनी प्रक्रिया है, उसका सब्सिडी के मिलने न मिलने से कोई संबंध नहीं है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के हिरासत में जाने के बाद भी जो सुविधाएं मिल रही हैं। वह पहले की तरह जारी रहेंगी। किसी भी सुविधा को बंद नहीं किया जा रहा है। दिल्ली सरकार की सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी कानूनी प्रक्रिया है, उसका सब्सिडी के मिलने ना मिलने से कोई संबंध नहीं है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,470.30
-361.64 -0.50% ↓

एनएसई :22,004.70
-92.05 (-0.42%) ↓

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक और बिहार दोनों प्रदेश उन्नति कर रहा: करंदलाजे

बिहार दिवस एवं होलीकोत्सव मनाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पैलेस ग्राउंड गायत्री विहार में शनिवार को श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के द्वारा बिहार दिवस एवं होलीकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ पंडित राजगुरु, पंडित निगम झा एवं पंडित अमित पांडे के द्वारा मंगलाचरण से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का संचालन परिषद अध्यक्ष डॉ विनय कुमार यादव एवं उन्नति झा ने किया। राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने स्वागत भाषण दिया। हरिश्चंद्र झा एवं उदय कुमार ने अपने मन के उद्गार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे थी। उन्होंने दीप प्रज्वलन किया। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि बहुत उर्वर है। वहां पर बहुत से आईएस, आईपीएस प्रतिवर्ष बनते हैं। आज के समय में भी कर्नाटक में बहुत से आई.ए. एस एवं आईपीएस कर्नाटक की सेवा कर रहे हैं। इससे कर्नाटक की भी उन्नति हो रही है। बिहारी के परिश्रम के कारण कर्नाटक और बिहार दोनों प्रदेश उन्नति कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी की सरकार फिर से आएगी, इसलिए मुझे वोट मांगने की जरूरत नहीं है। आप खुद ही अपने मन से हमेशा वोट देते हैं एवं देते रहेंगे। बिहारी के साथ हमारा मधुर संबंध रहा है। हम चार बार बिहार भवन आ चुके हैं। भविष्य में जब कभी बुलाया जाएगा तो हम जरूर आएंगे। आपकी सेवा के लिए मैं हमेशा तैयार हूं। डॉ विनय कुमार यादव ने कहा की करंदलाजे एक दक्षिण भारतीय महिला होकर यहां के लोगों के सम्मान के लिए हिंदी में भाषण दे रही थी। यह उनके लिए और हमारे लिए गौरव की बात है। सभी को कर्मभूमि की भाषा का सम्मान करनी चाहिए।

राज्य संचालक प्रकोष्ठ भाजपा के सीजी दत्तात्रेय एवं अल्पसंख्यक राज्य महामंत्री भाजपा इंद्र कुमार ने भी मन के उद्गार व्यक्त किए। बच्चों के द्वारा झांकियां प्रस्तुत की गई एवं महिला मंडल के द्वारा बिहार की संस्कृति एवं पर्व से संबंधित झांकियां प्रस्तुत की। जिसका संचालन परिषद् सचिव पंडित राजगुरु ने किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं ने सहयोग दिया। जिसमें मुख्य रूप से पवन मिश्रा, मणिकांत झा, आशुतोष सिंह, वीर बहादुर सिंह, संजय सिंह उज्जैन, अनिल सिंह , प्रवीण पांडे, अमित झा, आशीष मिश्रा, एसके उपाध्याय, राम लखन सिंह, अमित सिंह और कांति स्वीट का योगदान सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम में देश के मशहूर गजल, गीत, भोजपुरी, मैथिली, होली गायक कुमार सत्यम ने अपनी समा बांधा । उनका गीत और गजल लोगों को बहुत भाया। उनका गजल नैना से नैना मिलाइके जब शुरू हुआ तो सभी ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया। उनके गीत गजल पर आम जनता थिरकती हुई नजर आई। परिषद के सभी सदस्यों ने उपस्थित सभी सदस्यों के साथ फूलों की होली खेली। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष उदय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन का होली मंगल मिलन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन बेंगलूरु द्वारा होली मंगल मिलन समारोह का आयोजन व्हाइट फील्ड में अध्यक्ष सुनील सिंहऔर बेंगलूरु अधिकारी के द्वारा किया गया। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय अध्यक्षअनिल सिंह सिकरवार के संबोधन से हुई। क्षत्राणियों द्वारा गणेश बंदना और सरस्वतीबंदना की गई, जिससे वहां का माहौल होलीमय में बदल गया। क्षत्रिय का जीवन कैसा होना चाहिए सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समाज केक्षत्रिय और क्षत्राणियों ने लोक गीतों के द्वारा होली उत्सव के संबंध और समृद्धि कोउजागर किया। अनिल सिंह सिकरवार ने

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारासामाजिक मंच पर संचालित विभिन्न पहलों और गतिविधियों के बारे में बताया और अपनेपूर्वजों का मान सम्मान बनाए रखने और सदा राष्ट्रीय हित के लिए तैयार रहने काआह्वान किया। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह, राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्रसिंह, राष्ट्रीय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधांशु सिंह, मातृशक्ति अध्यक्ष ममता सिंह, संयुक्त सचिव बेंगलूरु इंदु सिंह, बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह, उपाध्यक्ष परमेश्वर सिंह,व्हाइट फील्ड युवा अध्यक्ष रोहित सिंह, युवा उपाध्यक्ष चेतन सिंह, युवा सचिव धनंजयसिंह, मातृशक्ति अध्यक्ष सुभाषिनी सिंह, निर्मला सिंह, गुंजन सिंह सिमा सिंह, रिंकी सिंह,काजल सिंह, अंजली सिंह, मातृशक्ति निर्मला सिंह, समेत अन्य लोग मौजूद थे।

श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर का 64 वां अवतरण दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में फाल्गुन चतुर्दशी होली चातुर्मास और खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी का 64 वां अवतरण दिवस और 65 वें वर्ष में प्रवेश कार्यक्रम पूज्य मलयप्रभ सागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी और गणिनी प्रवरा पूज्य साध्वी सुलोचना श्रीजी की सुशिष्याओं साध्वी वर्याओं की निश्रा में श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन में मनाया गया। पूज्य साध्वी वर्या ने 'गुरुवर का आया है जन्मदिन महान' सुन्दर गीतिका प्रस्तुत की। मलयप्रभ सागर जी ने अपने प्रवचन में गुरुदेव को जन्मदिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि गु का मतलब अंधकार और

रु का मतलब निवारण करना है। गुरु हमारे जीवन से अंधकार मिटाने वाले होते हैं। गुरु और शिष्य के बीच समर्पण ही सर्वोपरि होता है।

अच्छा गुरु वही होता है जो पहले सर्वश्रेष्ठ शिष्य होते हैं। गुरुदेव को आचार्य और गच्छाधिपति पदवी मिलने के बाद खरतरगच्छ का चहुंमुखी विकास हुआ है। गुरु की तुलना एक अपेक्षा से समुद्र से की गई है। समुद्र और गुरु दोनों धीर गम्भीर होते हैं। लेकिन जो व्यक्ति समुद्र में डूबता है तो डूब जाता है लेकिन जो गुरु में डूबता है वह इस संसार सागर से तिर जाता है। वैसे ही सूर्य और गुरु दोनों तेजस्वी होते हैं। लेकिन जो सूर्य के पास जाता है वह जल जाता है और जो गुरु के पास जाता है वह चमक जाता है। सबसे बड़ी गुरु की सेवा गुरु आज्ञा में रहना है, एक बार जो गुरु ने बोल दिया वह पत्थर की लकीर होनी चाहिए। गुरु तत्व में बहुत बड़ी शक्ति है। जिसके जीवन में गुरु नहीं है उन्हें योग्य गुरु की खोज करके उनकी शरण में जाना चाहिए। खरतरगच्छ संघ के मंत्री अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव के संस्मरणों के बारे में बताते हुए कहा कि गुरुदेव हमेशा गच्छ उन्नति और प्रगति कैसे करे यही चिन्तन करते हैं और गुरुदेव ने अनेकों साहित्य, पूजाएं और परमात्मा के स्तवनों की रचना की है। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि खरतरगच्छ आचार्य जिन कान्ति सागर जी के प्रमुख शिष्य मणिप्रभ सूरीश्वर जी के 64 वें अवतरण दिवस पर पूरे भारतवर्ष के संघों द्वारा, युवा एवं महिला परिषदों और मंडलों के द्वारा मानव सेवा, जीवदया, स्नात्र पूजा, सामायिक जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित करके मनाया। मंडल के राजेन्द्र गुलेच्छा ने गुरुदेव के जन्मदिवस पर समर्पित एक सुन्दर गीत प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् की मंत्री रेखा चौपड़ा ने गुरुदेव के जीवन के बारे में बताते हुए उनके गुणों का बखान किया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, उपाध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, वरिष्ठ सदस्य चुन्नीलाल गुलेच्छा के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

श्याम दरबार में फूलों से खेली गई होली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने श्याम मंदिर ट्रस्ट द्वारा सोमवार को मन्दिर प्रांगण में होली महोत्सव का आयोजन किया गया। सुबह से बाबा श्याम के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन किये और मोनू गाड़िया, अशोक मोहता, श्याम बगड़िया, मुरारी दाधीच, महेंद्र व्यास ने मीठे मीठे भजनों व होली धमाल की प्रस्तुति से बाबा श्याम के भक्तों को खूब झुमाया। भक्तों ने आनन्द से फूलों की होली खेली। मीठे रस से भरियोड़ी राधा रानी लाग की प्रस्तुति पर भक्तों ने झूम झूम कर नृत्य किया। पूरा

मन्दिर परिसर श्याम रंग में रंगा हुआ था। भक्तों ने आपस मे जय श्री श्याम के जयकारों के सारः गुलाल लगा कर एक दूसरे को होली पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, किशोरीलाल मोहता, रेवन्त मल झँवर, प्रभात किशनपुरिया, ऋषि गुप्ता, सुरेंद्र लाला गोयल, श्याम

गौशाला के प्रमुख सतीश गोयल सहित शहर की अनेक श्याम मंडल के गणमान्य जनों ने उपस्थित होकर बाबा के दरबार में हाजरी लगाई। मन्दिर कमेटी ने सभी श्याम भक्तों को होली महोत्सव पर व्यवस्था में सहयोग प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया। सभी को होली की शुभकामनाएं दी।

आत्म कल्याणकारी त्रिदिवसीय रत्नत्रयी की आराधना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट में हर्षोल्लास से आत्मकल्याणकारी त्रिदिवसीय रत्नत्रयी की आराधना हुई। फाल्गुण महीने के अंतिम तीन दिन फाल्गुण सुदि तेरस, चौमासी चौदस, फाल्गुण सुदि पूनम त्रिदिवसीय आराधना में निश्रा श्री केसरसूरि समुदाय के गच्छाधिपति आ. श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के शिष्य मुनिराज श्री बोधिप्रभविजयजी, साध्वीजी श्री अरिहंतप्रभश्रीजी ने की। फाल्गुण सुदि तेरस का महत्व जैन धर्म में बहुत ज्यादा है। फाल्गुण फेरी का अर्थ है अनंत सिद्धों की भूमि सौराष्ट्र के ऋषभ-राज्य पालीताणा में स्थित श्री शत्रुंजय महातीर्थ की छः गाऊ की यात्रा। लगभग 84000 वर्ष पूर्व श्री कृष्ण महाराजा के पुत्र श्री श्याम और श्री प्रद्युम्न ने जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ प्रभु

से वैराग्य बोध प्राप्त कर दीक्षा अंगीकार करने के बाद साढ़े आठ करोड़ अन्य मुनियों के साथ श्री शत्रुंजय गिरिराज पर भाड़वा की डूंगर से मोक्ष प्रयाण किया था। इसी दिवस का स्मरण करते हुए लगभग चौरासी हजार वर्ष से भक्तगण श्री शत्रुंजय गिरिराज पर छः गाऊ की यात्रा करतें है, जिसे हम फाल्गुण फेरी के नाम से जानते है। जो वहाँ पर तीर्थ यात्रा में नहीं जा सकतें है उनके लिए चिकपेट श्री संघ में फाल्गुण फेरी की व्यवस्था हुई जिसमें तीनों खंड में 108 प्रदक्षिणा की गई। श्री शत्रुंजय पट जुहारने के साथ चैत्यवंदन, श्री शत्रुंजय भाव यात्रा, मंदिर में चैत्यवंदन, पाल में साधर्मिक भक्ति, पौषधशाला में प्रतिक्रमण हुए। चातुर्मासिक चौदस जैन धर्म में अति महत्वपूर्ण दिन है। पिछले चार महीनों में जाने अनजाने में किए हुए पापों का प्रतिक्रमण किया जाता है। इस दिन से आहार के कई नियम बदल जाते हैं क्योंकि वातावरण भी बदलता है। इस दिन प्रातः काल मंदिर में श्री आदिनाथ भगवान के महाभिषेक के बाद उपाश्रय में प्रवचन के बाद देव वंदन किए गए। संध्या भक्ति के बाद प्रतिक्रमण किया गया और कई आराधकों ने पौषध व्रत लिया। पूनम के दिन भी श्री आदिनाथ प्रभु से मिलने कई श्रद्धालुओं का आगमन चिकपेट श्रीसंघ में हुआ।

होली चातुर्मास मनाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में रविवार को 160 संघ सदस्यों ने महासती श्री धर्म प्रभाजी एवं स्नेह प्रभाजी के सानिध्य में श्री मरुधर केसरी जैन कन्या कॉलेज वानियमबाडी में तप त्याग से होली चातुर्मास मनाया गया। महिला मंडल के मंगलाचरण से सभा की शुरुआत हुई। साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व लौकिक एवं लोकोतर दोनों तरह से मनाया जाता है पर जैन परम्परा धर्म के तहत एक ऐसी होली खेली जाए जो जन्म मरण के चक्कर को समाप्त कर दे। महासतीजी श्री धर्म प्रभाजी ने जन समूह को इस पावन पर्व पर संदेश दिया कि होली पर्व मनुष्य को अध्यात्म का संदेश देते हुए आत्मा को पावन करता है। जैसे अधर्म पर धर्म की जीत, असत्य पर सत्य की जीत, बुराई पर अच्छाई की जीत है। मंत्री सुरेश धोका ने संक्षिप्त में संघ की जानकारी दी एवं होली चातुर्मास के तहत सभी सदस्यो ने खड़े होकर हनुमंतनगर में 2024 के चातुर्मास (वर्षावास) करने की विनंती की एवं सुकन मुनिजी की आज्ञा से श्री धर्मप्रभाजी ने काल भाव क्षेत्र सभी आधार रखते हुए 2024 का चातुर्मास हनुमंतनगर श्री संघ को प्रदान किया। हनुमंतनगर महिला मंडल ने इस अवसर पर एक सुंदर स्तवन से आने वाले 2024 के चातुर्मास का भव्य स्वागत किया। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी के साथ पूरे संघ सदस्यों, महिला मंडल, नवयुवक मंडल ने दर्शन, प्रवचन, मंगलपाठ का लाभ लिया। नवयुवक मंडल ने अल्पहार एवं प्रसादी वितरण की बागडोर संभाली। महिला एवं बहु मंडल की सहभागिता ने माहौल में चार चांद लगाने का काम किया। श्री मरुधर केसरी जैन कालेज के अध्यक्ष विमल मुथा एवं मंत्री लिखमीचंद की सेवाओं की अनुमोदना की गई। संघ का निमंत्रण स्वीकृत करते हुए रणजीतमल कानुंगा, संपतराज मरलेचा, पारसमल लोढ़ा, सुरेश छल्लानी चेन्नई, अंबुर, वानियमबाडी, मरुधर केसरी सेवा समिति के अध्यक्ष तकतराज बाफना मंत्री अशोक धोका एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में सोमवार को स्वर्गीय मूलचंद छाजेड़ की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर आर.टी. स्ट्रीट पर महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 500 लोगों ने प्रसादी का लाभ उठाया। होली के उपलक्ष्य में ठंडाई का वितरण भी किया गया। यह दान सिरियारी के छाजेड़ परिवार की ओर से किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक जोन के चेयरमैन सुशील तलेसरा, मुख्य सचिव विजयराज सिसोदिया, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, राजेश श्रीश्रीमाल, अशोक छाजेड़, कंचन, ममता आदि समिति सदस्य तथा पूरा छाजेड़ परिवार उपस्थित रहा। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु की चेयरपर्सन भारती छाजेड़ तलेसरा ने सभी लाभार्थियों तथा सेवाभावी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

वार्षिकोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट द्वारा संचालित अर्हम् ग्रुप का नौवें वर्ष का वार्षिकोत्सव, अर्हम् अभिवादन रविवार को मनाया गया। जिसमें आचार्य विजय अभयशेखरसूरीश्वरजी, श्री विनयशेखरविजयजी, श्री आगमशेखरविजयजी, श्री जयभानुशेखरविजयजी ने निश्रा प्रदान की।

चिकपेट श्रीसंघ के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी ने कहा कि दक्षिण में गुरुभगवंतों का आवागमन पिछले 9 वर्षों में बढ़ा है। चातुर्मास ज्यादा होते आ रहें है, जिसका श्रेय अर्हम ग्रुप को जाता है। गुरुभगवंतौं के आशीर्वाद एवं प्रयासों से अर्हम् ग्रुप के 70 सेंटर्स भारत में विशेषकर दक्षिण

में बने हुए है जो एक दूसरें को सहयोग देते हुए जिनशासन की प्रभावना कर रहे हैं। इनमें सब से बड़ा सेन्टर चिकपेट श्रीसंघ के अंतर्गत चल रहा है। वर्षों की उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। गुरुभगवंतों ने प्रेरणादायी मार्मिक उत्साहवर्धक प्रवचन में सभी वीरों में जोश भरा व विहार की महिमा को दर्शातें हुए गुरुभगवंतों के समागम से आत्मिक लाभ के बारे में प्रेरणा दी। एक नाटिका भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के सम्पूर्ण लाभार्थी गवरीदेवी, हरकचंद, लादा संकलेचा परिवार, मेंगलवा व अर्हम ग्रुप के युवाओं के लिए परिधान के लाभार्थी कमला बाई खीमराज पगारिया परिवार, टेवाली (पाली) का धन्यवाद देते हुए बहुमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुम्बई से पधारे हुए शासन भाई शाह ने किया व संगीत की प्रस्तुति मीत भाई ने दी।

भाजपा-जेडीएस गठबंधन में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बनी

जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में एकता की कमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजनीतिक दल कर्नाटक के अधिकांश लोकसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर रहे हैं, जिससे एक मेगा लड़ाई का मंच तैयारहो रहा है। हालांकि, इस बार लोकसभा चुनाव में काफी चर्चा में रहे बीजेपी-जेडीएस गठबंधन पर अभी तक कोई ठोस सहमति बनती नहीं दिख रही है। जेडीएस के जमीनी स्तर के नेताओं को भाजपा ने अभी भी विश्वास में नहीं लिया है। गठबंधन दलों के लिए सभी स्तरों पर दोनों दलों के बीच उचित सहमति और गठबंधन लाना, जेडीएस में भ्रम और चिंता को दूर करना और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करना एक चुनौती है। इससप्ताह की शुरुआत में हुई कोर कमेटी की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने हिस्सा लिया था। इस बैठक में जद (एस) के कई नेताओं ने भाजपा द्वारा खुद को प्रचार या चुनाव संबंधी कार्यों में शामिल नहीं करने और कलबुर्गी में

प्रधानमंत्री के सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। क्षेत्रीय पार्टी के नेताओं को लगता है कि वे राज्य की 18 लोकसभा सीटों में से तीन से चार प्रतिशत सीटें स्थानांतरित करके भाजपा की मदद कर सकते हैं। लेकिन अगर भाजपा अपनी सेवाओं का उपयोग करने में विफल रहती है, तो उसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

सोमवार को कोर कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुएपूर्व सीएम कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं की नाराजगी से बीजेपी नेताओं को अवगत करा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जेडीएस नेताओं से बीजेपी के साथ समन्वय और सहयोग करने का अनुरोध कियाहै। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ और देवेगौड़ा के दामाद डॉ. सी.एन.मंजूनाथ ने कहा कि जेडीएस बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय रूप से प्रचारकर रही है, जो भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रही है।

हालांकि,बीजेपी-जेडीएस गठबंधन के शुरुआती दिनों में जो उत्साह देखने को मिला, वह ग्रामीण बेंगलूरु के अलावा कहीं और देखने को नहीं मिला। चूंकि समझौते की व्यापक रूपरेखा पर सहमति बन गई है, इसलिए भाजपा को जहां आवश्यक हो वहां लचीलापन दिखाने की जरूरत है। विडंबना यह है कि स्थानीय स्तर पर संयुक्त रणनीतियों पर चर्चा के लिए उन्होंने अभी तक संयुक्त सम्मेलन या बैठकें आयोजित नहीं की हैं। अगर गठबंधन को अपना मकसद पूरा करना है तो बूथ स्तर परदोनों पार्टियों के शीर्ष नेताओं के बीच तालमेल बिठाना होगा। उन्हें सभी क्षेत्रों में संयुक्त सम्मेलन करने की जरूरत है ताकि दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एकजुट होकर काम कर सकें। दोनों पार्टियों के जमीनी स्तर पर काम करने में नाकाम रहने से लोकसभा चुनाव के नतीजों पर असर पड़ सकता है। 2019 में जब कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर चुनाव लड़ा तोदोनों के बीच कोई समझौता नहीं हुआ। इतना ही नहीं, गठबंधन में कई बिंदुओं पर आंतरिक विरोधाभासों से भी भाजपा को मदद मिली। लेकिन 2019 मेंकांग्रेस-जेडीएस गठबंधन और अब भाजपा-जेडीएस गठबंधन के बीच कई मतभेद हैं।

पुराने मैसूरु क्षेत्र में एक शक्ति बन सकता है

केंद्र सरकार के प्रदर्शन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और गारंटीकृत योजनाओं पर केंद्रित लोकसभा चुनाव में गठबंधन सहयोगियों की सफलता एक-दूसरे के पूरक होने की उनकी क्षमता पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, गौड़ाके गृह जिले हासन में भाजपा का समर्थन जेडीएस के लिए महत्वपूर्ण होगा। बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र में क्षेत्रीय पार्टी के समर्थन से बीजेपी को काफी मददमिलेगी। कई सीटों के अलावा, बीजेपी को मैसूरु, तुमकुरु और चिक्कबल्लापुर में ओक्कालिगा समुदाय के वोटों को आकर्षित करने के लिए जेडी (एस)की जरूरत है। जेडीएस कल्याण कर्नाटक के बीदर जैसे निर्वाचन क्षेत्रों मेंभी भाजपा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कर्नाटक में, टिकटकी घोषणा के बाद से कांग्रेस पार्टी एक शक्तिशाली ताकत बन गई है, जोगठबंधन में खामियों के साथ-साथ भाजपा के भीतर आंतरिक विभाजन का फायदा उठा रही है। कांग्रेस अल्पसंख्यक और कुरुबा समुदायों के वोटों को मजबूत करने की उम्मीद कर रही है। इसके अलावा, अगर ओक्कालिगा समुदाय कासमर्थन हासिल करने में सफल हो जाता है, तो वह पुराने मैसूरु क्षेत्र में एक शक्ति बन सकता है।

फाल्गुनी रंगो में दिखी होली की उमंग

मुडलपालिया में व्यापारियों ने मनाई होली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडलपालिया ट्रेडर्स एंड वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में टेन्ट रोड स्थित पैदान में होलीका दहन किया गया। व्यापारियों ने होली के अवसर पर पानी बचाओं अभियान को ध्यान में रखते हुए फूलों से होली खेली। होलिका दहन कार्यक्रम में हनुमान सालिसा का पाठ किया।

उपस्थित लोगों ने जय श्री राम के जयकारे लगाए। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल शर्मा, सचिव अशोक परिहार, पन्नालाल आगलेचा, तरूण सीरवी, ओगड़राम सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

जीवदया कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा तृतीय दादा श्री जिन कुशल सूरीश्वर जी गुरुदेव के प्रत्यक्ष दर्शन दिवस के उपलक्ष्य में गौशाला में गायों की सेवा करके जीवदया कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही पक्षियों को दाना डालने हेतु गौशाला को सहयोग प्रदान किया गया। जीवदया कार्यक्रम में मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, मंत्री ललित डाकलिया, जीवदया संयोजक कुनाल मरलेचा, अंकित गु-लेच्छा, मनीष धारीवाल, जितेन्द्र नाहर, गिरीश बोहरा, धीरज गु-लेच्छा, विकास बच्छावत, चन्द्रकला डाकलिया, स्वाति गुलेच्छा आदि सदस्य उपस्थित थे।

सामूहिक जप अनुष्ठान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भ अ आरतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल ने स्थानीय तेरापंथ भवन में शासन माता कनक प्रभा जी के द्वितीय वार्षिक पुण्यतिथि पर जप अनुष्ठान सामूहिक रूप से किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने पधारें हुए सभी का स्वागत कर शासन माता की काव्यमृतम के कुछ कविता को याद कर उनका स्मरण किया। तत्पचात् जप की शुरुआत कर अंत में सभी का आभार ज्ञापित किया।

मंत्री नम्रता पितलिया ने शासन माता का स्मरण कर सभी को होली की आध्यात्मिक शुभकामनाएँ संप्रेषित किया। जाप में 13 बहनों ने सहभागिता दर्ज कराई एवं कई बहनों ने त्याग प्रत्याख्यान किए।

गौशाला के लिए एकत्र की खाद्य सामग्री

गति के लिये चरण, प्रगति के लिये आचरण आवश्यक : तीर्थबोधि विजयजी

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को पार्श्व पुनम रोटी बैंक के तहत पार्श्वनाथ जैन मंदिर के परिसर में तीर्थ बोधि विजयजी के पावन सानिध्य में भगवान महावीर गौशाला के मुक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला भिजवाई गई। तीर्थ बोधि विजयजी नें अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में ही जन्मता और समाज में ही रहता, पनपता और अन्त तक उसी में रहता है। अपने परिवार, सम्बन्धियों और पास पड़ोस वालों तथा अपने कार्यक्षेत्र में वह विभिन्न प्रकार के स्वभाव वाले व्यक्तियों के सम्पर्क में आता

है। निरन्तर सम्पर्क के कारण एक दूसरे का प्रभाव एक दूसरे के विचारों और व्यवहार पर पड़ते रहना स्वाभाविक है। बुरे आदमियों के सम्पर्क में हम पर बुरे संस्कार पड़ते हैं और अच्छे आदमियों के सम्पर्क में आकर हममें गुणों का समावेश होता चला जाता है। सत्संगति का अर्थ है अच्छे आदमियों की संगति, गुणी जनों का साथ। अच्छे मनुष्य का अर्थ है वे व्यक्ति जिनका आचरण अच्छा है, जो सदा श्रेष्ठ गुणों को धारण करते और अपने सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के प्रति अच्छा बर्ताव करते हैं। जो सत्य का पालन करते हैं, पर-ोपकारी हैं, अच्छे चरित्र ' के सारे गुण जिनमें विद्यमान हैं, जो निष्कपट एवं दयावान हैं, जिनका व्यवहार सदा सभी के साथ अच्छा रहता है। ऐसे अच्छे व्यक्तियों के साथ रहना, उनकी बातें सुनना, उनकी पुस्तकों को पढ़ना, ऐसे सच्चरित्र व्यक्तियों की जीवनी पढ़ना और उनकी अच्छाइयों की चर्चा करना सत्संगति के ही अन्तर्गत आते हैं। इस अवसर पर मूर्ति पुजक संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, अध्यक्ष पंकज बाफना, शांतिलाल बंदा, अशोक जैन, महावीर सोलंकी, दिलीप ओस्तवाल, रेखा भंसाली, रिंकू पोरवाल समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

फाल्गुनी पूनम पर जिनकुशलसूरि गुरुदेव का पूजन अर्चन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों द्वारा गच्छ गणिनी गुरूवर्या श्री सुलोचना श्रीजी की सुशिष्याओं की पावन निश्रा में श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन बसवंगुड़ी के पावन प्रांगण में सोमवार को फाल्गुनी पूनम के शुभदिवस को प्रत्यक्ष दर्शन देने वाले दादा श्री जिनकुशलसूरि गुरुदेव का पूजन विधि विधान के साथ में लाभार्थी परमेश्वरी देवी, कैलाश चंद संखलेचा परिवार बाड़मेर निवासी की तरफ से करवाया गया। पूजन में लाभार्थी परिवार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थी। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने पूजन में पधारे सभी भाग्यशालियों का एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। परिषद की मंत्री रेखा चोपड़ा ने बताया गुरु देव ने स्वर्गारोहण के 15 दिवस पश्चात फाल्गुनी पूर्णिमा के दिन ही अपने भक्तों के प्रत्यक्ष दर्शन दिये थे। यह जानकारी विक्की बाफना ने दी।

रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामला

एनआईए ने बेंगलूरु में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बेंगलूरु में रामेश्वरम कैफेविस्फोट मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने मंगलवारको इसकी पुष्टि की। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों संदिग्धसंदिग्ध हमलावर के सीधे संपर्क में थे। एनआईए के अधिकारियों ने राज्य कीराजधानी के एक इलाके से संदिग्धों को उठाया है।

हालांकि, इस संबंध मेंएनआईए की ओर से अभी बयान आना बाकी है। भले ही जांच एजेंसियों, एनआईएऔर राज्य विशेष विंग सीसीबी टीमों ने विभिन्न राज्यों में व्यापक तलाशी अभियानचलाया है, हमलावर मायावी बना हुआ है। अधिकारियों ने घटना के तुरंत बाद1 मार्च को सीसीटीवी फुटेज से हमलावर की तस्वीरें और वीडियो प्राप्तकर लिए थे। सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों को संदेह है कि हमलावरतमिलनाडु से आया था और विस्फोट को अंजाम देने से पहले दो महीने तकपड़ोसी राज्य में रहा था। आर-ोपी के बालों के नमूने उसकी टोपी सेइकट्ठा किए गए थे जिसे उसने बेंगलूरु में एक धार्मिक स्थल के पास छोड़दिया था। अधिकारियों ने डीएनए परीक्षण के लिए नमूने भेज दिए हैं औरसफलता की उम्मीद कर रहे हैं। रामेश्वरम कैफे बम विस्फोट 1 मार्च कोब्रुकफील्ड क्षेत्र में इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी पार्क लिमिटेड(आईटीपीएल) रोड पर हुआ था। विस्फोट को अंजाम देने के लिएकम तीव्रता वाले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल किया गया औरघटना में नौ लोग घायल हो गए।

पटाखा विस्फोट में एक की मौत

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मांड्या तालुक के जी केब्बाहल्ली में सोमवार को गुड़निर्माण इकाई में रखे पटाखों में विस्फोट होने से 45 वर्षीय एक व्यक्ति कीमौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कहा कितमिलनाडु के रहने वाले रमेश की मौत हो गई, जबकि नागालिंगु (55) घायल होगए। तमिलनाडु से खरीदे गए पटाखों को रविवार और सोमवार शाम कोकेब्बाहल्ली गांव में बोरे देवारा (कालभैरव) उत्सव के लिए संग्रहीत किया गयाथा। राजू और रामलिंगु दोनों ने रविवार रात जश्न के दौरान पटाखेफोड़े। सोमवार की सुबह, वे उन्हें बोरों में रख रहे थे, तभी पटाखोंमें आग लग गई और विस्फोट का सबसे अधिक प्रभाव राजू पर पड़ा, जिसकीमौके पर ही मौत हो गई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। टीम नई दिशा द्वारा विजयनगर में स्थित विजयनगर डिसएबल वेलफेयर एसोसिएशन के बच्चों के लिए कपड़े, बुक, राशन एवं अनेक सामग्री दी गई। इस अवसर पर बच्चों ने अपने हुनर को प्रस्तुत किया। यह जानकारी अलका लोढ़ा ने दी। धन्यवाद श्रुति नहर ने व्यक्त किया।

बोम्मई की चुनौती : सिद्धरामैया बताएं कि एनडीए काल में कितना एनडीआरएफ पैसा मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य सरकार को यह बताने कीचुनौती दी है कि यूपीए काल में केंद्र से कितना एनडीआरएफ पैसा मिला था औरएनडीए काल में कितना एनडीआरएफ पैसा मिला था। हुब्बली में मीडियासे बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गिर गई है। इसी वजह से वहसुप्रीम कोर्ट गए हैं। यह एक राजनीतिक रणनीति है। उन्होंने यह कहनेके बजाय कि राज्य सरकार को केंद्र से पैसा नहीं मिला है, मांग की कि राज्यसरकार यह बताए कि यूपीए काल और एनडीए काल के दौरान एनडीआरएफफंड से कितना पैसा आया है। साथ ही उन्होंने मंत्री शिवराज तंगदागी

केमोदी-मोदी चिल्लाने वाले युवाओं को तमाचा मारने वाले बयान पर जवाब देते हुएकहा कि कुछ ही दिनों में लोग ताली-थाली और वोट के जरिए परोक्ष रूपसे कांग्रेस को तमाचा मारेंगे। राज्य में जलवायु अच्छी है। हर तरफमोदी समर्थक लहर है। राज्य में असंतोष कम हो रहा है। लोकसभा चुनावप्रचार के लिए हर जगह राष्ट्रीय नेता आते हैं। राष्ट्रीय नेताओं के साथ-साथमशहूर हस्तियां भी प्रचार के लिए आती हैं। दो-तीन दिन में राष्ट्रीय नेताओंका प्रचार दौरा तय हो जायेगा। धारवाड़ और हमारे निर्वाचन क्षेत्र में भी प्रचारकरने आएंगे। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा और विजयेंद्र समेत सभी लोग हमारेनिर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करने आएंगे। पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी पार्टी मेंशामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि उनका तीन-चार जिलों में प्रभाव है। मंत्रीसंतोष लाड के इस बयान कि भाजपा में शामिल होने पर सभी लोग पाक-साफ होजाएंगे, के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने लाड से कहाकि यह उनके अनुभव के शब्द हैं।

जगज्योति बसवेश्वर सद्भावना राज्य पुरस्कार का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सर्वेजना आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट ने 7 वीं वर्षगांठ और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के निमित्त रवीन्द्र कलाक्षेत्र परिसर के नयना थिएटर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले कलाकारों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, नृत्यकारों आदि को जगज्योति बसवेश्वर सद्भावना राज्य पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित को जगज्योति बसवेश्वर सद्भावना राज्य पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया। राजपुरोहित ने बताया कि समाज में सभी लोग शांतिपूर्ण जीवन जी सकें, ऐसी मानसिकता रखते हुए जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करना चाक्शि। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन करना, सामूहिक विवाह, विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरण जैसे सामाजिक कार्य करते रहे। बाल कलाकारों ने भारत नाट्यम सहित विभिन्न प्रकार के नृत्यों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर पुत्तुराया, लेखक शंकर, मालती सुधीर, पदम् वसंती, मालती शेट्टी प्रकाश, शशिधर कोटे, लक्षिता गंगावती, मंजुनाथ, शम्भूराज आदि उप-स्थित रहे। मंच संचालन धनंजय ने किया।

पीएम मोदी ने किया संदेशखाली की रेखा पात्रा को फोन

पीड़िताओं की आवाज उठाने वाली का पीएम ने बढ़ाया हौसला

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बशीरहाट से भाजपा उम्मीदवार और संदेशखाली की महिलाओं की आवाज बुलंद करने वाली रेखा पात्रा को फोन किया।

उन्होंने उनसे उनकी प्रचार तैयारियों, लोगों के बीच भाजपा के प्रति समर्थन और अन्य मुद्दों पर बात की। पीएम ने उन्हें एक बार फिर शक्ति स्वरूपा बताया। इस दौरान रेखा पात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संदेशखाली में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों का विवरण दिया।

फोन पर प्रधानमंत्री ने सबसे पहले रेखा पात्रा को बांग्ला भाषा में नोमस्कार किया और कहा, सबार प्रोथोमे, आपना के शुभेच्छे जानाई। आप एक बड़ा दायित्व निभाने जा रही हैं। इस समय कैसा लग रहा है? इस पर रेखा ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है और आपका हाथ हमारे सिर पर है। आप हमारे साथ हैं। हमारी संदेशखाली की मां बहनों के साथ हैं। आपका हाथ हमारे ऊपर है। आप तो हमारे लिए भगवान समान हैं। ऐसा लग रहा है राम जी हमारे साथ हैं और राम जी का हाथ हमारे सिर पर है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का हाथ मेरे सिर पर है। रेखा जी, मुझे आपका मैसेज मिला था। मैं यथासंभव कोशिश करता हूं। भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत करता रहूं। मैं जानता हूं कि आप बंगाल की विपरीत राजनीतिक परिस्थितियों में चुनाव प्रचार कर रही हैं। जब आपका नाम घोषित हुआ, तब क्या माहौल था?

रेखा ने कहा, हमारे साथ जो दुर्घटना घटी। हम संदेशखाली की मां-बहनें खुद को दुर्भाग्यशाली समझते हैं। पूरा बशीरघाट लोकसभा की मां-बहनें कई परेशानियों से जूझ रहे हैं। हम चाहते हैं कि दोषियों को सजा हो। 2011 से हम वोट नहीं दे पाए हैं, अब हम पूरी सुरक्षा के साथ चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा ले पाए। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आपकी आवाज चुनाव आयोग तक पहुंचेगी। चुनाव आयोग पूरी व्यवस्था करेगा, जिससे आप और सभी मतदाता पूरी सुरक्षा के साथ मतदान कर पाए। वोट न देना पाना, यह बहुत ही दुखद है। बंगाल की सरकारों का यह काम दुखद है। जब ये आपका नाम घोषित हुआ, आपको यह सूचना मिली। आपके आसपास के लोगों को कैसा लगा?

रेखा पात्रा ने कहा, सभी बहुत खुश हैं। तृणमूल कांग्रेस की कुछ मां-बहनें इससे नाराज थीं। हालांकि, उन्होंने ऐसा अपनी पार्टी के कहने पर किया होगा। उनसे जोर-जबरदस्ती करवाई गई होगी। हमारी उनसे कोई दुश्मनी नहीं है। हम सभी के लिए लड़ेंगे। हमारी जमीनें सस्मान लौटाई जाएं, इसके लिए लड़ाई लड़ेंगे। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, रेखा जी, अभी जो मैं आपको सुन रहा हूं, मुझे लग रहा है कि भाजपा ने अहुत बड़ा काम किया है, आपको टिकट देकर, क्योंकि राजनीति में धुर-विरोधियों का भला चाहना बहुत बड़ी बात होती है। आप तो चुनाव के मैदान में हैं और आप कह रही है कि टीएमसी के लोगों के हक के लिए भी आप लड़ोगी। पूरा देश जब यह जानेगा तो उनको भी आप पर गर्व होगा। मुझे पता लगा है कि बशीरहाट में जनता खासकर महिलाएं आपको बहुत स्नेह मिल रहा हैं। अब जब आप चुनावी मैदान में हैं तो कैसा वातावरण हैं? रेखा ने कहा, सभी बहुत खुश हैं। उनकी बेटी हूं मैं। गरीब की बेटी हूं। मेरे पति तमिलनाडु में काम करते हैं। मुश्किलों से रोजी राटी का इंतजाम होता है। हम कोशिश करेंगे कि कुछ ऐसा करें कि लोगों को बाहर न जाना पड़े। वे यहीं रहकर जीवन-यापन कर पाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा निचली अदालत का आदेश

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश पारित किया है। अदालत ने साफ किया कि समाचार प्रकाशन के खिलाफ निषेधाज्ञा लगाने से बोलने की स्वतंत्रता गंभीर रूप से प्रभावित होती है। यह टिप्पणी चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने की।

अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने बड़ा आदेश पारित किया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग से जुड़ी अवमानना याचिका के मामले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने कहा, अदालतों को असाधारण मामलों को छोड़कर किसी समाचार लेख के प्रकाशन के खिलाफ एकपक्षीय निषेधाज्ञा नहीं देना चाहिए। अदालत ने साफ किया कि लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने देश की मशहूर

मीडिया समूह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक समाचार लेख का प्रकाशन रोकने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को भी निरस्त कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग पर जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ अपमानजनक लेख लिखने का आरोप है। निचली अदालत ने लेख को हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने कहा कि सामग्री के प्रकाशन के खिलाफ निषेधाज्ञा मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद ही दी जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा, किसी लेख के प्रकाशन के खिलाफ प्री-ट्रायल निषेधाज्ञा जैसे आदेश से लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों की पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि निषेधाज्ञा, विशेष रूप से एकपक्षीय नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि जिस सामग्री का प्रकाशन प्रतिबंधित करने की मांग की गई है, वह दुर्भावनापूर्ण या स्पष्ट रूप से झूठी है, यह साबित हुए बिना निषेधाज्ञा का आदेश नहीं दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि दूसरे शब्दों में मुकदमे का ट्रायल शुरू होने से पहले लापरवाही से अंतरिम निषेधाज्ञा जैसे आदेश सार्वजनिक बहस का गला घोंटने की तरह हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ की पीठ ने साफ किया कि अदालतों को असाधारण मामलों को छोड़कर एकपक्षीय निषेधाज्ञा नहीं देनी चाहिए। ऐसा करने पर मुकदमे की सुनवाई के दौरान प्रतिवादी की तरफ से बचाव में पेश की गई दलीलें निस्संदेह असफल होंगी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिनेश बोभाटे पर ईडी ने कसा शिकंजा

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिनेश बोभाटे की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बता दें कि दिनेश बोभाटे उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनिल देसाई के करीबी हैं। उन पर पर प्रवर्तन निदेशालय ने शिकंजा कसा है और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में को तलब किया। दिनेश बोभाटे को इस सप्ताह प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होने को कहा गया है। बीते दिनों सीबीआई ने दिनेश बोभाटे के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। सीबीआई के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने भी बोभाटे पर केस दर्ज किया था।

सैन्य अभ्यास में शामिल यूएस नेवी के जवान खुश

भारतीय नौसेना से बहुत कुछ सीखा: यूएस नेवी

विशाखापत्तनम, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच पूर्वी समुद्र तट पर सोमवार 18 मार्च से संयुक्त युद्धाभ्यास टाइगर ट्रायम्फ-2024 जारी है। इस मौके पर यूएसएस समरसेट के भूतल युद्ध अधिकारी ब्रंजिक ने भारतीय नौसेना कर्मियों के साथ विशाखापत्तनम में समय बिताया। अधिकारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय नौसेना से बहुत कुछ सीखा है।

इस युद्धाअभ्यास का उद्घाटन समारोह 19 मार्च को आईएनएस जलाश्व पर हुआ। समरसेट तीन सैन एंटोनियो श्रेणी के उभयचर परिवहन डॉक जहाजों में से एक है, जिसका नाम 11 सितंबर, 2001 के आतंकवादी हमलों के दौरान खोए गए लोगों के सम्मान में रखा गया

है। समरसेट पर भूतल युद्ध अधिकारी ब्रंजिक ने कहा, हमें विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना कर्मियों के साथ बिताया गया समय बहुत पसंद आया। हमने उनसे बहुत कुछ सीखा और हमारे पास उनके साथ गेम खेलने के दौरान कुछ बेहतरीन यादें भी हैं।

टाइगर ट्रायम्फ 2024, भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय, त्रि-सेवा अभ्यास है। इसका उद्घाटन समारोह 19 मार्च को आईएनएस जलाश्व पर हुआ। अभ्यास का हार्बर चरण 18-25 मार्च तक विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था। इसमें प्री-सेल चर्चा, पेशेवर विषयों पर विषय विशेषज्ञ आदान-प्रदान और विभिन्न कार्यों की योजना और निष्पादन प्रक्रियाओं पर विचार-विमर्श शामिल था।

ट्रायम्फ 2024 के हिस्से के रूप में, यूएसएस नेवी समरसेट जहाज विशाखापत्तनम आया, जो एक सैन एंटोनियो-क्लास उभयचर परिवहन डॉक जहाज है। इसके प्रत्येक डेक में फ्लाइट 93 के स्मृति चिन्ह हैं, जिसमें मेमोरियल रूम की ओर जाने वाला एक रास्ता भी शामिल है, जिस पर यात्रियों के नाम अंकित हैं।

इससे पहले शनिवार को, यूएसएस समरसेट के चालक दल ने कहा कि वे विशाखापत्तनम की अपनी यात्रा और टाइगर ट्रायम्फ के हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त अभ्यास के शानदार अनुभव को हमेशा याद रखेंगे। जहाज के एक पायलट एशले अंबुएहल ने कहा, इस जहाज पर एक हजार से अधिक नाविक और नौसैनिक यात्रा करते हैं, जिसमें दर्जनों सैन्य वाहनों को ले जाने की क्षमता है। नाव की मरम्मत के लिए एक कार्यशाला है। इसके अलावा एक उड़ान डेक है जिसपर विमान और हेलीकॉप्टर उतर सकते हैं और तैनात हो सकते हैं।

टाइगर ट्रायम्फ, का अर्थ ट्राई-सर्विसेज इंडिया-यूएस है। उभयचर अभ्यास, अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच एक संयुक्त अभ्यास है जो मानवीय सहायता और आपदा राहत तैयारी और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाने पर केंद्रित है। यह बंदरगाह चरण और समुद्री चरण सहित 18 से 31 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट रखेगा निगरानी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम कदम उठाया है। अदालत ने विशेषज्ञ समिति नियुक्त की है, जिस पर समझौता नहीं किया जा सकता है। साथ ही ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में देश की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के संदर्भ में सतत विकास की आवश्यकता है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) की सुरक्षा से संबंधित मामले से निपटते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने समिति से जुलाई तक रिपोर्ट मांगी है और मामले को अगस्त 2024 के दूसरे सप्ताह के लिए सूचीबद्ध किया है। हमारा विचार है कि यह उचित होगा यदि एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की जाए ताकि जीआईबी के संरक्षण की आवश्यकता, जिस पर समझौता नहीं किया जा सकता है और सतत विकास की आवश्यकता, विशेष रूप से, बैठक के संदर्भ में, दोनों को संतुलित किया जा सके। अदालत ने अपने 21 मार्च के आदेश में कहा, ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 21वां दिन

लद्दाख के लोगों को चुभ रही केंद्र की चुप्पी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 26 मार्च।

पूर्ण राज्य सहित विभिन्न मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक सहित अन्य आंदोलनकारियों को 21वें दिन दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज का समर्थन मिला जो अपने जन्मदिन के अवसर पर लेह में पहुंचे थे। उन्होंने वंगचुक से मुलाकात की और उनके इस आंदोलन का समर्थन किया।

प्रकाश राज ने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ लद्दाख के लिए नहीं है, सिर्फ सोनम वांगचुक के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के हित के लिए है। उन्होंने कहा कि पानी, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए जो संघर्ष यहां किया जा रहा है, वो किसी एक लिए नहीं है, बल्कि सारी जनता के लिए है। सरकार कुछ पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लद्दाख के लोगों की मांगों को पूरा नहीं कर रही है।

जानकारी के लिए लद्दाख को 6ठी अनुसूची में शामिल करने व राज्य का दर्जा दिलाने की मांग के समर्थन में वांगचुक का अनशन आज 21वें दिन में प्रवेश कर गया। वांगचुक ने कहा कि 350 लोग माइनस 10 डिग्री में रातें बिता रहे हैं। यहां दिन में पांच

हजार के करीब लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक एक शब्द भी नहीं बोला गया।

दरअसल स्वतंत्र केंद्र शासित राज्य बनने के बाद लद्दाख के लोग बहुत खुश थे। उन्हें लगा था कि अब लद्दाख का विकास तेजी से होगा, जो जम्मू कश्मीर के साथ होने की वजह से नहीं हो पा रहा था। लेकिन, धीरे-धीरे उनके सपने टूटने लगे। हर बात के लिए उन्हें केंद्र सरकार की ओर देखना पड़ रहा है। इसके लिए माध्यम के रूप में लेफ्टिनेंट गवर्नर और एक सांसद ही हैं। अब उन्हें लग रहा है कि उनके हाथ से सब कुछ छिनता जा रहा है। ऐसे में धीरे-धीरे लोग एकजुट हुए और अपने अधिकारों को लेकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

आंदोलनकरियों का कहना था कि अगर केंद्र सरकार उनकी मांगें मान लेती है तो लद्दाख में काफी कुछ बदल जाएगा। मांग है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्ज मिले, जिससे वे अपने लोगों के माध्यम से अपने हक की मांग कर सकें। लेह और करगिल को अलग-अलग संसदीय क्षेत्र का दर्जा दिया जाए। स्वायत्त जिले बनाने का अधिकार मिलने के बाद जिला परिषद के पास असीमित अधिकार आ जाएंगे, जो अभी नहीं है। भूमि, जल, जंगल, कृषि, ग्राम परिषद, स्वास्थ्य, पुलिस जैसी व्यवस्था जिला परिषद को रिपोर्ट करेगी। यह कमेटी नियम-कानून बना सकेगी। यह सब होने के बाद काफी कुछ लद्दाख के हक में होगा। स्थानीय लोग अपने हिसाब से राज्य का विकास कर पाएंगे।

केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू कश्मीर में तो विधानसभा बची हुई है लेकिन लद्दाख से विधायक नहीं चुने जाने का प्रावधान किया गया है। पहले यहां से चार एमएलए चुनकर जम्मू कश्मीर विधान सभा में लद्दाख का प्रतिनिधित्व करते थे। लोगों के आक्रोश का एक बड़ा कारण यह भी है। इनका आरोप है कि अब उनकी बात सरकार तक पहुंचाने का कोई उचित माध्यम नहीं है। सरकार ने जितने वायदे किए थे, सब बेदम साबित हुए। आरोप है कि अब तो भाजपा के जिम्मेदार लोग इस आंदोलन को ही खारिज कर रहे हैं।

हालांकि, यह मांग मान लेना सरकार के लिए एकदम आसान नहीं है। इसमें बड़ी रकम खर्च होगी। लद्दाख में राजस्व की संभावना बेहद क्षीण है। पर्यटन ही यहां का एक मात्र व्यवसाय है। यह बात अलग है कि सरकार अगर राजस्व के पहलू को छोड़ दे तो यह इलाका सामरिक दृष्टि से बेहद महत्व-पूर्ण है। पाकिस्तान-चीन की संवेदनशील सीमाएं यहां से लगती हैं। ऐसे में इसे राज्य का दर्जा देने को यही नजरिया रखना होगा, तभी यह संभव है। अन्यथा, तीन लाख की आबादी का यह इलाका वोट के हिसाब से तो बिल्कुल महत्वपूर्ण नहीं है।

इसरो के रॉकेट ने पूरा किया खास मिशन

अंतरिक्ष में किया शून्य मलबे का उत्सर्जन

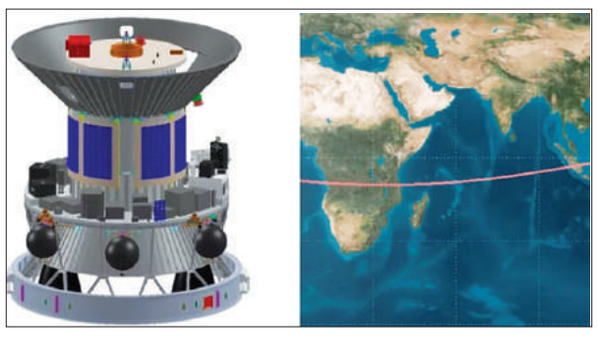

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक के बाद एक लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी क्रम में इसरो ने सोमवार को बताया कि उसके ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने शून्य कक्षीय मलबा मिशन पूरा कर लिया है। इसरो ने इसे मील का एक और पत्थर बताया।

इसरो ने बताया कि उसके मिशन ने अंतरिक्ष में कोई भी मलबा नहीं छोड़ा है।

इसरो ने बताया कि पीएसएलवी ने यह सफलता 21 मार्च को हासिल की। पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल -3 (पोएम-3) ने पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले हाल ही में इसरो ने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक को लेकर एक सफलता हासिल की थी। इसरो की रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक (लॉन्च व्हीकल को दोबारा इस्तेमाल करने की तकनीक) का परीक्षण सफल रहा था। कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में शुक्रवार की सुबह करीब 7.10 बजे इसरो का रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल पुष्पक सफलता-पूर्वक ऑटोमैटिक तरीके से रनवे पर लैंड हुआ था। रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल की सफल लैंडिंग पर इसरो ने बयान जारी कर बताया कि रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक के मामले में इसरो ने बड़ी कामयाबी हासिल की है।

योगी ने उतारी भगवान नरसिंह की आरती और जमकर खेली होली

खूब उड़ा अबीर-गुलाल और फूलों की पंखुड़ियां

गोरखपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म शोक-संताप में नहीं बल्कि उमंग और उत्साह में विश्वास करता है। होली का पर्व इसी का संदेश देता है। इस पर्व में समरस समाज की स्थापना का भाव निहित है तो साथ ही यह संदेश भी है कि सनातन धर्म सह अस्तित्व में, वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे संतु निरामया में विश्वास करता है।

सीएम योगी मंगलवार को होली के पवित्र पर्व पर गोरखपुर के घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और श्री होलिकोत्सव समिति की ओर से निकलने वाली भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सभी नागरिकों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का पर्व उत्साह और उमंग का है। उत्साह और उमंग सुरक्षित, सुखी और समृद्ध समाज में होता है। हमारा समाज सुरक्षित और समृद्ध है, इसीलिए हम सभी उत्साह और उमंग से होली की हजारों वर्षों पुरानी परम्परा को मनाने के साथ अपनी इस विरासत के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर जब भी कोई संकट आया, समाज में दुष्प्रवृत्तियां बढ़ीं तो कोई ना कोई ईश्वरीय अवतार भी हुआ है और दुष्प्रवृत्तियों को दूर कर समाज आगे बढ़ता रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

होली का त्यौहार समतामूलक और समरस समाज की स्थापना का भी संदेश है। आपसी वैरभाव को समाप्त कर, सत्य-न्याय के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को शक्तिशाली बना सकते हैं। जहां विभाजन होगा वहां समाज शक्तिशाली नहीं हो सकता।

सीएम योगी ने कहा कि इस बार की होली पर उत्साह और उमंग एक नई ऊंचाई पर है। अयोध्या में 495 वर्ष बाद रामलला ने भी होली खेली और आशीर्वाद व कृपा लोगों पर बरसाई। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि बीमार व्यक्तियों को और जो मना करे, उसे रंग न लगाएं। साथ ही नब्बे वर्ष से अधिक समय से निकलने वाली भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तारीफ की।

लोगों को होली की बधाई देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान नरसिंह की विधि विधान से आरती उतारी। उन्हें नारियल, गुझिया के साथ फूल, रंग, अबीर, गुलाल अर्पित किया। भगवान नरसिंह की पूजा करने के बाद योगी पूरी तरह होलीयाना मूड में आ गए। उन्होंने लोगों के ऊपर जमकर फूल की पंखुड़ियां, अबीर, गुलाल पंखुड़ियां उड़ाईं। देखते ही देखते योगी समेत समूचा जनमानस रंगों में सराबोर हो गया। इस दौरान जय श्रीराम के नारों के बीच उत्सवी उल्लास आसमान पर था।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक डॉ महेंद्र अग्रवाल, प्रांत प्रचारक रमेश जी, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ओम जालान, सुरजीत, आत्मा जी, श्री होलिकोत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज जालान, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि भी मौजूद रहे। सीएम योगी ने मंगलवार को होली के पवित्र पर्व पर घंटाघर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व श्री होलिकोत्सव समिति की ओर से निकलने वाली भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित किया। सभी नागरिकों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का पर्व उत्साह और उमंग का है। उत्साह और उमंग सुरक्षित, सुखी और समृद्ध समाज में होता है। हमारा समाज सुरक्षित और समृद्ध है, इसीलिए हम सभी उत्साह और उमंग से होली की हजारों वर्षों पुरानी परम्परा को मनाने के साथ अपनी इस विरासत के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर जब भी कोई संकट आया, समाज में दुष्प्रवृत्तियां बढ़ीं तो कोई ना कोई ईश्वरीय अवतार भी हुआ है और दुष्प्रवृत्तियों को दूर कर समाज आगे बढ़ता रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली का त्यौहार समतामूलक और समरस समाज की स्थापना का भी संदेश है। आपसी वैरभाव को समाप्त कर, सत्य-न्याय के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को शक्तिशाली बना सकते हैं। जहां विभाजन होगा वहां समाज शक्तिशाली नहीं हो सकता। सीएम योगी ने कहा कि इस बार की होली पर उत्साह और उमंग एक नई ऊंचाई पर है। अयोध्या में 495 वर्ष बाद रामलला ने भी होली खेली और आशीर्वाद व कृपा लोगों पर बरसाई। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि बीमार व्यक्तियों को और जो मना करे, उसे रंग न लगाएं। उन्होंने 90 वर्ष से अधिक समय से निकलने वाली भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तारीफ की। योगी आदित्यनाथ ने होलिका भस्म की पूजा कर होली मनाने का शुभारंभ किया।

वरुण गांधी को लेकर पीलीभीत में संशय

भागेंगे या भाजपा के खिलाफ मैदान में कूदेंगे!

पीलीभीत, 26 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा से टिकट कटने के बाद वरुण गांधी का अगला कदम क्या होगा, इस पर सबकी नजर है। नामांकन दाखिल करने के लिए सिर्फ कल तक का वक्त है, लेकिन अब तक वरुण के खेमे में खामोशी है। ऐसे में उनको लेकर कयासबाजी शुरू हो गई है।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में पीलीभीत में मतदान होना है। भाजपा समेत सपा-बसपा अपने-अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। सपा ने भगवत सरन गंगवार और बसपा ने अनीस अहमद खान उर्फ फूलबाबू को प्रत्याशी बनाया है। वहीं भाजपा ने मौजूदा सांसद वरुण गांधी का टिकट काटकर प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है। जितिन प्रसाद 27 मार्च (बुधवार) अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 27 मार्च ही नामांकन की आखिरी तारीख है, लेकिन वरुण का खेमा खामोश है। अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि वह नामांकन करेंगे या नहीं। ऐसे में पीलीभीत से वरुण के चुनाव न लड़ने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगी हैं।

पीलीभीत लोकसभा सीट पिछले चार चुनावों से भाजपा के कब्जे में है। करीब तीन दशक से इस सीट पर गांधी परिवार का दबदबा है। वरुण गांधी यहां से दो बार सांसद रहे हैं, जबकि उनकी मां मेनका गांधी पीलीभीत से छह बार सांसद रह चुकी हैं। 2009 के लोकसभा चुनाव में वरुण गांधी पहली बार पीलीभीत से सांसद बने। 2014 में भाजपा ने उन्हें

सुल्तानपुर से चुनाव लड़ाया। इसमें उन्होंने जीत दर्ज की। 2019 में वह दोबारा पीलीभीत सीट से उतरे और फिर सांसद बने।

वरुण गांधी ने बीते कार्यकाल में कई बार अपनी ही सरकार की नीतियों पर सवाल उठाकर नेतृत्व को कटघरे में खड़ा किया। वह पार्टी के कई नेताओं पर भी हमलावर रहे। हालांकि कुछ समय पूर्व से उनके बयानों में नरमी आई थी, लेकिन तब तक उनके टिकट को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया। आखिरकार भाजपा ने उनका टिकट काटकर जितिन प्रसाद पर भरोसा जताया। जितिन यूपी सरकार में मंत्री हैं और पड़ोसी जनपद शाहजहांपुर के रहने वाले हैं।

जितिन प्रसाद ने कांग्रेस के टिकट पर 2004 के लोकसभा चुनाव में शाहजहांपुर से जीत हासिल की थी। 2009 के चुनाव में वह धौरहरा सीट से सांसद बने। इस दौरान वह सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री रहे। कुछ वर्ष पहले जितिन ने भाजपा का दामन थाम लिया और मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री हैं।

माफिया मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ी, बांदा गए परिजन

गाजीपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। बांदा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे, पूर्व विधायक और माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की बीती रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट किया गया। इसकी सूचना गाजीपुर में उसके पैतृक आवास पर बड़े भाई अफजाल अंसारी को मोहम्मदाबाद थाने की पुलिस ने रेडियो संदेश के माध्यम से सुबह 4:00 बजे भोर में दी। इसके बाद अफजाल अंसारी और परिवार के अन्य सदस्य बाई रोड बांदा के लिए रवाना हो गए।

गाजीपुर स्थित मोहम्मदाबाद में मुख्तार अंसारी के आवास पर सन्नाटा पसरा हुआ है। घर का कोई सदस्य मौजूद नहीं है। अफजाल अंसारी के सांसद प्रतिनिधि बलराम पटेल ने स्थानीय मीडिया को बताया है कि पुलिस द्वारा रेडियो संदेश से सुबह भोर में सांसद अफजाल अंसारी को मुख्तार अंसारी की तबीयत खराब होने की सूचना मिली। जिसके थोड़ी ही देर बाद अफजाल और अन्य लोग बाई रोड बांदा के लिए रवाना हुए।

भाजपा के लिए चुनौती बनी है हारी हुई पांच सीटें

वाराणसी, 26 मार्च (एजेंसियां)। पिछले लोकसभा चुनाव में पूर्वांचल की पांच सीटों आजमगढ़, लालगंज, घोसी, गाजीपुर और जौनपुर में भाजपा की सियासी व्यूह रचना नाकाम साबित हुई। लिहाजा पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। पूर्वांचल के कद्दावर भूमिहार नेता मनोज सिन्हा तक को हार का सामना करना पड़ा।

ऐसे में अबकी बार पूर्वांचल में हारी हुई पांच सीटों पर भाजपा के प्रदर्शन पर सभी की निगाहें होंगी। आजमगढ़ लोकसभा सीट से वर्ष 2019 का आम चुनाव सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ढाई लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीता था। यह दीगर बात रही कि 2022 में अखिलेश यादव ने संसद की सदस्यता से इस्तीफा दिया तो उपचुनाव में भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ को जीत नसीब हुई।

इससे पहले वर्ष 1989 से 2014 के बीच हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक बार 2009 में रमाकांत यादव ने इस सीट से जीत दिलाई थी।

लालगंज (सु.) लोकसभा सीट से वर्ष 2019 का आम चुनाव बहुजन समाज पार्टी की संगीता आजाद जीती थीं। इस सीट पर वर्ष 1989 से 2014 के बीच हुए आम चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक बार 2014 में नीलम सोनकर जीत दिलाई थी। मऊ जिले की घोसी लोकसभा से वर्ष 2019 का चुनाव बहुजन समाज पार्टी के अतुल राय ने फरार रहकर जीता था। घोसी सीट पर वर्ष 1989 से 2014 के बीच हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ एक बार 2014 में हरिनारायण राजभर ने जीत दिलाई थी।

गाजीपुर लोकसभा सीट से वर्ष 2019 का आम चुनाव बहुजन समाज पार्टी के अफजाल अंसारी जीते थे। इससे पहले वर्ष 1989 से वर्ष 2014 के बीच गाजीपुर लोकसभा सीट से भाजपा के मनोज सिन्हा ने तीन बार जीत दर्ज की। जौनपुर लोकसभा सीट से वर्ष 2019 का आम चुनाव बहुजन समाज पार्टी के श्याम सिंह यादव ने जीता था। इससे पहले वर्ष 1989 से 2014 के बीच भाजपा यहां से चार बार लोकसभा का चुनाव जीत चुकी है। चंदौली लोकसभा सीट से वर्ष 2019 का आम चुनाव भाजपा के डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय महज 13,959 मत से जीते थे। वहीं, इससे पहले इसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वर्ष 2014 का आम चुनाव डॉ. पांडेय ने डेढ़ लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीता था। ऐसे में इस बार चंदौली का लोकसभा चुनाव दिलचस्प होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2022 में प्रदेश में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई। इसके बावजूद पूर्वांचल में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। वर्ष 2022 में आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र की सभी पांच विधानसभा सीटों पर भाजपा को हार झेलनी पड़ी। इसी तरह से लालगंज (सु.) लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों पर भी भाजपा हारी। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों में से एक पर भी भाजपा उम्मीदवार जीत दर्ज नहीं कर सका था। घोसी लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक पर भाजपा को जीत मिली। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों में भाजपा दो पर ही जीत दर्ज कर पाई।

पैसा लेकर राम लला का दर्शन कराने की जांच करेगी पुलिस

अयोध्या, 26 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या में पैसा लेकर रामलला के दर्शन कराने की शिकायतों की जांच की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि श्री रामजन्मभूमि मंदिर में पैसा लेकर या टाइम स्लॉट देकर दर्शन की व्यवस्था नहीं है लेकिन कुछ दुर्घटनाएं सामने आयी हैं, जिसकी जांच पुलिस करेगी। ट्रस्ट का इससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भक्त लाइन में लगकर सहजता से श्री रामलला के दर्शन करते हैं, उन्हें अच्छे दर्शन होते हैं।

बीते कई दिनों से ऐसी खबरें आ रही थीं जिसमें कहा जा रहा था कि कुछ लोग पैसे लेकर और टाइम स्लॉट देकर अयोध्या में रामलला के दर्शन करवा रहे हैं जबकि वहां पर इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है। इस पर चंपत राय ने वीडियो बयान भी जारी किया है।

महाकुंभ 2025 को भव्य बनाने के लिए काम शुरू

पर्यटन, यात्री सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। 2025 में होने जा रहे महाकुंभ को भव्य बनाने की कयावद तेज हो गई है। इसके लिए पर्यटन और यात्री सुविधाओं के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में महाकुंभ से जुड़ी 384 विकास परियोजनाओं पर 7500 करोड़ रुपए के काम शुरू हो गए है। उल्लेखनीय है कि महाकुंभ व इससे संबंधित 284 प्रोजेक्ट्स के लिए 4462 रुपए से ज्यादा का फंड स्वीकृत किया गया है।

कुंभ को लेकर कुल 14 विभागों के प्रोजेक्ट कार्य चल रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग के 5 प्रोजेक्ट भी हैं। इनमें 3 की शुरुआत हो चुकी है, जिसके लिए प्रस्तावित 28 करोड़ के बजट के एवज में 8.64 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। इसी तरह इरीगेशन डिपार्टमेंट के सभी 8 प्रोजेक्ट्स के लिए प्रस्तावित 250 करोड़ में से करीब 90 करोड़ रुपए

प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए जा चुके हैं।

प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत 42 प्रोजेक्ट्स के लिए 175 करोड़ रुपए, यूपी ब्रिज के 4 प्रोजेक्ट्स के लिए 255 करोड़ रुपए, पीडब्ल्यूडी के 41 प्रोजेक्ट के लिए 320 करोड़ रुपए, हेल्थ एंड वेलफेयर डिपार्टमेंट के 17 प्रोजेक्ट्स के लिए 29 करोड़ रुपए, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के 4 प्रोजेक्ट्स के लिए 13.33 करोड़ रुपए,मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में 11 प्रोजेक्ट्स के लिए 31.20 करोड़ रुपए, यूपीपीसीएल के 22 प्रोजेक्ट्स के लिए 196 करोड़ रुपए, प्रयागराज म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के 29 प्रोजेक्ट्स के लिए 103 करोड़, यूपी जल निगम के 15 प्रोजेक्ट्स के लिए 86 करोड़, यूपीएसआरटीसी के 7 प्रोजेक्ट्स हेतु करीब 8 करोड़ रुपए और प्रयागराज मेला अथॉरिटी के तहत 7 प्रोजेक्ट्स के लिए 223.53 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

बिजली, पैसा और पर्यावरण बचाने में वाराणसी नंबर वन

हर घर सोलर योजना में प्रदेश में वाराणसी अव्वल

वाराणसी, 26 मार्च (एजेंसियां)। हर घर सोलर योजना में उत्तर प्रदेश में वाराणसी अव्वल चल रहा है। काशी को सोलर सिटी बनाने के लिए सरकार महाभियान चला रही है। जिससे आपके पैसे और बिजली दोनों की बचत हो ,साथ ही पर्यावरण का संरक्षण भी हो सके। सरकार के इस अभियान में जनता का जबर्दस्त रुझान दिख रहा है। हर घर सोलर योजना के अंतर्गत 25000 कनेक्शन के सरकार के लक्ष्य को पार करते हुए ढाई महीने में ही 28 हज़ार से ज्यादा लोगो ने सोलर रूफटाप आनग्रिड सिस्टम के लिए रजिस्ट्रेटशन करा लिया है। जिससे उपभोक्ताओं को 31 लाख रूपए से ज्यादा की बचत हो रही है।

बनारसी बिजली,पैसा और पर्यावरण बचाने में उत्तर प्रदेश में नंबर एक पर चल रहे हैं। सरकार की हर घर सोलर योजना काशी में परवान चढ़ रही है। बिजली की बचत के साथ-साथ सरकार आपके पैसे बचने की योजना पर काम कर रही है। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने बताया कि सोलर रूफटाप ऑन ग्रिड सिस्टम योजना में वाराणसी उत्तर प्रदेश में पहले स्थान पर है। वाराणसी में हर घर सोलर योजना में 25000 घरों में सोलर रूफटाप ऑन ग्रिड सिस्टम का लक्ष्य था, जिसके सापेक्ष 28,423 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। 1045 लोगों के घरों में सौर ऊर्जा से बिजली जलने लगी है। सोलर योजना का लाभ उठा रहे उपभोक्ताओं को 4,7,0250 यूनिट की बचत हुई है। जिससे अब तक 31 लाख 35 हज़ार रुपयों की बचत हुई है। हर घर सोलर योजना में 25,000 सोलर रूफटॉप ऑनग्रिड सिस्टम का लक्ष्य रखा गया था।

रामपुर सीट पर सपा ने बढ़ाया सस्पेंस, प्रत्याशी घोषित नहीं

रामपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने रविवार को दो और सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए लेकिन रामपुर सीट पर अभी तक कोई उम्मीदवार के नाम का खुलासा नहीं किया है। लिहाजा इस सीट पर लगातार सस्पेंस बना हुआ है। इस सीट पर पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के लड़ने की चर्चाओं ने भी जोर पकड़ रखा है।

जिले में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि 27 मार्च तक नामांकन होंगे। लोकसभा चुनाव के लिए सियासत तेज हो गई है। चुनाव के लिए इस वक्त नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। अभी तक किसी भी पार्टी के प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया है। समाजवादी पार्टी ने अभी तक अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। वहीं भाजपा ने चुनाव की घोषणा से पहले ही सांसद घनश्याम सिंह लोधी को प्रत्याशी घोषित कर दिया था।

बहुजन समाज पार्टी ने जीशान खां को शनिवार की देर शाम प्रत्याशी घोषित किया है, लेकिन समाजवादी पार्टी ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। लोगों को उम्मीद थी कि सपा रविवार को रामपुर सीट से प्रत्याशी घोषित कर देगी। इसको लेकर दिन भर लोगों को इसका इंतजार भी रहा। दिन भर इंतजार के बाद सपा ने मंडल की दो सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए। मुरादाबाद से सांसद डॉ. एसटी हसन को टिकट दिया गया और बिजनौर से दीपक सैनी को टिकट दिया गया, लेकिन रामपुर से सपा ने प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया।

रामपुर सीट को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सपा नेता आजम खां से सीतापुर जेल जाकर भी मुलाकात की थी और इस मुलाकात के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि सपा मुखिया अखिलेश यादव रामपुर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। इस चर्चा के बाद सपा से जुड़े कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इसके चर्चे रामपुर से लेकर लखनऊ तक हो रहे हैं। हालांकि, अभी इसको लेकर पार्टी पदाधिकारी कुछ बोल नहीं रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए अब 26 व 27 मार्च को ही नामांकन होना है। नामांकन के अब तक तीन दिन निकल चुके हैं। सोमवार को होली का अवकाश रहा। इसके बाद 26 व 27 मार्च को नामांकन होगा। अभी तक कोई नामांकन नहीं हुआ है। अब तक भाजपा प्रत्याशी समेत कुल 22 प्रत्याशियों ने 23 नामांकन पत्र लिए हैं।

तपती गर्मी में घर को ऐसे रखें कुल

लोग मौसम के हिसाब से अपने घर का मेकओवर करते हैं। गर्मी के मौसम में घर को ठंडा रखना बहुत जरूरी है। घर ठंडा होने से कई बीमारियां दूर होती है। इस मौसम में अपने घर को कूल रखने के लिए गार्डन थीम चूनें। आज हम आपको बताते हैं कि आप इस मौसम में घर कैसे कूल रख सकते है।

1. कमरों में लाइट कलर के पर्दें लगाएं। हल्के रंग के पर्दें धूप से बचाते है। आप अपने कमरे में जितने लाइट कलर के पर्दें लगाएंगे उतना ही आपका कमरा ठंडा होगा।

2. घर को ठंडा रखने के लिए सुबह शाम दोनों टाइम घर की छत पर पानी का छिड़काव करें। इससे घर की दीवारों का तापमान कम होगा।

3. कमरे में लाइट कलर के पिलो और बेडशीट का इस्तेमाल करें। यह देखने में अच्छे लगते है।

4. रंगबिरंगे फूल, हरी पत्तियों वाली सीनरीज कमरे में लगाएं। इससे ठंडक का अहसास होगा। घर में ठंडक बनाए रखने के लिए कमरे में बिछे कालीन को हटा दें। इससे फर्श ठंडा रहेगा। गर्मी के दिनों में ठंडे फर्श पर नंगे पैर चलने से ठंडक महसूस होती है।

5. अगर आप गर्मियों में कूलर का इस्तेमाल करते है तो कमरे में जालीदार खिड़की लगाएं ताकि ताजी हवा भी कमरे में आ सके। इसके अलावा कूलर चलने से क्रास वेंटीलेशन होने से भी कमरा ठंडा बना रहता है। आप चाहें तो इंटीरियर डिजाइनर की हेल्प लेकर भी घर को ठंडा रख सकते है।

सौंदर्य

राउंड फेस पर मेकअप के दौरान ध्यान रखें ये 6 बातें

गोल चेहरे पर मेकअप करते समय कुछ खास बातों पर ध्यान देना जरूरी होता है। अगर आपका चेहरा भी गोल है तो यहां आपके लिए कुछ मेकअप टिप्स दी जा रही हैं। इन्हें फॉलो करके आप खुद को ग्लैमरस और अट्रैक्टिव लुक दे सकती हैं...

» अगर आपका फेस राउंड है तो सबसे पहले इसे लॉन्ग टच देने की कोशिश करें। दरअसल, फुल राउंड फेस पर ड्रेस और जूलरी उतनी अट्रैक्टिव नहीं लगती। इसलिए जरूरी है इस फेस शेप पर हल्का सा चेंज लाना।

» फेस पर स्किन टोन से मैच करता डार्क कलर का फाउंडेशन लगाएं। इसके बाद ब्लशर से चीकबोंस को हाइलाइट करें। चीकबोंस जितना हाईलाइट होगा, फेस उतना ही लॉन्ग दिखाई देगा।

» कानों में पतले और लंबे ईयरिंग्स पहनें। इससे फेस हल्का-सा ओवल दिखेगा। अगर आपकी नेक भी चेहरे की तरह गोल और मोटी है, तो न्यूड शेड्स मसलन, पीच, पर्ल, सिल्वर और वाइट कलर की माला पहनें।

» अगर आपकी गर्दन की लंबाई कम है और फेस गोल है तो आप पर नीचे से राउंड शेप हेयरस्टाइल अच्छी लगेगी। यह फेस को लंबा दिखाने के साथ बैलेंस्ड लुक पाने में हेल्प करेगी।

» अगर डबल चिन है, तो लेयर्स हेयरस्टाइल अपनाएं। आप पर बीच की मांग भी बहुत सुंदर लगेगी।

» लंबी बिंदी लगाएं। हां, एकदम स्ट्रेट, आयरन किए हुए बाल आपको सूट नहीं करेंगे। चीकबोंस और जॉ लाइन तक आते लंबे ब्लंट कट हेयर स्टाइल से बचें। इससे चेहरा चौड़ा लगता है। राउंड फेस पर बालों को कर्ली लुक भूलकर भी न दें।

राजस्थान के अरावली पहाड़ों पर खड़ा चित्तौड़गढ़ किला भक्ति और शक्ति की नगरी है। पत्थर इतिहास की कहानियां बयान करते नहीं थकते। ज्यादातर हिन्दुस्तानी टूरिस्ट्स चित्तौड़गढ़ की सैर को तीर्थ मानते हैं। यहां मेवाड़ के गौरवमय जीवन की झांकी से रूबरू होने का मौका मिलता है। असल में छोटा-सा शहर राजस्थान की सबसे ज्यादा गाथाओं से भरा है। चित्तौड़गढ़ से शुरू मेवाड़ राज्य की 76वीं पीढ़ी के राणा अरविन्द सिंह मेवाड़ उदयपुर के सिटी पैलेस में रहते हैं।

किलों का शहर है चित्तौड़गढ़

टेढ़े-मेढ़े पहाड़ी रास्ते

टेढ़े-मेढ़े रास्तों के किला रोड पर जरा-जरा दूरी पर राम पोल, लक्ष्मण पोल, बड़ी पोल, सूरज पोल वगैरह नाम के एक के बाद एक सात दरवाजों को पार कर चित्तौड़गढ़ किले में दाखिल होते हैं। किले की चौड़ाई एक किलोमीटर से कम ही है, लेकिन दीवार 5 किलोमीटर का घेरा तय करती है। किला इतना बड़ा है कि कार में घूमते हुए देखने में भी घंटों लग जाते हैं। सबसे पहले तुलजा भवानी मन्दिर आता है। यह आज खंडहर है, फिर भी देश-विदेश से टूरिस्ट्स दीदार करने आते हैं। लम्बे-चौड़े किले के भीतर सबसे अहम स्थल हैं- विजय स्तम्भ और कीर्ति स्तम्भ। विजय स्तम्भ यानी विक्ट्री टावर राणा कुम्भा ने 1440 में युद्ध जीतने के बाद बनवाया था। उधर कीर्ति स्तम्भ का निर्माण जैन तीर्थंकर आदिनाथ की स्मृति में किया गया था।

कम खासमखास नहीं है राणा कुम्भा का महल। बेशक आज खंडहर है, लेकिन यही अब भी किले की सबसे बड़ी इमारत है। यहीं रानी पद्मिनी 'जौहर' में कूदकर सती हुई थीं। फतेह प्रकाश महल में म्यूजियम है और मन्दिर भी कई हैं- काली माता मन्दिर, मीरा बाई मन्दिर वगैरह। मीरा मन्दिर कुंभास्वामी मन्दिर परिसर के दक्षिण में स्थित है। इसके सामने चार स्तम्भों पर आधारित एक छतरी बनी है। माना जाता है कि मीरा बाई ने अपने गुरू की स्मृति में इसका निर्माण करवाया था। मूलरूप से वराह को समर्पित मन्दिर का पुर्ननिर्माण महाराणा कुम्भा (1433-68) ने करवाया।

बड़े किलों में एक

चित्तौड़गढ़ किला देश के गिने-चुने बड़े और नामी किलों में से एक है। किला 180 मीटर ऊंचे पहाड़ पर बना है और करीब 700 एकड़ इलाके में फैला है। किला बहुतेरे ऐतिहासिक घटनाक्रमों का गवाह रहा है। किले का निर्माण 7वीं सदी में मौर्य वंश के शासनकाल के दौरान हुआ था। अगले 834 साल तक किला मेवाड़ की राजधानी के रूप में खड़ा रहा।

हालांकि 15वीं से 16वीं सदी के बीच किले को तीन दफा लूटा गया। 1303 में अल्लाउद्दीन खिलजी ने रानी पद्मिनी को अपने हरम के लिए राणा रतन सिंह से युद्ध लड़ा और पराजित किया। फिर 1535 में गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह ने राजा विक्रमजीत सिंह को हराया। 1567-68 में मुगल बादशाह अकबर ने महाराणा उड़ाई सिंह द्वितीय के समय में किले की घेराबंदी कर दी। आखिरकार 834 साल तक मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़गढ़ किले को त्याग कर, उदयपुर शिफ्ट किया गया। हालांकि 1616 में, मुगल बादशाह जहांगीर ने किला राजपूतों को सौंप दिया।

दिलचस्प है कि महाभारत में भी चितौड़ का उल्लेख है। पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक वास्तव में, इस किले का निर्माण कार्य पांडवों के भाई भीम ने ही प्रारम्भ किया था। हुआ यूं कि बलवान भीम ने यहीं जल में अपनी अद्भुत शक्ति का प्रदर्शन किया था। तभी भीमतल कुंड का उदय हुआ। बाद में, यही कुंड भीमा के नाम से जाना जाने लगा।

बीता कल और बलिदान

चित्तौड़ की महिलाओं के बलिदान और वीरता की कहानियां आज भी खंडहर हो चुके महल में गूंज रही हैं। पद्मिनी महल है। यहीं रानी पद्मावति ने आग की लपटों के हवाले होकर 'जौहर' रचा था। अलाउद्दीन खिलजी से हारते हुए जानकर, रानी ने शाही परिवार की तमाम महिलाओं के संग जौहर में छलांग लगा दी थी। (जलती चिता में खुद को आग की लपटों के हवाले करने को जौहर कहते हैं) जीत के बावजूद जब तक खिलजी पद्मिनी को हासिल कर पाता, वह आग में समा चुकी थी।

चित्तौड़ की ही पन्ना दाई की कुर्बानी को कौन भूला सकता है? उन्होंने राज गद्दी के भावी वारिस नवजात शिशु उदय को फल-सब्जी की टोकरी में लुका-छुपा कर कुम्भलगढ़ भेज दिया। उसके बदले उदय की हमउम्र के अपने बेटे का कत्ल करवा दिया। इतिहास में दर्ज है कि बाद में, राणा उदय सिंह ही उदयपुर के जनक बने। यही नहीं, चित्तौड़ की गलियों-कूचों में रानी मीरा बाई की कथाएं गूंजती रही हैं। कृष्ण के प्रेम में रमी मीरा बाई का विवाह भी मेवाड़ के राजा से हुआ था। मेवाड़ की रानी बनने के बावजूद वह कृष्ण भक्ति में लीन रही।

एक खास बात और- किले के भीतर झीलें हैं, बाग हैं और शरीफा (सीताफल) के बागान भी। यहां का शरीफा आज भी सारे देश में खाया जाता है। चित्तौड़ के बाजारों में लकड़ी के रंगदार खिलौने मिलते हैं। गंगराई चमड़े की जूतियां यहां खूब बनती और बिकती हैं। और चित्तौड़ की सौगात है सोने की थेवा जूलरी। हिन्दी प्रदेश है, फिर भी, लोकभाषा मेवाड़ी है।

1 घंटे की फ्लाइट, आगे सड़क से 2 घंटे दूर

राजस्थान में राजो-रजवाड़ों का शहर है चित्तौड़गढ़। दिल्ली से करीब 585 किलोमीटर दूर है। दिल्ली से सड़क के रास्ते पहुंचने में 12 घंटे लगते हैं। और ट्रेन से करीब 16 घंटे। उदयपुर सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। सीधी फ्लाइट से दिल्ली से उदयपुर पहुंचने में एक घंटा लगता है। आगे टैक्सी से चित्तौड़गढ़ करीब 2 घंटे की सड़क दूरी पर है- लगभग 120 किलोमीटर परे। गर्मियों में तपिश सहन से परे होती है। इसलिए सर्दियों में जाना बेहतर है।

नजदीक ही है नहारगढ़

चित्तौड़गढ़ से बस्सी, सीता माता सेंचुरी वगैरह से आगे नहारगढ़ है। टैक्सी करीब एक घंटे में पहुंचाती है। नहारगढ़ की खासियत है किला और कुदरती झील के बीचोंबीच जस्टा होटल ऐंड रिजॉर्ट। बोट से ही होटल में आते-जाते हैं। सुबह-सवेरे सूर्योदय का नजारा देखने लायक है। इतिहास बताता है कि नहारगढ़ रिजोर्ट पहले शिकारगाह था। इसे रलावता के महाराजा नहार सिंह ने खरीदा और फिर, उनके बेटे राजा जितेन्द्र सिंह राठौड़ ने शिकारगाह को महल में तब्दील कर दिया।

सौंदर्य

सिर्फ दांत ही नहीं, स्किन के लिए भी फायदेमंद है दातून

आज लगभग हर घर में दांत साफ करने के लिए लोग टूथब्रश का ही इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ब्रश के भी पहले से दांतों को साफ रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दातून के फायदों के बारे में जानकर आप शायद टूथब्रश की बजाय दोबारा दातून का ही इस्तेमाल करने लगेंगे। दातून न केवल सेहत व बौद्धिक क्षमता के लिए बेहतर है बल्कि धर्म और अध्यात्म की दृष्टि से भी इसे बेहतर माना जाता है। दरअसल दातून प्राकृतिक रूप से किया जाने वाला टूथब्रश हैआज जानते हैं दातून के फायदे ।

आयुर्वेद में है विशेष महत्व

आयुर्वेद की दंतधावन विधि में अर्क, न्यग्रोध, खदिर, करञ्ज, नीम, बबूल आदि पेड़ों की डंडी को दातून के तौर पर करने की सलाह दी जाती है। दरअसल आयुर्वेद में मुख प्रदेश को कफ का आधिक्य स्थान कहा जाता है। फिर सुबह का समय भी कफ प्रधान होता है व पूरी रात सोने के कारण मुंह के अंदर कफ जमा हो जाता है। इसलिए शास्त्रों में कफ दोष का नाश करने वाले कटु, तिक्त और कसैला प्रधान रस वाली दातून का प्रयोग करने को कहा जाता है।

ऐसे करें दातून

दातून को ऊपर के दांतों में ऊपर से नीचे की ओर और नीचे के दांतों में नीचे से ऊपर की ओर करना चाहिए। इससे मसूड़े मजबूत होंगे और पायरिया की समस्या भी नहीं होगी।

इनका करें प्रयोग

बेर: बेर के दातून से नियमित दांत साफ करने पर आवाज साफ और मधुर होती है। इसलिए जो लोग संगीत और गायन के क्षेत्र में रुचि रखते हैं, उन्हें बेर के दातून का नियमित इस्तेमाल करना चाहिए।

नीम: नीम का दातून केवल दांतों को ही स्वस्थ नहीं रखता, बल्कि इसे करने से पाचन क्रिया ठीक रहती है और चेहरे पर भी निखार आता है। यही वजह है कि आज भी बहुत से पुराने लोग नियमित नीम की दातून करते हैं।

बबूल: इसका दातून न सिर्फ आपके दांतों को चमकाता है बल्कि आपकी बौद्धिक क्षमता और स्मरण शक्ति को भी बढ़ाता है। मसूड़ों और दांतों की मजबूती के लिए बबूल के दातून से दांत साफ करने चाहिए।

आज-कल इस्तेमाल किए जाने वाले टूथपेस्ट्स में काफी नमक और अम्ल मिलाया जाता है, जबकि दातून में सभी रस प्राकृतिक होते हैं। जो दांतों के साथ पाचन जैसी क्रियाओं को भी सुचारू बनाते हैं।-

हेल्दी स्किन के लिए इन तेलों को करें इस्तेमाल

तेल हमारी त्वचा में चमक बरकरार रखने और उसे स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जोजोबा और कैंलेंडुला के सत्व वाले तेल आपकी त्वचा पर न केवल चमत्कारी असर दिखाते हैं बल्कि इसे स्वस्थ भी बनाए रखते हैं. बच्चों के लिए पहला टॉक्सिन -फ्री उत्पाद पेश करने वाले होनासा कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड के मामाअर्थ ब्रांड की सह-संस्थापक गजल अलघ ने त्वचा के लिए आवश्यक तेलों के ये फायदे बताए हैं -

» जोजोबा तेल त्वचा को ज्यादा तेलीय और रूखा होने से बचाता है. जीवाणु रोधी गुण होने के कारण यह त्वचा की जलन और खुजली को भी दूर करता है. यह त्वचा में नमी बरकरार रखता है, जिससे खुजली और रूखापन नहीं होता. यह एक्जिमा को रोकने में मददगार साबित होता है.

» कैलेंडुला का तेल त्वचा पर प्रभावी रूप से असर कर इसे स्वस्थ रखता है. यह त्वचा

में चमक भी लाता है. यह आंखों की रोशनी बढ़ता है और सूजन भी कम करता है.

» लैवेंडर का तेल सुकून पहुंचाने के साथ ही बढ़िया नींद लाने में कारगर होता है. यह जीवाणुरोधी गुणों वाला होने के कारण बालों से संबंधित कई समस्याओं से निजात दिलाता है. यह रूसी को खत्म कर बालों का झड़ना रोकता है.

» कैमोमाइल तेल: त्वचा को कोमल और स्वस्थ रखता है. यह एक्जिमा, घाव, अल्सर, जल जाने पर, त्वचा में जलन या खुजली होने प्राकृतिक उपचार के तौर पर इस्तेमाल में लाया जा सकता है. इसे निपल की त्वचा फट जाने पर या बच्चों को डायपर पहनने के कारण हो जाने वाले रैशेज या दोनों पर भी लगाया जा सकता है. यह माहवारी के दौरान शरीर में होने वाली ऐंठन या दर्द से भी छुटकारा दिलाता है.

» यूकेलिप्टस (नीलगिरी) का तेल आपको बीमार कर देने वाले सूक्ष्म-जीवाणुओं और शरीर से हानिकारक पदार्थों को हटाने में कारगर है. केलिप्टस का तेल अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, निमोनिया, तपेदिक जैसी बीमारियों के इलाज में भी प्रभावकारी असर दिखाता है. यूकेलिप्टस के तेल में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, इसलिए यह जल जाने, कट जाने, घाव, खरोंच होने पर इस्तेमाल किया जा सकता है.

ऐसे होगा जीरो फिगर पाने का सपना पूरा

आज 100 में 80 फीसदी लोग पतली कमर या 0 फिगर पाने की इच्छा रखते हैं. सैर करना, डाइटिंग करना, जिम जाना.. उनकी इसी इच्छा का एक अंग है. पर आपकी ये तमाम कोशिशें उस समय विफल हो जाती हैं, जब उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिल पाते. फिटनेस हर व्यक्ति के लिए जरूरी है, खासकर आज के दौर में जब हमारे पास कुर्सी पर बैठकर काम करने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया है. अगर आप चाहते है फिट बॉडी की अपनी इच्छा पूरी करने की तो ये टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं.

अगर आप अपना वज़न घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में से पोषक तत्वों को न हटाएं. अपने आहार में चैरी, रसीले अंगूर या हरे मटर शामिल करें. कभी भी ब्रेकफास्ट करना न भूलें. ब्रेकफास्ट में अपने पसंदीदा फलों को शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए हैवी डाइट की बजाय लाइट डाइट लें. अंकुरित चीज़ें खूब खाएं. दिन के खाने में दाल ज़रूर लें. इससे आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा की कमी नहीं होगी और वजन भी घटने लगेगा.

वज़न घटाने में तली हुई चीज़ें जैसे- आलू के चिप्स, कुकीज सबसे ज़्यादा बाधक होती हैं. इनका इस्तेमाल कम से कम करें. फास्ट फूड जैसे बर्गर, पिज़्ज़ा की बजाए सलाद, फ्रुट जैसी चीज़ों को अपनी डाइट में शामिल करें.

वज़न घटाने के लिए संतुलित आहार के साथ एक्सरसाइज करना भी बहुत जरूरी है. अगर आपको स्विमिंग पसंद है तो वज़न घटाने के लिए इससे अच्छी एक्सर्साइज़ दूसरी नहीं हो सकती. इसके अलावा मॉर्निंग वॉक, रस्सी कूदने से भी आप वज़न कम कर सकते हैं. इसके अलावा योग की भी मदद ली जा सकती है.

खाने में फाइबर युक्त भोजन लें, जैसे बीन्स, ब्राउन राइस, नट्स आदि. यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर निकालता भी है. फाइबरयुक्त भोजन आपके शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी को भी बर्न करता है.

कई लोगों को लगता है कि बार-बार खाने से वज़न बढ़ता है, इसलिए वे एक साथ ही ज्यादा भोजन कर लेते हैं. लेकिन यह सोच गलत है. ऐसे में ज़्यादा भूख लगती है और लोग ज़्यादा कैलोरी ले लेते हैं. इसलिए दिन में थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहना चाहिए.

कुछ लोग हफ्ते में 5-6 दिन संतुलित आहार लेते हैं, पर हफ्ते में एक दिन वे जमकर खाते हैं. उन्हें लगता है कि एक दिन खुलकर खाने से कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन ये सोच गलत है. इससे एक ही दिन में हफ्ते भर में कम की गई कैलोरी शरीर में लौट आती है.

ज्यादातर लोगों को मीठा पंसद होता है. लेकिन ज्यादा मीठा खाना वज़न घटाने वाले लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है. मीठे के तौर पर गुड़, खजूर, सौंफ या फिर किशमिश खाएं. सौंफ खाना डाइजेस्ट करने में भी मदद करती है.

ज़्यादातर लोग दिन की शुरूआत कॉफी या चाय से करते हैं, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक होती है. सुबह उठते ही नींबू पानी, नारियल पानी या जूस लेना, वज़न घटाने में काफी फायदेमंद साबित होता है.

रेसिपी

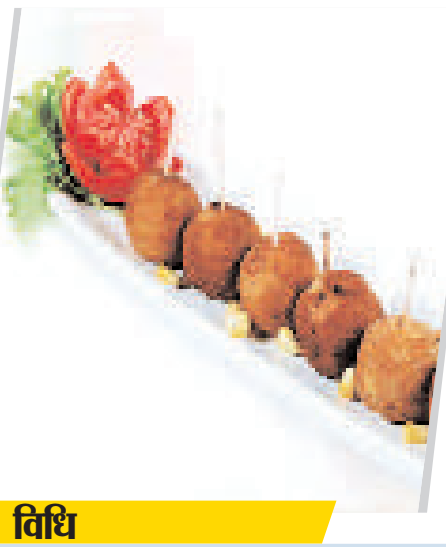

बेबी फ्रिटर्स

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 क्यूब्स चीज
1/2 कप ब्रैडक्रंब्स
तेल तलने के लिए
12 स्टिक्स
1/2 कप मकई दाना(उबला व कटा)
4 चम्मच मैदा
लालमिर्च और नमक स्वादानुसार
आमचूर स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले आलू, नमक, मिर्च, मकई व आमचूर को डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण की गोलगोल छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर बीच में थोड़ा सा चीज भर कर स्टिक लगा दें। अब एक कटोरी में मैदे का घोल तैयार करके रख लें। पहले बॉल्स को मैदे के गोल में डिप करें और फिर ब्रैडक्रंब्स लपेटें और तेल में फ्राई करें। बेबी फ्रिटर्स तैयार है इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

मूली मकई की रोटी

सामग्री

1/2 कप कसी हुई मूली
1 कप मकई का आटा
1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, पर्याप्त मात्रा में गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक बाग को 2 पलासटिक शीट के बीच रखकर, 125 मिमी। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

स्वतंत्र जांच जरूरी

स्वतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव व आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला नया नहीं है। खासकर चुनावी वेला में तो यह स्थिति चरम पर होती है। लेकिन इस टकराव का प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के स्वाभाविक प्रभाव को बाधित करने वाला नहीं होनी चाहिए। युद्ध की तरह से राजनीति के भी अपने नियम होते हैं और मुकाबले के लिये बराबर का अवसर भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही यह जरूरी है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध को दूर करने के लिये संवाद की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए, ताकि अनावश्यक गतिरोध को टाला जा सके। बीते गुरुवार को देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाए गए कि खाते फ्रीज करके पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की कोशिश सत्ता पक्ष की ओर से की जा रही है। यूं तो कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में लगातार सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों पर हमलावर रही है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस द्वारा लगाए आरोपों की गंभीरता पर भी विचार किया जाना चाहिए। वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और विश्वसनीय बनाने के लिये विपक्षी दलों को मुकाबले का बराबर अवसर तो मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता व प्रामाणिकता को संबल मिलता है। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्य विपक्षी पार्टी को आयकर विभाग की कार्रवाई से वित्तीय संकट की ओर धकेला जा रहा है।

युद्ध की तरह से राजनीति के भी अपने नियम होते हैं और मुकाबले के लिये बराबर का अवसर भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही यह जरूरी है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध को दूर करने के लिये संवाद की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए, ताकि अनावश्यक गतिरोध को टाला जा सके। बीते गुरुवार को देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाए गए कि खाते फ्रीज करके पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की कोशिश सत्ता पक्ष की ओर से की जा रही है। यूं तो कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में लगातार सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों पर हमलावर रही है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस द्वारा लगाए आरोपों की गंभीरता पर भी विचार किया जाना चाहिए। वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और विश्वसनीय बनाने के लिये विपक्षी दलों को मुकाबले का बराबर अवसर तो मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता व प्रामाणिकता को संबल मिलता है। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्य विपक्षी पार्टी को आयकर विभाग की कार्रवाई से वित्तीय संकट की ओर धकेला जा रहा है।

होने से पार्टी के समक्ष उत्पन्न आर्थिक तंगी से पार्टी न विज्ञापन दे सकती है और न ही अपने नेताओं के लिये हवाई टिकट बुक करा पा रही है। उसका यह भी कहना है कि उसे रैली आयोजित करवाने में परेशानी हो रही है। हालांकि, कांग्रेस के आरोपों से इतर सरकार व आयकर विभाग के अधिकारियों की अपनी दलीलें हैं। उल्लेखनीय है कि गत 13 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट ने आईटीएटी के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सौ करोड़ से अधिक के बकाया कर की वसूली के लिये कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग से जारी नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने पार्टी को तब नये स्थगन आवेदन के साथ आईटीएटी का रुख करने की स्वतंत्रता दी थी। ऐसे में इस मुद्दे पर अंतिम राय बनाने से पहले सभी पक्षों के तर्कों पर विचार भी जरूरी है। सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पार्टी की हताशा का परिणाम बताया है। यह भी कि कांग्रेस के आरोपों से भारतीय लोकतंत्र की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद यह तथ्य निर्विवाद है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वतंत्र चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों को अनुचित ही कहा जाएगा। इससे चुनावों की पारदर्शिता व विश्वसनीयता पर आंच आ सकती है।

भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है

खुशहाल समाजों की रैंकिंग से भारत भ्रमित न हो

ललित गर्ग

143 देशों के विश्व खुशहाली रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर रहा है जिसमें फिनलैंड ने लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान पाया है। यह बात भी गौर करने की है कि भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है। फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है, पर गौर कीजिए, वहां आबादी सिर्फ 56 लाख है। मतलब, इस देश की चुनौतियां बहुत कम हैं। धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है। पाकिस्तान पिछली बार 108वें स्थान पर था, इस बार 122वें पर आ गया है, पर तब भी भारत से चार पायदान ऊपर है। जिस देश में खूब महंगाई है, जहां की जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है, जहां धार्मिक उन्माद व्यापक है, जो आतंकवाद को प्रोत्साहन देता है, वह देश भी अगर हमसे खुशहाल है, तो ऐसी खुशहाली मापने के तरीकों पर विचार होना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि खुशहाली को तय करने के पैमानों में अवश्य ही कोई पूर्वाग्रह या आग्रह है। क्योंकि ऋण की गुहार लगाता एवं त्राहिमाम करता पाकिस्तान को 122वें स्थान की रैंकिंग देना विडंबनापूर्ण एवं विसंगतिमय है, जो इस सूचकांक के महत्व को घटा देती है। जो दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है। अनेक सवाल खड़े करती है यह खुशहाल देशों की रैंकिंग। यह विडंबना ही है कि धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। ऐसी अतार्किक सूची देखकर अफसोस एवं आश्चर्य भी होता है और चिंता भी होती है। क्या खुशहाली को धार्मिक और सामाजिक

धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है।

स्वतंत्रता के आधार पर ज्यादा नहीं देखा जाना चाहिए? खुशहाली को केवल आर्थिक समृद्धि और संसाधनों की अधिकता में घटाकर देखना सही नहीं है। खुशहाली की रैंकिंग को देखकर भारत को कतई भ्रमित नहीं होना चाहिए। एक और विडंबना देखिए, निर्मम युद्ध लड़ रहा इजरायल पांचवां सबसे खुशहाल देश है! पीड़ित फलस्तीन 103वें स्थान पर है, तो रूस 72वें स्थान पर और यूक्रेन 105वें स्थान पर। ये देश युद्ध के बावजूद भारत से ज्यादा खुशहाल हैं। पता नहीं, इस रैंकिंग पर कितना भरोसा किया जाए? जहां तक भारत का सवाल है, खुशहाली के सभी पैमानों पर हमें अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है। भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत के अल्पसंख्यक समुदायों की कट्टरता एवं संकीर्णता भी खुशहाल समाज निर्माण की बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 126वां स्थान कितना मायने रखता है? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 56 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुम्बई, दिल्ली, कोलकता शहर में इसमें कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। वैसे भी खुशी महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं समस्याएं दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति एवं समाज खुशहाल नहीं हो सकता। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है।

दृष्टि कोण

जल संकटः गर्मी से पहले ही प्यास से तरसने लगे शहर, भारत की सिलिकॉन वैली में हाहाकार

कवि रहीम ने कहा है, रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। लेकिन गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है कि इस साल कई शहरों में जल संकट मंडराने लगा है। होली के रंगों से नहाए बिना ही, फागुन में रंगों की फुहारों से सराबोर हुए बिना ही सूखे के हालात का सामना पड़ गया। जल संकट की जो स्थिति मई-जून के महीनों में होती थी, वह मार्च में ही दिखने लगी है और अभी से ही कई शहरों में लोग पानी की किल्लत से जूझने लगे हैं। भारत का आईटी हब कहा जाना वाला बंगलूरू शहर इन दिनों हर रोज बीस करोड़ लीटर पानी की कमी झेल रहा है। बंगलूरू के अलावा देश में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, भोपाल, कोलकाता, जयपुर, इंदौर जैसे अनेक शहर आज जल संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने चेतावनी दी है कि अगर हैदराबाद ने जल्दी ही जल संरक्षण के लिए उचित कदम नहीं उठाए, तो पानी के मामले में उसका भी हाल सिलिकॉन वैली' बंगलूरू जैसा ही होगा। चेन्नई में वह समय अब भी सबको याद होगा, जब नल सूख गए थे,

और पानी की कमी के चलते स्कूलों को बंद करना पड़ा था। जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात करनी पड़ी थी। हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट में भी यह बात स्वीकार की गई है कि भारत के कई शहरों में जल संकट गहराता जा रहा है, और आने वाले वक्त में उसके और विकराल रूप लेने के आसार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जहां वर्ष 2030 तक देश की लगभग 40 फीसदी आबादी के लिए जल उपलब्ध नहीं होगा, वहीं 2020 तक देश में 10 करोड़ से भी अधिक लोग गंभीर जल संकट का सामना करने के लिए मजबूर थे। नीति आयोग की समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स) रिपोर्ट के अनुसार, देश के 21 प्रमुख शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग जल संकट की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। वास्तविकता यह भी है कि दुनिया की लगभग 17 फीसदी आबादी वाले देश भारत के पास दुनिया के ताजा जल संसाधनों का मात्र चार फीसदी ही है। भारत में लगभग 70 फीसदी सतही और ताजा जल के संसाधन सीवेज वेस्ट और कारखानों के अपशिष्ट से प्रदूषित हैं। वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र (32.8 करोड़ हेक्टेयर) में से 69 फीसदी (22.8 करोड़ हेक्टेयर) क्षेत्र सूखाग्रस्त है। ये आंकड़े हमारे देश में जल संकट की गंभीरता को साफ-साफ बयान करते हैं। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हो रहे बदलावों के कारण यदि पानी की मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। दरअसल, जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन की पदचाप गहराती जा रही है, वैसे-वैसे वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) बढ़ता जा रहा है। इसका असर मौसम के बदलते मिजाज के रूप में नजर आ रहा है। इसके चलते कहीं बारिश कम हो रही है, तो कहीं सर्दियों का मौसम अपेक्षाकृत गर्म हो रहा है। वर्ष 1975 से वर्ष 2000 के बीच जिस मात्रा और रफ्तार से हिमालय ग्लेशियर की बर्फ पिघल रही है, साल 2000 के बाद से वह मात्रा और रफ्तार दोगुनी हो गई है। वहीं दूसरी तरफ मौसम के इस बदलाव के कारण पहाड़ सर्दियों में बर्फ की चादर में लिपटने से वंचित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि वर्ष 2100 आने तक हिमालय के 75 फीसदी ग्लेशियर पिघल कर खत्म हो जाएंगे। इससे हिमालय के नीचे वाले भू-भाग में रहने वाले आठ देशों के करीब 200 करोड़ लोगों को पानी की किल्लत और बाढ़ के खतरे का सामना करना पड़ सकता है। इन देशों में भारत, पाकिस्तान, भूटान, अफगानिस्तान, चीन, म्यांमार, नेपाल और बांग्लादेश शामिल हैं।

कुछ अलग

इतने दुखियारे तो नहीं हम

इस हफ्ते दो अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट आईं, जिनमें से एक में हम टॉप थ्री में हैं तो दूसरी में काफी निचली पायदान पर। हालांकि न टॉप में आने की खुशी मना सकते हैं और न निचली पोज़िशन पर रहने का ग़म क्योंकि दुख मनाया तो उस रैंकिंग में और पीछे जा सकते हैं। टॉप रैंक से खुश इसलिए नहीं हो सकते क्योंकि यह पोज़िशन हमने प्रदूषण में पाई है, वहीं बुरी तरह पिछड़े हैं खुश रहने के पैमाने पर। प्रदूषण फैलाने में बांग्लादेश और पाकिस्तान हमसे आगे हैं लेकिन खुशहाली सूचकांक में अस्थिरता से जूझ रहे पाकिस्तान, म्यांमार का हमें पछाड़ना चौंकाने वाला है। आर्थिक बदहाली झेल रहे पाकिस्तान के लोग हमसे भी ज्यादा खुश कैसे? आखिर सर्वे करने वालों ने किन लोगों से बात की जो ऐसे हालात में भी इतने खुश नज़र आ रहे हैं? चलिए, पहले नज़र डालते हैं स्विस एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग एजेंसी आईक्यू एयर की रिपोर्ट पर, जिसने दुनिया के सबसे प्रदूषित देश, शहर और राजधानियों की सूची जारी की है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की हवा सबसे अधिक खराब पाई गई है। वहीं दिल्ली सबसे प्रदूषित राजधानी है। दिल्ली को पिछले पांच वर्षों में यह तमगा चौथी बार मिला है। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से 42 भारत के हैं। इनमें सबसे खराब हवा बिहार के बेगुसराय की मिली। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की 96 फीसदी आबादी दूषित हवा में सांस ले रही है। सूची में शामिल सारे प्रदूषित देश मध्य और दक्षिण एशियाई क्षेत्र से ही हैं। दिल्ली के बाद सबसे प्रदूषित राजधानियों की लिस्ट देखने से ही यह समझ आ जाता है, जिनमें ढाका, दुशांबे, बगदाद, जकार्ता, इस्लामाबाद, काठमांडू, आबूधाबी और दोहा शामिल हैं। पिछले साल की रिपोर्ट में सबसे प्रदूषित देशों की लिस्ट में हम आठवें नंबर पर थे। इस साल इसमें सुधार के बजाय तीसरे नंबर पर आ जाना बताता है कि हवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयास किस तरह से नाकाम हो रहे हैं। देश में सबसे अधिक प्रदूषण उद्योगों और वाहनों से निकलने वाले धुएं की वजह से होता है। नवंबर के महीने में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में फसलों की कटाई के बाद पराली जलाने से दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में कई इलाकों की हवा अत्यधिक ज़हरीली हो जाती है। देशभर में कई जगह बड़े पैमाने पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण उड़ने वाली धूल भी हवा की गुणवत्ता को लगातार खराब बनाए हुए है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम और लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर ठोस कदम न उठाने की वजह से सड़कों पर वाहनों की संख्या पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, फिनलैंड, आइसलैंड और एस्टोनिया जैसे देशों की हवा सबसे साफ बताई गई है। यह माना कि इन देशों की तुलना में हमारे एरिया की शुष्क जलवायु का काफी असर पड़ता है। लेकिन उसके बावजूद इन देशों ने अपनी हवा को साफ करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिनलैंड के हेलसिंकी में बिजली उत्पादन के लिए कोयले के बजाय हवा और पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। अपनी हरियाली को बचाए रखने के लिए भी इसने सख्त नियम बनाए हैं। साफ हवा के साथ ही हेल्दी वर्क लाइफ बैलेंस बनाए रखने वाला फिनलैंड लगातार सातवीं बार हैपीनेस इंडेक्स में सबसे आगे है। वर्ल्ड हैपीनेस डे पर संयुक्त राष्ट्र की आई रिपोर्ट में टॉप पोज़िशन पर फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे यूरोपीय देश ही हैं। खुशहाल देशों की इस लिस्ट में भारत पिछले साल की तरह ही 126वीं रैंक पर है। हमारे बदहाल पड़ोसी पाकिस्तान का हमसे आगे 108वें नंबर पर आना समझ से परे है क्योंकि रिपोर्ट तैयार करने के लिए खुशी के आकलन के साथ ही सामाजिक और आर्थिक स्थिति को भी परखा जाता है।

देश दुनिया से

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से उपजते सवाल

आबकारी नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जाना सही है या गलत- यह प्रशासनिक और न्यायिक विमर्श का विषय है। लेकिन आम चुनाव 2024 के ठीक पहले और देश में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के तत्काल बाद जिस तरह से उन्हें गिरफ्तार किया गया, यह भारतीय लोकतंत्र और सियासत के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है! मेरा स्पष्ट मानना है कि इस घटनाक्रम से आप पार्टी और इंडी गठबंधन को भारी क्षति के विपरीत काफी लाभ भी हो सकता है, बशर्ते कि पूरे घटनाक्रम का प्रस्तुतीकरण जनमानस में सही तरीके से किया जाए और सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने की फितरत से हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई के विरुद्ध हर गली-कूची के भ्रष्टाचार की फोटो और उसकी आधिकारिक अनदेखी के विरुद्ध पम्फलेट वितरण अभियान शुरू किया जाए। वहीं, जगह जगह सक्षम माननीय न्यायालय को पत्र भेजकर उसकी प्रतिलिपि सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाए और स्थानीय मीडिया को भेजी जाए, ताकि भ्रष्टाचार विरोधी जनजागृति पैदा हो सके। वैसे तो लोकल मीडिया में ऐसे प्रकरण हमेशा प्रकाश में आते रहते हैं, लेकिन उनपर प्रशासनिक खामोशी के खिलाफ न्यायालय जाने के कम ही मामले प्रकाश में आते हैं। शायद इसलिए कि भ्रष्टाचार के हमाम में कहीं न कहीं हर कोई नँगा है। अमूमन विपक्षी दल भी ऐसे मामलों में धरना-प्रदर्शन के अलावा ज्यादा दूरदर्शी रवैये नहीं अपनाते, जिसके चलते ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती। इससे जनता अक्सर परेशान रहा करती है। इसलिए भ्रष्टाचार का पुरजोर विरोध करना जरूरी है ताकि सत्ता पक्ष के इशारे पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने वाले भारतीय प्रशासन को चुनावों में बेनकाब करते हुए जनादेश मांगा जाए। आपको याद होगा कि अरविंद केजरीवाल और आप पार्टी का जन्म यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में चले एक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से ही हुआ है। ऐसे में आबकारी नीति घोटाले में आप मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी अपने आपमें एक यक्ष प्रश्न है। वह यह कि भारतीय सियासत वह काजल की कोठरी है, जहां से बेदाग निकलना नामुमकिन है। क्योंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पास तो कोई विभाग भी नहीं था, फिर भी वो फंस गए। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भ्रष्टाचार के मामले में भारतीय प्रशासन द्वारा जो पीक एंड चूज कार्रवाई की जाती है, वह भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है। चाहे न्यायपालिका हो या मीडिया, प्रशासनिक तिकड़म को समझने में प्रायः विफल प्रतीत हुए हैं! रही बात विधायिका की तो प्रशासनिक अधिकारियों को इस तरह की मनमानी करने की छूट देने के लिए सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी कम जिम्मेदार नहीं है। क्योंकि जिन कानूनों के आधार पर ऐसी कार्रवाईयां होती आई हैं, उसे अंतिम रूप तो आखिर संसद या विधान मंडलों में ही दी जाती है। सच कहूं तो देश में भ्रष्टाचार 'हरि अनंत, हरि कथा अनंता' की तरह सर्वव्यापी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की समझदारी या मिलीभगत से सही को गलत और गलत को सही ठहराने के बहुतेरे उदाहरण हर किसी को उसके आसपास में ही मिल जाएंगे। बावजूद इसके भ्रष्टाचार रोकने के लिए प्रशासनिक तिकड़म जारी रहती है। उसने अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचारियों की कतार में खड़ा करके इस बात के संकेत दे दिए हैं कि 'भ्रष्टाचार' को 'शिष्टाचार' के इतर तरह तरह से परिभाषित करने का खेल न कभी चला है और न ही चलने दिया जाएगा। इसकी सूची में बलि का बकरा अक्सर राजनेता बनेंगे, जबकि उनसे जुड़े अधिकारियों की भी गिरफ्तारी साथ साथ होनी चाहिए। क्योंकि 'पवित्र पाप' यानी भ्रष्टाचार कोई भी राजनेता अकेला नहीं कर सकता, जब तक कि अधिकारियों का एक सलाहकार वर्ग या जिम्मेदार वर्ग उनसे मिला हुआ न हो। यह ठीक है कि आप नेता अरविंद केजरीवाल को अब प्रमुख विपक्षी दलों का साथ मिल गया है, जिससे उनकी परेशानी कुछ कम होगी। लेकिन केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को इससे लेने के देने भी पड़ सकते हैं। क्योंकि अरविंद केजरीवाल का आजतक का इतिहास यही रहा है कि अपने विरुद्ध पैदा किए हुए हर मुद्दे का सियासी लाभ अंततोगत्वा उन्होंने ही उठाया है। इस बार भी वो यही करेंगे! हो सकता है कि दो राज्यों में अपनी सरकार बनाने वाली पहली विपक्षी पार्टी आप, जिसे अब राष्ट्रीय पार्टी का भी दर्जा मिल चुका है।

भारतीय लोकतंत्र और सियासत के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है! मेरा स्पष्ट मानना है कि इस घटनाक्रम से आप पार्टी और इंडी गठबंधन को भारी क्षति के विपरीत काफी लाभ भी हो सकता है, बशर्ते कि पूरे घटनाक्रम का प्रस्तुतीकरण जनमानस में सही तरीके से किया जाए और सत्ता पक्ष को लाभ पहुंचाने की फितरत से हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई के विरुद्ध हर गली-कूची के भ्रष्टाचार की फोटो और उसकी आधिकारिक अनदेखी के विरुद्ध पम्फलेट वितरण अभियान शुरू किया जाए। वहीं, जगह जगह सक्षम माननीय न्यायालय को पत्र भेजकर उसकी प्रतिलिपि सोशल मीडिया पर पोस्ट की जाए और स्थानीय मीडिया को भेजी जाए, ताकि भ्रष्टाचार विरोधी जनजागृति पैदा हो सके।

आप का नजरिया

असंगत अमीरी

खबर विचलित करने वाली है कि देश में मौजूदा आर्थिक असमानता ब्रिटिश काल से भी अधिक है। जो संकेत देती है कि हमारा लोकतंत्र विगत में समतामूलक आय सृजन के अवसरों का पोषक नहीं रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था थामस पिकेटी व तीन अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार रिपोर्ट चौंकाने वाले निष्कर्ष पेश करती है कि भारत में वर्ष 2022-23 में देश के शीर्ष एक फीसदी अमीरों की देश की संपत्ति में 40 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी आय में हिस्सेदारी 22.6 फीसदी है। देश में अरबपतियों के उदय का खुलासा करने वाली रिपोर्ट निश्चिय ही संपन्न तबके के वर्चस्व को दर्शाती है। यानी हमारी धन केंद्रित आर्थिकी के चलते देश में आर्थिक असमानता की ओर ही इशारा करती है। दरअसल, देश में आर्थिक असमानता में 1980 के दशक में गिरावट देखी गई थी। लेकिन वैश्वीकरण व उदारीकरण के दौर में उदार आर्थिक नीतियों ने आय में असमानता को ही बढ़ावा दिया है। निश्चित रूप से यह स्थिति हमारी आयकर प्रणाली की विसंगतियों को भी दर्शाती है। लंबे समय से मांग की जाती रही है कि देश के कर ढांचे में सुधार किया जाए। संपन्न वर्ग की आय व संपत्ति पर यह कर लगाया जाए। इससे होने वाली आय का निवेश कालांतर स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण की स्थिति सुधारने के लिये किया जाए। लेकिन इस सुझाव की तरफ गंभीरता से विचार नहीं किया गया। जिसके चलते संसाधनों के निर्मम दोहन का सिलसिला यूं ही चलता रहा। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि वित्तीय वर्ष 2023 में देश के सबसे 167 अमीर परिवारों की कुल संपदा पर दो फीसदी का सुपर टैक्स लगाया गया होता तो इससे राष्ट्र की कुल आय में 0.5 फीसदी की वृद्धि होती। निश्चित तौर पर इस प्रयास से देश में लगातार चौड़ी होती असमानता की खाई को पाटने में मदद मिलती। विडंबना यह है कि देश में जारी आर्थिक असमानता के संकट को सत्ताधीशों ने गंभीरता से नहीं लिया। निश्चित रूप से किसी भी देश में लगातार गहरी होती असमानता की खाई कालांतर सामाजिक अशांति की वाहक बन सकती है। जिसका प्रभाव देश की कानून व्यवस्था पर भी प्रतिकूल रूप से पड़ सकता है। आज दुनिया के कई देशों में जारी असंतोष व प्रतिरोध के मूल में आर्थिक असमानता के बीज ही निहित होते हैं। जैसे ही आर्थिक असमानता सीमा असहनीय स्थिति तक पहुंचती है, प्रतिरोध की प्रतिक्रिया सामने आती है। निश्चित रूप से किसी देश में सामाजिक संतुलन के लिये श्रम का सम्मान होना भी बेहद जरूरी है। मेहनतकश वर्ग की आय का लगातार सिकुड़ना किसी भी देश के लिये अच्छा संकेत नहीं होता है। यह किसी भी लोकतंत्र के लिये अच्छी स्थिति नहीं है कि देश का एक फीसदी वर्ग विलासिता का जीवन जी रहा हो और वहीं दूसरी ओर देश का एक बड़ा तबका रोटी-कपड़ा-मकान के लिये संघर्ष कर रहा हो। यह आर्थिक असंतुलन किसी भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सार्थकता पर भी चर्चा की मांग करता है। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट की पहल पर राजनीतिक दलों को धनाढ्य वर्ग द्वारा हजारों करोड़ का चंदा दिया जाना इस आर्थिक असमानता का स्याह पक्ष ही है।

लगातार छह तिमाही में नकारात्मक वृद्धि दर सकारात्मक हुई, पटरी पर लौट रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था

कोलंबो,26 मार्च (एजेंसियां) ।

नकदी संकट से जूझ रही श्रीलंका की अर्थव्यवस्था ने आर्थिक संकट आने के बाद पहली बार सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। दरअसल, सेंट्रल बैंक ने बताया की अर्थव्यवस्था ने 2023 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। द्वीपीय देश की नकदी संकट से जूझ रही अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर लगातार छह तिमाहियों में नकारात्मक रहने के बाद 2023 की चौथी तिमाही में सकारात्मक दायरे में लौटी है। कोलंबो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में सालाना बदलाव के आधार पर मापी गई मुद्रास्फीति जनवरी में 6.4 प्रतिशत से घटकर फरवरी में 5.9 प्रतिशत रह गई। तीसरी तिमाही में भी की थी वृद्धि दर्ज इससे पहले, 2022 में 7.8 फीसदी जीडीपी संकुचन और छह तिमाहियों की लगातार नकारात्मक वृद्धि के बावजूद देश ने साल 2023 की तीसरी तिमाही के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्ज की थी। उस समय राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा था कि पिछली साल नकारात्मक वृद्धि के बावजूद देश ने 2023 की तीसरी तिमाही में 1.6 प्रतिशत की विकास दर के साथ वापसी की है। कोलंबो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में जिस महंगाई के बढ़ने की श्रीलंका में पिछले साल सबसे ज्यादा चर्चा थी, वह जनवरी के 6.4 फीसदी के मुकाबले फरवरी में गिरकर 5.9 फीसदी पर आ गई थी। इस साल फरवरी के अंत तक सकल आधिकारिक भंडार बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया, जिसमें पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना की स्वैप सुविधा (अदला-बदली) शामिल है। श्रीलंकाई रुपया में वृद्धि दर्ज गवर्नर नंदलाल वीरसिंघे ने कहा कि रिजर्व बिल्डअप सेंट्रल बैंक के अनुमानों से ज्यादा सही था। उन्होंने बताया कि श्रीलंकाई रुपया, जो 2023 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12.1 प्रतिशत बढ़ा, 2024 में अब तक 6.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वीरसिंघे ने कहा कि आईएमएफ के बेलआउट कार्यक्रम की अगली समीक्षा के लिए सरकारी बॉन्ड धारकों के साथ ऋण पुनर्गठन पर समझौते जून तक पूरे किए जा सकते हैं।

रियलमी ने हर मिनट फोन के 300 यूनिट्स की बिक्री की, कंपनी ने की यह घोषणा

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी रियलमी ने घोषणा की है कि उसने हर मिनट फोन के 300 यूनिट्स की बिक्री की है। जोकि पिछले जनरेशन की फर्स्ट सेल यूनिट्स की तुलना में 338 प्रतिशत की ग्रोथ है। कंपनी के मुताबिक ये डेटा कंपनी का कहना है कि यह पहले दिन की सेल के पहले 30 मिनट के डेटा पर बेस्ड है। नार्जो 70 प्रो 5जी के 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 19,999 रुपये और 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 21,999 रुपये रखी गई है। फोन को ग्लास ग्रीन और ग्लास गोल्ड कलर ऑप्शन में उतारा गया है। फोन को अमेजन, रियलमी की साइट और ऑफलाइन स्टोर्स से खरीदा जा सकता है। फोन पर आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक डेबिट और क्रेडिट कार्ड होल्डर्स 8जीबी+128जीबी पर 1,000 रुपये का डिस्काउंट और 8जीबी+256जीबी वेरिएंट पर 2,000 रुपये का डिस्काउंट पा सकते हैं। इस फोन में 2000 नीटस पीक ब्राइटनेस के साथ 6.7-इंच एफएचडी+ 120एचझेड अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। साथ ही यहां डिस्प्ले में रेन वाटर स्मार्ट टच टेक्नोलॉजी भी दी गई है। फोन में मीडियोटेक डायमेंसिटी 7050 प्रोसेसर मौजूद है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में ओआईएस के साथ 50 एमपी प्राइमरी कैमरा दिया गया है। ये फोन एंड्रॉयड 14 बेस्ड रियलमी यूआई 5.0 पर चलता है। इसकी बैटरी 5000 एमएएच की है और यहां 67वॉट सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। फोन को 19 मिनट में ही 50 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। बता दें कि रियलमी ने भारत में इस हफ्ते की शुरुआत में नार्जो 70 प्रो 5जी को लॉन्च किया था। लॉन्च वाले दिन यानी 19 मार्च को इस फोन को अर्ली बर्ड सेल में रखा गया था। फोन की बिक्री शाम 6 बजे से अमेजन और रियलमी की ऑफिशियल साइट से की गई थी।

किआ कंपनी की कारें हो जाएगी महंगी, 31 मार्च के बाद चुकाने होने ज्यादा पैसे

नई दिल्ली । किआ कंपनी की कारें महंगी होने जा रही है। किआ ने अपने सभी वाहनों के दाम 3प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी के मुताबिक नई कीमतें 1 अप्रैल 2024 से लागू होंगी। किआ इस साल में पहली बार कीमतें बढ़ाने जा रही है। अगर नई कीमतें लागू होती हैं तो किआ की सबसे ज्यादा बिकने वाली सेल्टोस एसयूवी की कीमत करीब 32,697 रुपये तक बढ़ सकती है। वहीं, सॉनेट की कीमत 23,970 रुपये और कैरेंस की कीमत में 31,347 रुपये का इजाफा हो सकता है।वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी के ऐलान के बाद किआ के आधिकारिक तौर पर बयान जारी किया है। किआ इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग के नेशनल हेड हरदीप सिंह बराड़ ने कहा, 'हम लगातार अपने ग्राहकों को प्रीमियम और टेक्नोलॉजिकली एडवांस प्रोडक्ट देने का प्रयास करते हैं।

बोइंग के सीईओ डेव कैलहौन देंगे पद से इस्तीफा, सुरक्षा संकट के बीच प्रबंधन में फेरबदल करेगी कंपनी

नई दिल्ली । बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेव कैलहौन अपने पद से इस्तीफा देंगे। कंपनी ने इसका ऐलान किया। कंपनी ने कहा कि वे हाल में हुई कई सुरक्षा घटनाओं में जांच का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा कारणों के चलते कंपनी ने प्रबंधन में बदलाव का निर्णय किया है। इसी बदलाव के क्रम में डेव कैलहौन इस साल के आखिरी तक अपना पद छोड़ देंगे। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि बोइंग कमर्शियल एयरप्लेन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेन डील भी रिटायर हो जाएंगे। उनकी जगह स्टेफनी पोप लेंगी। टेक कंपनी क्वालकॉम के पूर्व सीईओ स्टीव मोलेनकोफ को बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कैलहौन जो जनवरी 2020 में बोइंग के टॉप पद पर पहुंचे थे विमानों में हुई हालिया घटनाक्रमों से आहत हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी इन मामलों की जांच कर रहे नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डेव कैलहौन ने कहा कि एनटीएसबी एक सक्षम संस्था है और हम उनकी ओर से उठाए गए हर कदम और उनके निष्कर्षों पर भरोसा करते हैं। अलास्का एयरलाइंस में हुए हादसे के बाद अमेरिकी नियामक ने बोईंग के 171 737 मैक्स 9 विमानों को ग्राउंडेड कर दिया है।

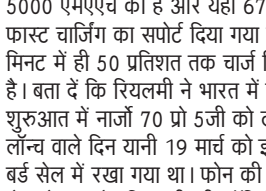

लंदन के विज्ञान संग्रहालय में खुली अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी, यहां देखने को मिलेंगी ये खास चीजें

लंदन,26 मार्च (एजेंसियां) ।

लंदन के विज्ञान संग्रहालय में अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी का शुभारंभ हुआ। यह गैलरी बताती है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में नवीकरणीय ऊर्जा किस तरह से मदद करती है। साथ ही यह बताया गया है कि भविष्य में हरित क्रांति एक निर्णायक चुनौती साबित हो सकती है।

तीन अनुभागों में बांटी गई है गैलरी - इस गैलरी में कई देशों की ऐतिहासिक वस्तुओं को डिजिटल माध्यम से आकर्षक बनाया गया है। यह गैलरी दिखाती है कि किस तरह नवाचार के माध्यम से भूत, वर्तमान और भविष्य को आकार दिया जा सकता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी को तीन अनुभागों में बांटा गया है। तीनों ही अनुभागों में यह बताने की कोशिश की गई है कि इस सदी की निर्णायक चुनौतियां क्या होंगी।

फ्यूचर प्लैनेट अनुभाग - यहां आने वाले लोग यह पता लगा सकते हैं कि वैज्ञानिक हमारे ग्रह को समझने के लिए किस तरह जटिल कंप्यूटर-आधारित मॉडल का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही इस अनुभाग में यह बताया गया है कि हमें जलवायु भविष्य के बारे में क्या क्या पता होना चाहिए।

फ्यूचर एनर्जी अनुभाग - इस अनुभाग में यह बताने की कोशिश की गई है कि ऊर्जा की आपूर्ति और उपयोग कैसे किया जाता है। इसे ऐतिहासिक कलाकृतियों की मदद से उजागर किया गया है।

हमारा भविष्य अनुभाग - इस अनुभाग में विज्ञान और तकनीकि की मदद एक नई दुनिया दिखाई गई है। इस नई दुनिया में में बच्चों के रचनात्मक विचारों को शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया अपनी भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को किस तरह से पूरा करेगी।

कार्बन मुक्त दुनिया के बारे में जानेंगे लोग - आपको बता दें कि अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी का कहना है कि यह कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है। हमारा उद्देश्य गैलरी के माध्यम से युवा दिमागों और वैज्ञानिकों को स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित कार्बन मुक्त दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करना है।

विज्ञान संग्रहालय ने क्या कहा - अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी को लंदन विज्ञान संग्रहालय ने आश्चर्यजनक बताया है। संग्रहालय के निदेशक सर इयान ब्लैचफोर्ड ने कहा कि यह गैलरी जिज्ञासा जगाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि विश्व को सतत रूप से ऊर्जा उत्पन्न करने और उपयोग करने की आवश्यकता है।

एसपी समूह ने गोपालपुर बंदरगाह को 3,350 करोड़ रुपये में बेचा, अदाणी समूह ने खरीदा

नई दिल्ली । शापूरजी पल्लोनजी समूह ने ओडशा के ब्राउनफील्ड गोपालपुर बंदरगाह को अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड को 3,350 करोड़ रुपये के मूल्य पर बेचने की घोषणा की है। बता दें कि 2017 में निर्माणाधीन गोपालपुर बंदरगाह को एसपी समूह ने अधिग्रहित किया था। मौजूदा समय में यह 20 एमटीपीए संभालने में सक्षम है। एसपी समूह ने बताया कि बंदरगाह ने हाल ही में ग्रीनफील्ड एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल स्थापित करने के लिए पेट्रोनेट एलएनजी के साथ अनुबंध किया है। शापूरजी पल्लोनजी समूह के प्रवक्ता ने कहा, महत्वपूर्ण उद्यम मूल्य पर गोपालपुर बंदरगाह और धरमतार बंदरगाह का नियोजित विनिवेश हमारे समूह की परिसंपत्तियों को बदलने और अपेक्षाकृत कम समय में हितधारक मूल्य बनाने की क्षमता को दर्शाता है। एसपी समूह अपने कर्ज को कम करने के लिए कई उपायों पर विचार कर रहा है। बता दें कि समूह पर करीब 20,000 करोड़ रुपये का कर्ज होने का संदेह है।

एशिया के अरबपतियों की सूची में मुंबई ने बीजिंग को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली,26 मार्च ।

चीन के बीजिंग को पछाड़कर मुंबई पहली बार एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। मुंबई में अब बीजिंग से ज्यादा अरबपति हैं। हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, मुंबई में बीजिंग में 91 के मुकाबले 92 अरबपति हैं। हालांकि, अगर चीन देश की बात करें तो भारत के 271 की तुलना में यहां 814 अरबपति हैं।

न्यूयॉर्क के बाद अरबपतियों के मामले में मुंबई अब वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है। अरबपतियों के मामले में न्यूयॉर्क पहले नंबर पर है। यहां सबसे अधिक 119 अरबपति रहते हैं। इसके बाद लंदन आता है, जहां 97 अरबपति हैं। इस मामले में मुंबई तीसरे स्थान पर है।

मुंबई में कितने नए अरबपति

मुंबई में 26 नए अरबपतियों के कारण यह चीन की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी, बीजिंग से आगे निकल गई है। जबकि बीजिंग में 18 अरबपतियों की कमी आई है।

कुल अरबपतियों की संपत्ति

मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति 445 अरब डॉलर है, जो पिछले साल से 47 फीसदी ज्यादा है। वहीं बीजिंग की कुल अरबपतियों की संपत्ति 265 अरब डॉलर है, जो 28 फीसदी कम हुई है।

शहर में हैं ये अरबपति

मुंबई के वेल्थ सेक्टर्स में एनर्जी और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जिसमें मुकेश अंबानी जैसे अरबपति का नाम शामिल है। रियल एस्टेट के खिलाड़ी मंगल प्रभात लोढ़ा (और परिवार) को सबसे ज्यादा वेल्थ मिली है। इन अरबपतियों की वैश्विक रैंकिंग में हुआ सुधार ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी संपत्ति में बढ़ोतरी के साथ 10वें स्थान पर रहे, जिसका श्रेय मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज को जाता है। इसी तरह, गौतम अदाणी की संपत्ति में बढ़ोतरी के बाद वह वैश्विक रैंकिंग पर आठ पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। एचसीएल के शिव नादर और उनके परिवार की संपत्ति और वैश्विक रैंकिंग दोनों बेहतर हुई है। वह 16 स्थान ऊपर 34 नंबर पर पहुंच गए हैं। कुछ की रैंकिंग में गिरावट ग्लोबल रिच लिस्ट में कुछ भारतीय अरबपतियों की वैश्विक रैंकिंग में हल्की गिरावट देखी गई है।

एसएंडपी ने बढ़ाया भारत के विकास दर का अनुमान इस साल कितनी तेजी से बढ़ सकती है अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत की जीडीपी दर तेज बने रहने की उम्मीद है। सकल घरेलू उत्पाद पर रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के आंकड़ों से सकारात्मक संदेश मिला है। एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया है। हालांकि, एजेंसी ने प्रतिबंधात्मक ब्याज दरों को आर्थिक विकास के लिए एक बाधा के रूप में चिह्नित किया।

कमजोर निर्यात जैसी अड़चनें दूर

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की तरफ से जारी बयान में कहा गया, चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर का अनुमान 7.6 प्रतिशत हो सकता है। एजेंसी ने कहा कि विकास की मजबूत घरेलू गति के कारण उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और कमजोर निर्यात जैसी अड़चनें दूर हुई हैं।

पहले यह जताया था अनुमान

इससे पहले, पिछले साल नवंबर में अमेरिका की इस एजेंसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। अगले साल विकास दर सबसे मजबूत होने के आसार एशिया प्रशांत क्षेत्र के देशों की जीपीडी पर एसएंडपी ने कहा, इस साल और अगले साल विकास दर सबसे मजबूत होने के आसार हैं। भारत में निजी उपभोक्ता खर्च की तुलना में निश्चित निवेश में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। ठोस घरेलू मांग के साथ उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारत के अलावा इंडोनेशिया, मलयेशिया और फिलीपींस में भी तेज विकास का अनुमान है। भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़े पैमाने पर घरेलू मांग-आधारित अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू खर्च करने की क्षमता पर उच्च ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के प्रभाव ने दूसरी छमाही में क्रमिक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को कम किया है।

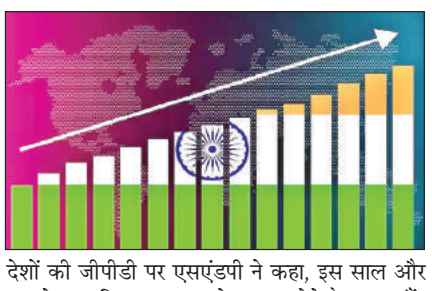

एक फोन कॉल पर नौकरी से निकाले गए कंपनी के 400 कर्मचारी, इस वजह से लिया गया फैसला

वॉशिंगटन,26 मार्च (एजेंसियां) ।

इटली और अमेरिका की वाहन निर्माता कंपनी स्टेलेंटिस ने अमेरिका में अपने इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी विभागों में काम कर रहे 400 से अधिक कर्मचारियों को हटा दिया।

इस वजह से लिया गया फैसला

एक रिपोर्ट के अनुसार कार निर्माता कंपनी ने एक नोटिस में कर्मचारियों से कहा है कि हम महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित करने जा रहे हैं, जिसमें विशेष भागीदारी की आवश्यकता होगी। रिमोट कॉल में शामिल होने वाले कर्मचारियों को बताया गया कि उन्हें मैकेनिकल इंजीनियर के रूप में नौकरी से निकाला जा रहा है। बता दें कि कि स्टेलेंटिस कंपनी भारत, मैक्सिको और ब्राजील में नौकरियों की आउटसोर्सिंग कर रही है। कंपनी का कहना है कि वह कम लागत वाले देशों में अपने व्यापार को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जो कंपनी के लिए लाभदायक हैं। आगे बताया गया है कि ऑटो उद्योग दुनिया भर में अभूतपूर्व अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है। स्टेलेंटिस का कहना है कि कर्मचारियों की दक्षता में सुधार लाने के लिए ऐसे निर्णय लिए जाते हैं।

कई कंपनियों में हुई है छंटनी

स्टेनलेंटिस ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है, जब अमेरिका में कई कंपनियों से लोग निकाले जा रहे हैं। कई कंपनियों ने कर्मचारियों को अचानक छंटनी की सूचना दी है। इससे पहले ट्विटर ने भी बड़े पैमाने पर लोगों की छंटनी की थी। ट्विटर के बाद गोल्डमैन सैक्स को भी आलोचना का सामना करना पड़ा। जनवरी 2024 में गूगल और एमेजॉन जैसी प्रमुख कंपनियों ने बड़े स्तर पर अपने कर्मचारियों को बाहर निकाला। अब स्टेनलेंटिस से भी कई कर्मचारियों की छंटनी की गई। कंपनी द्वारा 400 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाल गया है।

भारत बन रहा निवेश की पहली पसंद, दिवालिया कानून जैसे बदलावों का दिख रहा असर

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत को एक आकर्षक निवेश ठिकाना बताया है। अधिकारी ने कहा कि दिवालियापन कानून और कराधान संहिता जैसे नीतिगत बदलाओं और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से तैयार सक्षम वातारण से भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक बहुत ही बढ़िया निवेश स्थान बन गया है। डब्ल्यूईएफ में वित्तीय और मौद्रिक प्रणाली केंद्र के प्रमुख मैथ्यू ब्लैक ने कहा, भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है और निवेशकों ने यहां पैसा बनाया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र (जिसे फिनटेक भी कहा जाता है) उन कंपनियों से बना है जो वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करती हैं।

हालांकि, ब्लैक ने यह भी कहा कि चूंकि बाजार पूरी तरह से एक सीध में नहीं चलते हैं और उतार चढ़ाव की संभावना होती है, इसलिए निवेशकों को शिक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, इसलिए एक जानकार निवेशक, एक विविध निवेशक होने और ऐसा करने के लिए शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच रखने का विचार वास्तव में मौलिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) है।

भारत छोटे, महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष देशों के लिए प्रकाशस्तंभ

डब्ल्यूईएफ के मंच सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (सी4आईआर) की कार्यसमिति के सदस्य सेबस्टियन बकुप ने कहा कि भारत में अंतरिक्ष को लेकर उत्साह दुनियाभर से प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहा है और उन्हें व्यवसाय शुरू करने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित कर रहा है। सी4आईआर ने पिछले सप्ताह भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कार्यक्रम शुरू किया। इसका मकसद अंतरिक्ष में रुचि रखने वाले विभिन्न देशों के बीच वैश्विक सहयोग बनाया जा सके, क्योंकि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में कुछ करने की इच्छा रखने वाले छोटे और महत्वाकांक्षी देशों के लिए भारत को एक आदर्श, एक प्रकाशस्तंभ के रूप में देखा जाता है।

दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल हुए डोनाल्ड ट्रंप, इतने अरब डॉलर पहुंची कुल संपत्ति

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। ट्रंप की कुल संपत्ति में चार अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही ट्रंप ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स पर 500 सबसे अमीर लोगों की श्रेणी में शामिल हो गए। बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट संपतियां डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष एरिक ट्रंप ने कहा है कि हमारे पास एक बड़ी कंपनी है और हम अविश्वसनीय रूप से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 77 साल के ट्रंप की संपत्ति पहले 3.1 बिलियन के शिखर पर थी। इसमें बड़े पैमाने पर रियल एस्टेट संपतियां शामिल हैं। इनकी बराबरी पर पहुंचे ट्रंप ब्लूमबर्ग द्वारा साल 2015 से ट्रम्प की कुल संपत्ति का आंकलन किया जा रहा है। हालिया रिपोर्ट में ट्रंप की संपत्ति जो रिकेट्स, गॉर्डन गेटी और टोनी जेम्स के बराबर हो गई है। यह आंकड़ा राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों की प्रमुख रियल एस्टेट होल्डिंग्स से जुड़ी सार्वजनिक फाइलिंग और स्टाफ रिपोर्टिंग पर आधारित है। मुश्किल में पड़ने वाले थे ट्रंप डोनाल्ड ट्रम्प का व्यापारिक साम्राज्य खतरे में पड़ने वाला था। इसके बजाय, यह दिन उनके लिए सबसे बड़ा दिन बन गया। दरअसल एक घोखाधड़ी के मुकदमे में ट्रंप को 500 मिलियन डॉलर से अधिक का बॉन्ड भरना था। इसके बाद उनकी अपील पर कोर्ट ने इस राशि को 175 मिलियन डॉलर कर दिया था। ठीक उसी समय उनकी सोशल मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप ने डिजिटल वर्ल्ड एक्विजिशन कॉर्प के साथ 29 महीने से लंबित विलय प्रक्रिया को पूरा कर लिया। इसका फायदा यह हुआ कि अरबों डॉलर के शेयर अब आधिकारिक तौर पर ट्रम्प के हैं। उनकी संपत्ति में कुल मिलाकर चार बिलियन डॉलर से ज्यादा वृद्धि हो गई। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में शामिल गए।

56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप में होगी 73 टीमों की टक्कर

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

खो खो को लेकर उम्मीद और उत्साह बढ़ने वाला है, क्योंकि 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के लिए 73 टीमें तैयार हैं।

देश भर के 37 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और इकाइयों के 1,332 खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधकों सहित 73 टीमों की रिकॉर्ड-तोड़ भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम एक शानदार और रोमांचक टूर्नामेंट होने का वादा करता है।

भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) के अंतर्गत आने वाली दिल्ली खो खो एसोसिएशन (केकेएडी) द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप 27 मार्च को शुरू होने वाली है।

देश के हर कोने से टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए जुटेंगी, जिससे उत्साह और रोमांचक प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा।

निष्पक्ष खेल और मैचों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए, चैंपियनशिप में 100 तकनीकी अधिकारियों की सेवाएं ली जाएंगी।

इसके अतिरिक्त, केकेएफआई के 50 पदाधिकारियों, दिल्ली के खो खो एसोसिएशन के 100 अधिकारियों और 200 अधिकारी की एक समर्पित टीम सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करेगी।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, हम देश भर से इतनी जबरदस्त भागीदारी के साथ 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप की मेजबानी करके रोमांचित हैं।

खो खो सिर्फ एक खेल नहीं है; यह भारत के लोगों के लिए एक भावना है। यह एक सांस्कृतिक घटना है जो लोगों को एक साथ लाती है। हमें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने और खो खो की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करने पर गर्व है।

कड़ी प्रतिस्पर्धा के अलावा, चैंपियनशिप अल्टीमेट खो खो फ्रेंचाइजी के लिए महत्व रखती है, क्योंकि इस आयोजन के दौरान पहचाने गए प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को इस साल अल्टीमेट खो खो लीग के आगामी तीसरे सत्र से पहले उनकी टीमों के ड्राफ्ट में जगह मिल सकती है।

इसके अलावा, केकेएफआई का इरादा सितंबर 2024 में इंग्लैंड में खो खो विश्व कप की मेजबानी करने का है, जिसमें 5 महाद्वीपों की दोनों श्रेणियों में 12 टीमों की भागीदारी होगी, जिसका लक्ष्य आने वाले वर्षों में एशियाई खेलों और ओलंपिक में इस खेल को शामिल करना सुनिश्चित करना है।

चैंपियनशिप रणनीति और टीम वर्क का प्रदर्शन करने का वादा करती है, जिसमें खिलाड़ी मैदान पर अपनी चपलता और सामरिक कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

प्रसार भारती, इस चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक प्रसारण भागीदार होने के नाते, डीडी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के सभी क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैचों का लाइव टेलीकास्ट करेगी।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगी मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद, शाम 7.30 बजे शुरू होगा मुकाबला

हैदराबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। ये दोनो ही टीमें अपना पहला मुकाबला हारी हैं, ऐसे में इन दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में जीत से शुरुआत करना रहेगा। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में उतरी पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस को अपने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिससे टीम को झटका लगा है। टीम ये मैच जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी थी। इस मैच में केवल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह , डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा ही बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। इस मैच में मुंबई के खिलाड़ी जिस प्रकार दबाव में ढ़हे उससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ी हैं। पहली बार मुंबई की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या इस मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आये पर असफल रहे। उन्हें इस पर अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा क्योंकि पिछले साल गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने ऊपरी क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया था। सलामी बल्लेबाज इशान किशन केवल चार गेंद का सामना कर पाए थे और अब टीम को उनसे अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए इशान का लक्ष्य इस मैच में बेहतर बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर लय हासिल करने के साथ ही भारतीय टीम में वापसी का प्रयास करना रहेगा। मुंबई को स्पिनर शम्स मुलानी और पीयूष चावला से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेंगी। वहीं दूसरी ओर पैट कमिंस की कप्तानी में उतरी सनराइजर्स की बात है तो उसका हाल भी मुम्बई की तरह ही रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में हेनरिक क्लासेन की शानदार पारी से एक समय टीम जीत के करीब पहुंच गयी पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे जिससे टीम हार गयी। मयंक अग्रवाल और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी थी पर वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये। सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज अब्दुल समद को भी अब अपने को साबित करना होगा। वहीं पहले मैच में गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी शुरुआत की थी पर बाद में वह अपनी निरंतरता नहीं रख पाये। इस कारण अब उनका भी प्रयास अपनी लाइन व लैंथ बनाये रखना रहेगा। कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में दोनो ही टीमें दबाव में रहेंगी जिससे भी इस मैच रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार हैं : सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, मार्को जानसन, भुवनेश्वर कुमार, मयंक मार्कंडे, टी नटराजन, अभिषेक शर्मा। मुंबई इंडियंस : हार्दिक पांड्या (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन धीर, तिलक वर्मा, टिम डेविड, शम्स मुलानी, गेराल्ड कोएत्ज़ी, पीयूष चावला, जसप्रीत बुमराह, ल्यूक वुड, डेवाल्ड ब्रेविस।

26 मई को चेन्नई में खेला जाएगा आईपीएल फाइनल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के पूरे सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीसीसीआई ने शुरुआत में पहले चरण के मैचों का ही कार्यक्रम जारी किया था पर आम चुनावों की तारीखें सामने आने के बाद उसने अब सभी मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार दूसरा क्वालीफायर 24 मई को चेन्नई में होगा। वहीं 26 मई को चेन्नई के ही चेपॉक स्टेडियम में खिताबी मुकाबला होगा। सीएसके ने पिछली बार खिताब जीता था इसी लिए परंपरा के आधार पर चेन्नई को फाइनल की मेजबानी मिली है। परंपरा के अनुसार पिछले चैम्पियन को पहले और अंतिम मैच की मेजबानी का मौका मिलता है। इसलिए पहला मैच भी चेन्नई में ही हुआ था। . आईपीएल के इस सत्र की शुरूआत 22 मार्च से हुई थी पर तब पहले दो सप्ताह का ही कार्यक्रम जारी किया गया था। वहीं दो अन्य प्लेआफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 21 और 22 मई को खेले जायेंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा ,'' आगामी लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम को देखते हुए बाकी का कार्यक्रम तैयार किया गया है। पहला क्वालीफायर 21 मई को और एलिमिनेटर 22 मई को अहमदाबाद में खेला जायेगा। वहीं दूसरा क्वालीफायर और फाइनल चेन्नई में खेला जाएगा। फाइनल 26 मई को चेन्नई में होगा।'' चेपॉक पर आईपीएल फाइनल होगा क्योंकि वहां लोकसभा चुनाव के लिये मतदान 19 अप्रैल को ही पूरा हो जायेगा। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के पांच मैच 20, 24, 27 अप्रैल, सात और 14 मई को दिल्ली में होंगे। दिल्ली में मतदान 25 मई को है। पंजाब किंग्स के दो मैच पांच और नौ मई को सीएसके और आरसीबी के खिलाफ धर्मशाला में खेले जायेंगे जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में 15 मई को पंजाब किंग्स और 19 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करेगी।

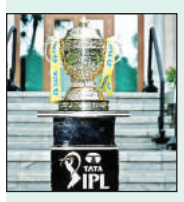

शिवम दुबे और रचिन का धूम धड़ाका, गेंद से भी दमदार प्रदर्शन, गुजरात को मिली सबसे बड़ी हार

चेन्नई, 26 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2024 में घरेलू टीमों की जीत का सिलसिला जारी है। चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने होम ग्राउंड पर गुजरात टाइटंस को 63 रन से हरा दिया। सीएसके सीजन में दो मैच जीतने वाली पहली टीम है। टॉस हारने के बाद रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके ने तूफानी बैटिंग करते हुए 6 विकेट पर 206 रन बना दिए। जवाब में गुजरात टाइटंस ने लगातार विकेट खोए। उनका कोई बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाया और टीम 143 रन ही बना सकी। यह आईपीएल में गुजरात की रनों के मामले में सबसे बड़ी हार भी है।

चेन्नई सुपर किंग्स को रचिन रविंद्र ने तेज शुरुआत दी। रचिन ने पावरपले का पूरा इस्तेमाल करते हुए 20 गेंद में छह चौके और तीन छक्के से 46 रन बनाये। उन्होंने और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने पहले विकेट के लिए 32 गेंद में 62 रन की साझेदारी कर शानदार शुरुआत करायी। फिर दुबे ने 23 गेंद में 51 रन जड़ दिए। उन्होंने अपनी पारी में 5 छक्के मारे। इसके बाद 8.40 करोड़ रुपये में खरीदे गये समीर रिजवी ने आते ही कमाल कर दिया और छह गेंद में दो छक्के से 14 रन बनाकर अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने ये दोनों छक्के राशिद खान पर जड़े।

सीएसके प्रशंसकों में लोकप्रिय बन चुके रचिन ने अपने स्ट्रोक्स से सभी का भरपूर मनोरंजन किया। हालांकि वह फिर अपने अर्धशतक से चूक गये। गुजरात टाइटन्स के महत्वपूर्ण गेंदबाज राशिद खान ने सीएसके को पहला झटका विकेटकीपर रिद्धिमान साहा की मदद से दिया। रचिन बड़ा शॉट लगाने के प्रयास कर रहे थे और साहा ने उन्हें स्टंप आउट कर दिया। साहा ने फिर साई किशोर की गेंद पर अजिंक्य रहाणे को भी स्टंप आउट किया।

रुतुराज रचिन जितनी तेजी से रन नहीं जुटा रहे थे लेकिन उन्होंने भी अपनी पारी के दौरान पांच चौके और एक छक्के से 46 रन बनाये। वह साहा का तीसरा शिकार बने जब वह स्पेंसर जॉनसन की गेंद को पुल करने की कोशिश कर रहे थे। दुबे की पारी शानदार रही जिसमें उन्होंने साई किशोर पर आते ही दो गगनदायी छक्के जड़े और जॉनसन की गेंद पर भी छक्का जमाया। दुबे ने 20 गेंद पर 24 रन बनाने वाले डैरेल मिचेल के साथ चौथे विकेट के लिए 5.5 ओवर में 57 रन की साझेदारी निभाई।

गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य के सामने एक बार भी मैच में नहीं दिखा दी। रिद्धिमान साहा ने कुछ बाउंड्री मारे लेकिन शुभमन गिल सिर्फ 8 रन बनाकर तीसरे ओवर में दीपक चाहर का शिकार हो गए। फिर साहा भी 17 गेंद पर 21 रन बनाकर चलते बने। उनका विकेट भी साहा को मिला। विजय शंकर के बल्ले से भी 12 गेंदों पर 12 रन ही निकले।

साई सुदर्शन ने एक छोर संभालकर रखा लेकिन खुलकर नहीं खेल पाए।

डेविड मिलर 16 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए तो टीम का स्कोर 12वें ओवर में 96 रन था। उनका विकेट गिरने के बाद रनों का सिलसिला जैसे थम गया। अजमतुल्लाह और सुदर्शन ने 18 गेंदों पर 18 रन ही जोड़े। चार गेंद के भीतर दोनों आउट हो गए। सुदर्शन ने 31 गेंद पर 37 जबकि अजमतुल्लाह ने 10 गेंदों पर 11 रन बनाए। राहुल तेवतिया ने तो 6 रन बनाने के लिए 11 गेंदों का सामना किया। अंत में गुजरात की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। चेन्नई के लिए दीपक चाहर, तुषारदेश पांडे और मुस्तफिजुर रहमान ने 2-2 विकेट लिए।

सेमीफाइनल में मिली हार के साथ किदांबी श्रीकांत का सफर समाप्त, लिन चुन-यी ने हराया

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

किदांबी श्रीकांत की स्विस ओपन 2024 यात्रा का दुर्भाग्यपूर्ण अंत हो गया क्योंकि भारत के शीर्ष शटलर को सेंट जैकबशाले मैदान में पुरुष एकल सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत एक घंटे और पांच मिनट तक चले अंतिम चार मैच में दुनिया के 22वें नंबर के चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के खिलाफ 21-15, 9-21, 18-21 से हार गए। नवंबर 2022 के बाद से यह श्रीकांत की पहली सेमीफाइनल उपस्थिति थी।

सेमीफाइनल मैच में चूके श्रीकांत

पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपने आक्रामक स्मैश और बेहतरीन नेट प्ले की बदौलत शुरुआती गेम 21-15 से जीत लिया। हालांकि, दूसरे गेम में 31 वर्षीय श्रीकांत को अपने प्रतिद्वंद्वी से आगे रहने के लिए संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में श्रीकांत की 4-1 की बढ़त के बावजूद चुन-यी ने तेजी से स्कोर 6-5 कर दिया।

स्विस ओपन में बचे एकमात्र भारतीय शटलर थे श्रीकांत

जब स्कोर 7-10 था, तो चीनी ताइपे के शटलर ने लगातार सात अंक जीत लिए, जिससे गेम श्रीकांत की पहुंच से बाहर हो गया। निर्णायक गेम में चुन-यी ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए 4-1 की बढ़त ले ली। हालांकि, आधे समय तक श्रीकांत को 11-10 की मामूली बढ़त हासिल थी। दोनों के बीच अंत तक कांटे की टक्कर देखने को मिली, जब चुन-यी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 16-16 कर दिया। श्रीकांत ने कुछ अप्रत्याशित गलतियां भी कीं, जिससे उनके प्रतिद्वंद्वी को खेल पर नियंत्रण हासिल करने और मुकाबला जीतने में मदद मिली। श्रीकांत स्विस ओपन में बचे एकमात्र भारतीय शटलर थे। प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए, जबकि ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी आगे बढ़ने में असफल रहे।

आगामी पेरिस ओलंपिक में सात्विक-चिराग और सिंधु से भारत को रहेगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत को बैडमिंटन में पदक मिलने की उम्मीदे हैं। युगल में जहां सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी। वहीं महिला एकल में पी वी सिंधु पदक की प्रबल दावेदार हैं। चोट के बाद वापसी करते हुए सिंधु ने भारतीय महिला टीम को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जिताया था। वहीं सात्विक और चिराग का सफर भी बेहतरीन रहा है। इस जोड़ी ने 2023 चीन ओपन और मलेशिया ओपन सुपर 1000 तथा इंडिया ओपन सुपर 750 में लगातार खिताब जीते थे। जिससे वह इस सत्र में दुनिया की नंबर एक युगल जोड़ी बन गये ।सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी अभी विश्व में नंबर एक जोड़ी है। ऐसे में वह पदक जीतने की प्रबल दावेदार होगी। वहीं दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु भी लय में आ रही हैं और वह फिर से पेरिस में पदक दिला सकती हैं। भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद भी काफी उत्साहित हैं। उनका कहन है कि भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक में अधिक से अधिक पदक जीत सकती है।

कसुन रजित ने मारा पंजा, बांग्लादेश ने अपने घर में किया सरेंडर, श्रीलंका ने विशाल अंतर से जीता पहला टेस्ट

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

कसुन रजित (5 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 328 रन के विशाल अंतर से मात दी। श्रीलंका ने इस जीत के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बांग्लादेश ने सिलहट में खेले गए मुकाबले में चौथे दिन अपनी पारी 47/5 के स्कोर से आगे बढ़ाई। मोनिमुल हक (87*) क्रीज पर अंत तक डटे रहे, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें मजबूत साथ नहीं मिला। ताईजुल इस्लाम (6) दिन में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे, जिन्हें रजित ने एलबीडब्ल्यू आउट किया।

रजित ने बांग्लादेश को समेटा

यहां से मोनिमुल हक ने मेहदी हसन मिराज (33) के साथ सातवें विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी करके बांग्लादेश को 100 रन के पार लगाया। कसुन रजित ने मिराज को डी सिल्वा के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। फिर शरीफुल इस्लाम (12) के साथ हक ने आठवें विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी की। कसुन रजित ने फिर इस्लाम का कैच अपनी ही गेंद पर पकड़ा और बांग्लादेश को हार के करीब धकेल दिया। अगली ही गेंद पर रजित ने खालीद अहमद को मेंडिस के हाथों कैच आउट कराकर अपना पांचवां शिकार पूरा किया। फिर लाहिरू कुमार ने नाहिद राणा को सिल्वा के हाथों बांग्लादेश की पारी समेट दी।

श्रीलंका को मिली बढ़त

मोनिमुल हक 148 गेंदों में 12 चौके और एक छक्के की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद रहे। हक अपना शतक पूरा करने से चूक गए। श्रीलंका की तरफ से कसुन रजित ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो ने तीन विकेट लिए। लाहिरू कुमार के खाते में दो विकेट आए। याद दिला दें कि श्रीलंका ने सिलहट में पहली पारी में 280 रन बनाए, जिसके जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 188 रन पर ऑलआउट हुई। ऐसे में श्रीलंका को पहली पारी के आधार पर 92 रन की बढ़त मिली। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 418 रन बनाए और बांग्लादेश के सामने जीतने के लिए 511 रन का विशाल लक्ष्य रखा। बांग्लादेश की दूसरी पारी 182 रन पर सिमटी।

श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा (102 और 108) को दोनों पारियों में शानदार शतक जमाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट 30 मार्च से चट्टोग्राम में खेला जाएगा।

पर्थ टेस्ट से शुरू होगा भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा

पहला टेस्ट 22 नवंबर से, 7 जनवरी तक चलेगी सीरीज, आखिरी मैच सिडनी में

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया इस साल नवंबर में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मैच 3 जनवरी से सिडनी में शुरू होगा।

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 साल से कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी। टीम ने कंगारुओं को उन्हीं के घर में 2 बार और अपने घर में भी 2 बार हराया है। हर बार जीत का अंतर 2-1 से भारत के पक्ष में रहा।

गाबा में इस बार होगा तीसरा टेस्ट

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024-25 सीजन का शेड्यूल जारी किया। 22 नवंबर को पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इसके बाद 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा। फिर ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट और मेलबर्न में 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट होगा। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2025 से सिडनी में खेला जाएगा। भारत के अलावा पाकिस्तान टीम भी 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में भारत की आखिरी अवे सीरीज

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के एक सीजन में हर टीम को 2 साल के टाइम पीरियड में 6 सीरीज खेलनी होती हैं, तीन अपने घर में और तीन घर के बाहर। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही आखिरी अवे (घर से बाहर) सीरीज खेलेगी। भारत ने विदेश में साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज का दौरा किया। साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज भारत ने 1-0 से जीती। भारत को अब घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। घर में पिछली 17 सीरीज जीत चुकी टीम इंडिया इन सीरीज को जीतने की भी प्रबल दावेदार है। टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की एकमात्र होम सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से जीती।

भारत ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 9 में से 6 मैच जीते

टीम इंडिया अब तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 3 में से 2 सीरीज जीत चुकी है। टीम ने अब तक कुल 9 मुकाबले खेले, 6 में जीत मिली और महज 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। टीम इंडिया के 3 सीरीज से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में 68.51 प्रतिशत पॉइंट्स हो गए, टीम पहले नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया डिफेंडिंग चैंपियन, न्यूजीलैंड ने जीता पहला खिताब टीम इंडिया ने अब तक दोनों वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाई लेकिन दोनों बार टीम को हार का सामना करना पड़ा। 2021 में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से फाइनल जीता। जबकि 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने 209 रन से फाइनल जीता। अब जून 2025 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हो सकता है। क्योंकि दोनों टीमें पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पोजिशन पर है।

क्या है वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का एक टूर्नामेंट है। इसकी शुरुआत साल 2019 में हुई। चैंपियनशिप में टेस्ट खेलने वाली 9 टीमें हिस्सा लेती हैं। सभी टीमों की निर्धारित सीरीज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें फाइनल में पहुंचती हैं।

मॉस्को में हमले से पहले आतंकियों ने की थी तुर्किये की यात्रा

मॉस्को, 26 मार्च (एजेंसियां) ।

रूस की राजधानी मॉस्को में एक बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था। यहां चार आतंकियों ने एक कॉन्सर्ट हॉल में घुसकर ताबड़तोड़ गोलीबारी बरसाई थीं, जिसमें कम से कम 143 लोगों की मौत हो गई, जबकि 150 से ज्यादा घायल हैं। अब इस घटना को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में तुर्किये के सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से एक चौंकाने वाला दावा किया है। बताया गया कि मॉस्को में हमला करने से पहले सभी बंदूकधारी तुर्किये गए थे।

तुर्किये के सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बंदूकधारी अपने रूसी निवास परमिट को रिन्यू कराने उसी सप्ताह कुछ समय के लिए तुर्किये गए थे। हालांकि, इन आतंकियों ने वहां कोई हंगामा नहीं किया था।

कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं था – तुर्किये के सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि हमलावरों के खिलाफ उस समय कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं था, इसलिए उन्हें तुर्किये और रूस के बीच यात्रा करने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा, यह भी पता चला कि हमलावर कई समय से मॉस्को में रह रहे थे। दो हमलावर दो मार्च 2024 को तुर्किये से रवाना होकर मॉस्को गए। बाद में पता चला कि मॉस्को में इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने हमला किया, जिसमें 143 से अधिक की मौत और दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

चार बंदूकधारी गिरफ्तार – इस घटना के बाद मॉस्को में हाई अलर्ट जारी करते हुए रूस की सुरक्षा एजेंसी और पुलिस ने मिलकर अभियान चलाया। अब तक इस घटना पर 11 संदिग्ध गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से चार वह बंदूकधारी हैं, जो हमले में सीधे तौर पर शामिल रहे। अधिकारियों के मुताबिक, इन लोगों को पुलिस ने कार से पीछा करने के बाद दबोचा।

पुतिन यूक्रेन को ठहरा रहा जिम्मेदार – वहीं एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में हुए हमले में इस्लामिक स्टेट को जिम्मेदार ठहराने से मना कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने दावा किया है कि हमलावरों का यूक्रेन से संबंध हैं। उनका कहना है कि हमलावरों ने यूक्रेन भागने की कोशिश क्यों की। जबकि हमलावरों के यूक्रेन भागने के दावे को कीव पहले ही खारिज कर चुका है। हालांकि, दिए बयान में पुतिन ने माना कि कट्टरपंथी इस्लामवादी ने इस हमले को अंजाम दिया है, लेकिन उनके यूक्रेन से संबंध थे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने साइबर जासूसी को लेकर उठाया सख्त कदम, इन चीनी कंपनियों पर लगाये प्रतिबंध

वाशिंगटन । अमेरिका ने चीनी सरकार पर एक व्यापक साइबर जासूसी अभियान चलाने का आरोप लगाया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चीन की साइबर जासूसी से वैश्विक स्तर पर लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इसने अमेरिकी अधिकारियों, राजनेताओं और कई अन्य लोगों को निशाना बनाया है। इस कारण चीनी कंपनी एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट 31 (एपीटी 31) पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक यूएस सरकार पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) से जुड़े इस एपीटी 31 के खिलाफ कई कार्रवाई कर रही है। इसके जाल में अब तक अमेरिकी अधिकारियों, राजनेताओं सहित कई लोग फंस चुके हैं। साथ ही विभिन्न अमेरिकी आर्थिक और रक्षा संस्थाओं और अधिकारियों, विदेशी लोकतंत्र कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों को भी निशाना बना चुका है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सात पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) हैकरों के खिलाफ आपराधिक आरोपों की घोषणा की है। इसके तहत कई लोगों और संगठनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने इन चीनी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध विभाग ने बताया कि उन्होंने दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों में उनकी भूमिका के लिए झाओ, नी और वुहान जियाओरुइज़ी साइंस एंड टेक्नोलॉजी कंपनी, लिमिटेड (वुहान एक्सआरजेड) पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इसके अलावा, अमेरिकी न्याय विभाग ने समूह और प्रतिवादियों के बारे में जानकारी प्रदान करने वालों के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का इनाम भी दिया। विदेश विभाग ने आगे बताया, अमेरिकी विदेश विभाग का रिवार्ड्स फॉर जस्टिस कार्यक्रम (आरएफजे) समूह और प्रतिवादियों के बारे में जानकारी के लिए 10 मिलियन डॉलर तक का इनाम दे रहा है। बता दें कि आरएफजे कार्यक्रम ऐसे किसी भी व्यक्ति के बारे में जानकारी मांगता है, जो किसी विदेशी सरकार के निर्देश पर या उसके नियंत्रण में कार्य करते हुए, कंप्यूटर धोखाधड़ी और दुरुपयोग अधिनियम (सीएफएए) का उल्लंघन करते हुए कुछ दुर्भावनापूर्ण साइबर गतिविधियों में संलग्न होता है। इन पीआरसी राज्य-प्रायोजित अभिनेताओं की ऐसी गतिविधियों ने अमेरिकी रक्षा और सरकारी क्षेत्रों और अमेरिकी व्यवसायों की बौद्धिक संपदा और व्यापार रहस्यों को लक्षित किया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, इसके अतिरिक्त, अमेरिका इन और अन्य राज्य-प्रायोजित साइबर अभिनेताओं की खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों को बाधित करना जारी रखेगा।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ चलेगा आपराधिक मुकदमा, जज ने सुनवाई की तारीख 15 अप्रैल तय की

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप के खिलाफ मामले में ट्रायल की तारीख तय हो गई है। न्यूयॉर्क के एक जज ने मामले में सुनवाई की तारीख 15 अप्रैल निर्धारित की है। ट्रंप के खिलाफ यह पहला आपराधिक मुकदमा होगा। सुनवाई के दौरान ट्रंप ने न्यायाधीश से मुकदमे को स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि, न्यायाधीश जुआन मर्चन ने ट्रंप के सभी अनुरोधों को खारिज कर दिया और 15 अप्रैल से ट्रायल शुरू करने का आदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के खिलाफ मुकदमा ही शुरू होने वाला था, लेकिन अंतिम समय में मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग का कार्यालय ट्रायल में देरी के लिए राजी हो गया। इससे पहले, इस मामले में न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने 100,000 से अधिक पन्नों के रिकॉर्ड को खारिज कर दिया था। इसके बाद मामले में शामिल पक्षों ने आरोप लगाया कि दस्तावेज पहले सामने क्यों नहीं लाए गए। सुनवाई शुरू करने के बजाय दोनों पक्षों ने दस्तावेज विवाद को सुलझाने के लिए बैठक बुलाई। ट्रंप अपने लगभग आधा दर्जन वकीलों के साथ सुनवाई में शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान ट्रंप अधिकांश समय चुपचाप बैठे रहे और जज की तरफ देखते रहे। सुनवाई के बाद ट्रंप ने आरोप लगाया कि ब्रैग का मामला उन्हें नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले को साढ़े तीन साल पहले लाया जा सकता था। अब वे कई दिनों से चुनाव प्रचार कर रहे हैं, इसलिए विरोधी उन्हें चुनाव के दौरान रोकने की कोशिश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव में हस्तक्षेप है। जानें क्या है मामला पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले अपने साथ कथित संबंध के बारे में चुप रहने के लिए एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को 130,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने का आरोप लगा है। ट्रंप ने अपने तत्कालीन प्रबंधक माइकल कोहेन के जरिये इस रकम का भुगतान किया था।

अपने लड़ाकू विमान बेचने को तैयार हुआ जापान शांतिवादी सिद्धांत छोड़कर पहली बार लिया बड़ा फैसला

टोक्यो, 26 मार्च (एजेंसियां) ।

जापान द्वारा एक बड़ा फैसला लिया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब जापान ने अपने शांतिवादी सिद्धांतों को छोड़कर लड़ाकू विमान बेचने का फैसला लिया है। जापान अपने लड़ाकू विमानों को ब्रिटेन और इटली के साथ अन्य देशों में विकसित कर रहा है। इस फैसले के बाद जापान संयुक्त लड़ाकू जेट परियोजना में अपनी भूमिका को सुनिश्चित करेगा।

पहली बार लिया बड़ा फैसला

जापान की कैबिनेट ने हथियार उपकरण के दिशानिर्देशों में संशोधन का भी समर्थन किया। इससे लड़ाकू विमान समेत घातक हथियारों को अन्य देशों को बेचने की अनुमति मिल सकेगी। बता दें कि इससे पहले जापान में शांतिवादी संविधान के तहत हथियारों के निर्यात को प्रतिबंधित किया गया था। अब चीन से बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच उसने यह कदम उठाए हैं।

नए लड़ाकू विमान तैयार कर रहा है जापान

इस समय जापान अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए एफ-2 लड़ाकू विमानों और ब्रिटेन द्वारा उपयोग किए जाने वाले यूरोफाइटर टाइफून को बदलने के लिए नई तकनीकि के लड़ाकू विमानों को तैयार कर रहा है। इस काम में इटली और ब्रिटेन जापान का सहयोग कर रहे हैं। इस कार्य योजना को ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम नाम दिया गया है, जिसका मुख्यालय ब्रिटेन में है। इससे पहले जापान एफ-एक्स नाम के एक घरेलू डिज़ाइन पर काम कर रहा था। जापान को उम्मीद है कि उसके द्वारा तैयार किया गया नया विमान रूस और चीन के खिलाफ बढ़ते तनाव के बीच उन्नत हथियार साबित होगा।

संविधान में किया गया यह संशोधन

जापान की कैबिनेट ने हथियारों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दिशानिर्देशों में भी संशोधन का समर्थन किया है। इससे घातक हथियारों को अन्य देशों को बेचने की अनुमति मिल सकेगी। जापान ने शांतिवादी संविधान के तहत लंबे समय से हथियारों के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन चीन से बढ़ते क्षेत्रीय और वैश्विक तनाव के बीच देश ने तेजी से कदम उठाए

हैं। जेट विमानों को बेचने के निर्णय से जापान को पहली बार अपने द्वारा उत्पादित घातक हथियारों को अन्य देशों में निर्यात करने की अनुमति मिलेगी।

दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध में हुई तबाही की वजह से जापान ने एक संविधान बनाया था। इस संविधान के तहत जापान ने सैन्य उपकरणों और घातक हथियारों के सभी निर्यातों पर प्रतिबंध लगा दिया था। अब जब जापान ने इस संविधान में संशोधन किया तो विरोधियों ने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा सरकार की आलोचना की है। इसके बाद सरकार ने यह आश्वासन दिया कि संशोधित दिशानिर्देश फिलहाल केवल लड़ाकू विमानों पर लागू होते हैं। संभावित खरीदार भी उन 15 देशों के होंगे जिनके साथ जापान ने रक्षा साझेदारी सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। इस बदलाव ने जापान के लिए अमेरिका द्वारा डिजाइन की गई पैट्रियट मिसाइलों को अमेरिका को बेचने का रास्ता साफ कर दिया है।

बाल्टीमोर में हादसा! मालवाहक जहाज के टकराने से ढहा पुल, नदी में गिरीं गाड़ियां; कई लोगों की मौत की आशंका

बाल्टीमोर । अमेरिका के बाहरी बाल्टीमोर हार्बर क्षेत्र में एक हादसा हो गया। दरअसल यहां एक मालवाहक जहाज बाल्टीमोर हार्बर को पार करने वाले पुल से टकरा गया। इस हादसे के बाद पुल ढह गया और घटना में कई लोगों की मौत की आशंका है। बाल्टीमोर तटरक्षक बल के अधिकारी मैथ्यू वेस्ट ने कहा कि पुल के आंशिक ढहने की सूचना मिली थी। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग ने भी पुल के ढहने की पुष्टि की। इसके बाद मैरीलैंड परिवहन प्राधिकरण ने पुल पर आवाजाही रोक दी है। 20 लोग और कई वाहन नदी में समाए तटरक्षक बल, अग्निशमन विभाग समेत कई एजेंसियों का कहना है कि हादसे में कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। यह भी बताया जा रहा है कि पुल ढहने के बाद कई कारें और लोग पानी समा गए। कई लोगों के लापता होने की भी खबर है। कुल मिलाकर यह हादसा एक बड़ी क्षति की ओर इशारा कर रहा है। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग के निदेशक केविन कार्टराईट ने इस बात की पुष्टि की है कि 20 लोग और कई वाहन नदी में समा गए। बाल्टीमोर से कोलंबो के लिए रवाना हुआ था जहाज तटरक्षक बल के अधिकारी ने बताया कि जहाज पर सिंगापुर का झंडा लगा था। मालवाहक जहाज का नाम डाली है और वह 948 फीट लंबा है। यह जहाज बाल्टीमोर से कोलंबो श्रीलंका के लिए रवाना हुआ था।

सिंगापुर के बाद फिलीपींस पहुंचे जयशंकर, राष्ट्रपति बॉन्गबॉन्ग मार्कोस से की मुलाकात

मनीला, 26 मार्च (एजेंसियां) ।

सिंगापुर दौरा खत्म करने के बाद केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर फिलीपींस पहुंचे हैं। फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिके मनालो के साथ मिलकर जयशंकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भारत अपनी राष्ट्रीय संप्रभुत्ता को बनाए रखने के लिए फिलीपींस का समर्थन करता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद जयशंकर ने फिलीपींस के राष्ट्रपति बॉन्गबॉन्ग मार्कोस से मुलाकात की।

फिलीपींस दौरे पर जयशंकर

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि मनील में अपने समकक्ष एनरिके मनालो के साथ उन्होंने बहुत अच्छी चर्चा की। उन्होंने आगे कहा, मैं इस अवसर पर फिलीपींस की राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए भारत के समर्थन को दोहराता हूं। सभी देश को अपनी संप्रभुता को बनाए रखने और उसे लागू करने का पूरा अधिकार है। यह कुछ ऐसा है, जिसपर हमने चर्चा की। फिलीपींस के साथ गहरे हो रहे संबंध: जयशंकर प्रेस कॉन्फेरेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, हम केवल महत्वपूर्ण समुद्री राष्ट्र नहीं है, लेकिन हम हिंद-प्रशांत के दो छोर हैं। बिलकुल अंत में नहीं, पर फिलीपींस कहीं बीच में है। समुद्री सुरक्षा में सभी देश की रुचि होती है, लेकिन हमारे मामले में यह कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है। उन्होंने आगे कहा, अब हमारे संबंध जब गहरे हो रहे हैं तो जाहिर तौर पर हम अब रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी काम करेंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम सहयोग के अन्य पहलुओं पर भी गौर करें। दोनों देश इंडो-पैसिफिक मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस इनिशिएटिव एंड रिकैप का हिस्सा है, जो कि सिंगापुर में स्थित है। जयशंकर ने की फिलीपींस के राष्ट्रपति से मुलाकात केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फिलीपींस के राष्ट्रपति बॉन्गबॉन्ग मार्कोस से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से उन्हें व्यक्तिगत शुभकामनाएं भी दी। राष्ट्रपति मार्कोस के साथ जयशंकर ने द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने इसकी जानकारी दी।

हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं, यूएन में आए प्रस्ताव पर अमेरिका को क्यों देनी पड़ी इजराइल को सफाई

वॉशिंगटन, 26 मार्च ।

अमेरिका और इजराइल के रिश्तों में खटास नजर आ रही है। दरअसल, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपना अमेरिका का दौरा रद्द कर दिया है। इस पर व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से यह संकेत मिलता प्रतीत होता है कि अमेरिका बदल गया है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है।

तत्काल युद्धविराम को लेकर प्रस्ताव पारित होने पर गुस्से में इजराइल

गौरतलब है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा और इजराइल के बीच तत्काल युद्धविराम का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव पारित हुआ था। इस प्रस्ताव में सात अक्तूबर को हमास द्वारा अचानक से इस्राइस पर हमले के दौरान बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की भी मांग की गई है। अमेरिका इस प्रस्ताव पर वोटिंग से दूर रहा। अमेरिका के इस रुख को लेकर इजराइल ने नाराजगी जताई। नेतन्याहू ने अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा रद्द करने का एलान किया। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि दोनों देशों के बीच खटास आ गई है। हमारी नीति में किसी बदलाव का प्रतिनिधित्व नहीं करता जब किर्बी से पूछा गया कि नेतन्याहू के दौरे के रद्द करने पर राष्ट्रपति जो बाइडन की क्या प्रतिक्रिया है, तो उन्होंने कहा, हम इससे हैरान हैं। कुछ बातें सामने रखने की जरूरत है और वास्तव में इन्हें फिर से दोहराना चाहिए। सबसे पहली बात यह गैर बाध्यकारी संकल्प है। इसलिए इजराइल या हमास के साथ चल रही लड़ाई पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। दूसरी बात यह है कि जैसा मैंने शुरू में ही कहा था कि यह हमारी नीति में किसी बदलाव का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या उन्होंने आगे कहा, हम यहां क्या करना चाहते हैं यह हम पहले ही कह चुके हैं और उसी के साथ खड़े हुए हैं। हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से यह संकेत मिला है कि यहां कुछ बदलाव हुआ है, जबकि ऐसा नहीं किया गया है। हालांकि, हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या है।

सेनेगल के विपक्षी नेता बसीरू की राष्ट्रपति चुनाव में जीत, कुछ दिन पहले ही जेल से हुए थे रिहा

डकार (सेनेगल), 26 मार्च (एजेंसियां) ।

अफ्रीकी देश सेनेगल के राष्ट्रपति चुनाव में 44 वर्षीय विपक्षी नेता बसीरू डियोमाये फेय ने जीत हासिल की है। बसीरू को चुनाव से कुछ दिन पहले ही जेल से रिहा किया गया था। चुनाव में जीत के बाद उन्हें देश का अगला राष्ट्रपति नामित किया गया। हालांकि, अभी तक आधिकारिक नतीजों की घोषणा नहीं की गई है।

बसीरू के निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व प्रधानमंत्री ने शुरुआती चुनाव नतीने आने के बाद ही हार स्वीकार कर ली। जिन्हें मौजूदा राष्ट्रपति मैकी सॉल का समर्थन हासिल था। वहीं, सॉल ने बसीरू को विजेता घोषित करने के साथ उन्हें देश का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी।

पश्चिम अफ्रीकी देश सेनेगल में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। बसीरू ने चुनाव में बेरोजगारी और खराब शासन को मुद्दा बनाया। जिस कारण उन्हें युवाओं का समर्थन मिला। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद अपने पहले भाषण में पूर्व टैक्स निरीक्षक बसीरू ने देश में नया अध्याय शुरू करने का वादा किया।

उन्होंने प्रचार अभियान के दौरान किए गए वादों को दोहराते हुए कहा, मैं विनम्रता और पारदर्शिता के साथ शासन करने और सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार से लड़ने की प्रतिज्ञा करता हूं। मैं देश की

संस्थाओं के पुनर्निर्माण के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करने का वचन देता हूं। बसीरू को सेनेगल के लोकप्रिय विपक्षी नेता ओस्मान सोनको का समर्थन हासिल था। अपने भाषण के दौरान उन्होंने देश को आर्थिक बदहाली से बचाने के लिए सरकारी कंपनियों को बढ़ावा देकर देश के प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण में सुधार करने की कसम खाई है।

निवर्तमान राष्ट्रपति सॉल की राजनीतिक माफी की घोषणा के बाद बसीरू और सोनको 14 मार्च को रिहा कर दिया गया, जो राजधानी में जश्न मनाने के लिए महीनों से जेल में कैद थे।

भारत का उद्देश्य शांति-सद्भावना को बढ़ाना, जिनेवा में आईपीयू के सम्मेलन में बोले राज्यसभा के उपसभापति

जिनेवा, 26 मार्च (एजेंसियां) ।

जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 148वीं सभा में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने शिरकत की। वह सम्मेलन में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व का नेतृत्व कर रहे हैं। हरिवंश ने सम्मेलन में कहा कि बढ़ती परस्पर निर्भरता और परस्पर जुड़ाव के युग में दुनिया को कई अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। संसदीय कूटनीति इन जटिल चुनौतियों का समाधान करते हुए राष्ट्रों के बीच सहयोग और शांति को बढ़ावा देने का एक अवसर प्रदान करती है।

हरिवंश ने कहा कि भारत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संसदीय भागीदारी को बढ़ावा देने में विश्वास करता है और अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करके क्षमता निर्माण में अन्य देशों की मदद करने के लिए भी तैयार है। गौरतलब है कि पहले सेशन के दौरान पाकिस्तान को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने भारत के खिलाफ लगातार की जा रही बेतुकी बयानबाजी को खारिज

किया। सम्मेलन के दूसरे भाग के दौरान में हरिवंश नारायण सिंह ने संसदीय कूटनीति: अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए पुलों का निर्माण विषय पर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में भारतीय संसद और सांसदों की भूमिकाओं पर भी प्रकाश डाला। हरिवंश ने दूर-दूर तक शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए प्राचीन भारतीय इतिहास का जिक्र भी किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने उन्होंने जी20 और पी30 सम्मेलनों की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जो वसुधैव कुटुम्बकम के प्राचीन दर्शन पर आधारित थे। उन्होंने भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा कि भारत में प्राचीन काल से विचार-विमर्श और सलाहकार निकाय काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 220 ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने शांति और अहिंसा का संदेश फैलाने के लिए भारत से दक्षिण-पूर्व एशिया में कई राजदूत भेजे। इसके अलावा, 48 ईस्वी में, अयोध्या की राजकुमारी राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए दक्षिण कोरिया गईं और वहां राजकुमार से शादी की।

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम (एक पृथ्वी, एक परिवार) भारतीय सभ्यता का मूल है जो भारत की जी-20 अध्यक्षता का विषय भी था। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में इस बहस के आज के विषय यानी अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए पुलों का निर्माण को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संदर्भित करते हुए हरिवंश ने कहा कि एक विभाजित दुनिया मानवता के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान नहीं दे सकती है। हरिवंश ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा आयोजित 9वें पी-20 शिखर सम्मेलन ने आम सहमति और सहयोग के माध्यम से वैश्विक व्यवस्था को आकार देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए लताड़ा गौरतलब एक दिन पहले जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 148वीं बैठक को संबोधित करते हुए हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि पाकिस्तान का आंतकियों को पनाह देने, सहायता करने और उनका समर्थन करने का लंबा इतिहास रहा है, जो आईपीयू सदस्य अच्छे से जानते हैं। हरिवंश नारायण सिंह ने कार्यक्रम में कहा था मैं, भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा की गई बेतुकी टिप्पणियों को खंडित करता हूं। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हमारा सौभाग्य है कि कई लोग भारतीय लोकतंत्र को अनुकरणीय मॉडल मानते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत का अभिन्न हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि कोई भी दुष्प्रचार इस तथ्य को नहीं झुठला सकता है।

17 दिन तक मनाया जाता है गणगौर पर्व

* गौर-गौर गणपति-ईसर पूजै पार्वती
* होली से चैत्र नवरात्रि तृतीया तक गणगौर की होती है पूजा
* अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं 11 अप्रैल को रखेंगी गणगौर का व्रत

गणगौर का पर्व राजस्थान और भारत की भूमि के लिए बड़ा ही पवित्र और सुखद त्यौहार माना जाता है। इस पर्व को भारत में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह पर्व मां पार्वती को समर्पित है और इस पर्व में उन्हीं की पूजा की जाती है। खास तौर से राजस्थान में गणगौर का बेहद ही महत्व है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर का पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 11 अप्रैल को है। गणगौर की पूजा चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। इस दौरान सुहागन और कुंवारी कन्याएं माता पार्वती और शिवजी की पूजा करती हैं और पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। इस पर्व की खास रौनक राजस्थान में देखने को मिलती है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह पर्व मनाया जाता है। ये पर्व करवा चौथ जैसे ही मान्यता रखता है। इसके अनुसार कुंवारी कन्याएं और महिलाएं अच्छा पति पाने और पति के साथ सुखद जीवन व्यतीत करने के लिए इस व्रत का अनुसरण करती है। माना जाता है कि ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच भगवान शिव और मां पार्वती जैसा ही सुखद दाम्पत्य संबंध बनता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 11 अप्रैल को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी

उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है।

17 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व

राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामना

गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहि त कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

देवी पार्वती की विशेष पूजा

गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सौलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

गणगौर

गणगौर पर्व - 11 अप्रैल, 2024

तृतीया तिथि प्रारम्भ - 10 अप्रैल, 2024 को शाम 05:32 बजे

तृतीया तिथि समाप्त - 11 अप्रैल, 2024 को अपराह्न 03:03 बजे

उदया तिथि को मानते हुए गणगौर का पर्व 11 अप्रैल को मनाया जाएगा और इसी दिन चैत्र नवरात्रि का तीसरा दिन है।

गणगौर पर्व का महत्व

गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है। इसलिए इस दिन महिलाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भगवान शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए पूजा करती हैं।

गणगौर पूजने का गीत

गौर-गौर गोमनी, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आला-गीला,

गौर का सोना का टीका, टीका दे टमका दे रानी, व्रत करियो गौरा दे रानी।

करता-करता आस आयो, वास आयो।

खेरे-खाण्डे लाडू ल्यायो, लाडू ले वीरा न दियो,

वीरो ले मने चूंदड़ दीनी, चूंदड़ ले मने सुहाग दियो।

संकष्टी चतुर्थी कल

जानें पूजा का शुभ मुहूर्त और सही तरीका

संकष्टी चतुर्थी हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो महिलाओं द्वारा व्रत रखकर भगवान गणेश की पूजा की जाती है। यह त्योहार हर माह की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है, लेकिन विशेष रूप से माघ मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां शक्ति की आराधना और पूजा की जाती है, जिससे सभी प्रकार के संकटों से मुक्ति मिलती है। इस त्योहार के दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और समर्पित रूप से पूजा करती हैं। वे गणेश जी को लड्डू, मिठाई, फल, नारियल, चावल, धूप, दीप, फूल आदि से पूजती हैं। व्रत के दिन उन्हें नीरजला प्राणायाम, मंत्रजाप, आरती, और कथा का पाठ करना चाहिए।

संकष्टी चतुर्थी के पर्व पर महिलाएं और लड़कियाँ सूखे फल, नारियल, और बाजार से लाए गए मिठाईयों को प्रसाद के रूप में बाँटती हैं। इस दिन किये गए व्रत, पूजा, और ध्यान से व्रती को भगवान गणेश की कृपा प्राप्त होती है और उन्हें सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। संकष्टी चतुर्थी का पर्व हमें धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्धि और समाधान की प्राप्ति का मार्ग प्रदान करता है। इसे मानने से हमारी आत्मा में शांति, समृद्धि, और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

तिथि: 28 मार्च 2024 को कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। उदयातिथि के अनुसार, 28 मार्च को ही संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा।

मुहूर्त: चतुर्थी तिथि का आरंभ 28 मार्च, 2024 को शाम 6:57 मिनट पर होगा और इस तिथि का समापन 29 मार्च, 2024 को सुबह 8:21 बजे होगा। पूजा का शुभ मुहूर्त 28 मार्च, 2024 को शाम 7:18 मिनट से 9:35 मिनट तक है।

पूजा सामग्री:गणेश जी की प्रतिमा, फूल, फल, मिठाई, धूप-दीप, दीप, कपूर, चंदन, सिंदूर, हल्दी, रोली, अक्षत, फल, सुपारी, पान, नारियल, दक्षिणा।

पूजा विधि: सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। घर के पूजा स्थान को साफ करें और गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करें। प्रतिमा को फूल, फल, मिठाई और धूप-दीप अर्पित करें। गणेश जी को स्नान कराएं। चंदन, सिंदूर, हल्दी और रोली से गणेश जी का तिलक करें। अक्षत, फल, सुपारी, पान और नारियल अर्पित करें। दीप जलाएं और कपूर आरती करें। ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। गणेश जी की आरती करें। चंद्रमा को अर्घ्य दें। रात्रि में भोजन न करें। अगले दिन सुबह स्नान करके चतुर्थी का व्रत खोलें।

संकष्टी चतुर्थी व्रत के नियम भी जान लें। व्रत के दौरान, क्रोध, लोभ, मोह और ईर्ष्या जैसे नकारात्मक विचारों से दूर रहें। व्रत के दौरान, झूठ न बोलें और किसी का अपमान न करें। दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है। जरूरतमंदों की सहायता करें। संकष्टी चतुर्थी भगवान गणेश को समर्पित एक महत्व-पूर्ण व्रत है। यह व्रत रखने से सभी कष्टों का नाश होता है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस दिन, भगवान गणेश की विशेष पूजा की जाती है और उनसे मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना की जाती है। व्रत रखने से पहले अपनी स्वास्थ्य स्थिति का ध्यान रखें। आप किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, तो व्रत रखने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। 28 मार्च 2024 को संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखकर आप भगवान गणेश की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन में सुख-समृद्धि ला सकते हैं।

भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार की चैत्र मास में पूजा का महत्व जानिए

चैत्र मास, हिंदू कैलेंडर का पहला मास, कई धार्मिक त्योहारों और व्रतों के लिए महत्वपूर्ण है। इस मास में भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार की पूजा का विशेष महत्व है। चैत्र मास में भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार की पूजा का अत्यधिक महत्व है। मत्स्य अवतार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से पहला अवतार है। इस अवतार में भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप धारण किया था और मानवता को प्रलय से बचाने के लिए समुद्र में संसार को बचाया था। चैत्र मास का महीना विष्णु भगवान के उत्तम पूजन के लिए समर्पित माना जाता है, और मत्स्य जयंती के अवसर पर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने से मनुष्य को सभी प्रकार की समस्याओं और कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस दिन विशेष रूप से मत्स्य अवतार की कथा सुनाई जाती है और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। विशेष रूप से हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि राज्यों में इसे महत्वपूर्ण धार्मिक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। मत्स्य अवतार की पूजा करने से भक्त भगवान विष्णु के कृपालु होने का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और उनकी दया और कृपा से संसार की सृष्टि और संरक्षण में सहायक होते हैं।

मत्स्य अवतार की पूजा का महत्व

मत्स्य अवतार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से पहला है। इस अवतार में, भगवान विष्णु ने सृष्टि को प्रलय से बचाया

था। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश किया और धर्म की स्थापना की। मत्स्य अवतार ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक है। इस अवतार में, भगवान विष्णु ने मनु को वेदों का ज्ञान दिया था। मत्स्य अवतार की पूजा करने से मनुष्य को मोक्ष प्राप्ति होती है।

चैत्र मास में मत्स्य अवतार की पूजा कैसे करें

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। घर में एक साफ-सुथरे स्थान पर भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें। दीप प्रज्वलित करें और धूप-दीप से भगवान विष्णु की आरती करें। ॐ नमो नारायणाय मंत्र का जप करें। भगवान विष्णु को फल, फूल, मिठाई और अन्य भोग अर्पित करें। मत्स्य अवतार की कथा पढ़ें या सुनें। दान-पुण्य करें और जरूरतमंदों की मदद करें।

मत्स्य अवतार की पूजा के लाभ

मत्स्य अवतार की पूजा करने से मनुष्य को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। इस पूजा से मनुष्य को सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त होती है। यह पूजा मनुष्य को कष्टों से बचाती है और उसकी मनोकामनाएं पूर्ण करती है। चैत्र मास में मत्स्य अवतार की पूजा करना एक शुभ कार्य है। यह पूजा मनुष्य को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने और जीवन में सुख, समृद्धि और शांति प्राप्त करने में मदद करती है।

भारत के 7 प्रसिद्ध भगवान विष्णु के मंदिर और उनका इतिहास

भगवान विष्णु हिन्दू धर्म के प्रमुख देवता में से एक हैं। वे त्रिमूर्ति में एक हैं, अर्थात् ब्रह्मा, विष्णु और महेश का एक रूप हैं। विष्णु भगवान की महिमा को समझने के लिए हमें पुराणों में वर्णित कई कथाएं और उनके लीलाएं मिलती हैं। भगवान विष्णु के अनेक अवतारों की कथाएं उनकी महिमा को अद्वितीय बनाती हैं। उनके दस अवतारों में से प्रमुख हैं मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध, और कल्कि। हर अवतार में उन्होंने धर्म की स्थापना और उसकी संरक्षा के लिए जन्म लिया। विष्णु भगवान को चतुर्भुज, शंख, चक्र, गदा, और कमल के साथ दिखाया जाता है। उनकी धारणा में ये आयुध संसार के नाश के लिए हैं। उनके शंख की आवाज सभी दिशाओं में सुनाई देती है और चक्र दुष्टों को समाप्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है। भगवान विष्णु की पूजा और उनके नाम का जाप अनेक धार्मिक कर्मों में महत्वपूर्ण माना जाता है। उनके भक्त उन्हें विशेष उपासना करते हैं और उनसे अपनी समस्याओं का समाधान मांगते हैं। समग्र रूप से, भगवान विष्णु की महिमा अद्वितीय है और उनकी उपासना से जीवन में शांति, समृद्धि, और सफलता प्राप्त होती है। उनके भक्ति में लगने से व्यक्ति को आत्मनिर्भरता और मन की शुद्धि मिलती है।

वेंकटेश्वर मंदिर, तिरुपति, आंध्र प्रदेश:- यह भगवान विष्णु के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह मंदिर तिरुमाला पहाड़ियों पर स्थित है और भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मंदिर का निर्माण 9वीं शताब्दी में हुआ था और यह द्रविड़ शैली में बनाया गया है।

श्रीरंगम रंगनाथस्वामी मंदिर, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु: यह भगवान विष्णु के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। यह मंदिर कावेरी नदी के एक द्वीप पर स्थित है और भगवान रंगनाथस्वामी को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मंदिर का निर्माण 9वीं शताब्दी में हुआ था और यह द्रविड़ शैली में बनाया गया है।

जगन्नाथ मंदिर, पुरी, ओडिशा:- यह भगवान विष्णु के सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। यह मंदिर पुरी शहर में स्थित है और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु, उनके भाई और बहन का रूप माना जाता है। मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में हुआ था और यह उड़ीसा शैली में बनाया गया है।

बद्रीनाथ मंदिर, उत्तराखंड:- यह भगवान विष्णु के चार धामों में से एक है। यह मंदिर अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है और भगवान बद्रीनाथ को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था और यह नागर शैली में बनाया गया है।

द्वारकाधीश मंदिर, द्वारका, गुजरात:- यह भगवान विष्णु के चार धामों में से एक है। यह मंदिर गोमती नदी के तट पर स्थित है और भगवान द्वारकाधीश को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मंदिर का निर्माण 2000 साल पुराना है और यह नागर शैली में बनाया गया है।

पद्मनाभस्वामी मंदिर, तिरुवनंतपुरम, केरल:- यह भगवान विष्णु के सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। यह मंदिर तिरुवनंतपुरम शहर में स्थित है और भगवान पद्मनाभस्वामी को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था और यह द्रविड़ शैली में बनाया गया है।

वराह मंदिर, मामल्लापुरम, तमिलनाडु:- यह भगवान विष्णु के वराह अवतार को समर्पित एक मंदिर है। यह मंदिर मामल्लापुरम शहर में स्थित है और 7वीं शताब्दी में बनाया गया था। मंदिर पल्लव शैली में बनाया गया है।

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने गोवा में देवरा: पार्ट 1 का अपना शेड्यूल किया पूरा

अपकमिंग फिल्म देवरा: पार्ट 1 में नजर आने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने गोवा में फिल्म का अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शेयर किया कि वह गोवा वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सूर्यास्त की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, वापस आने और फिर से थंगम बनने का इंतजार नहीं कर सकती।

फिल्म में जान्हवी थंगम नामक एक ग्रामीण लड़की की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म उनकी तेलुगु सिनेमा की पहली फिल्म है और इसमें सैफ अली खान और तेलुगु सुपरस्टार एनटीआर जूनियर भी हैं।

देवरा: पार्ट 1 का गोवा शेड्यूल 19 मार्च को शुरू हुआ और इसमें एक गाने का सीक्वेंस भी शामिल था। इस बीच जान्हवी तेलुगु सिनेमा में आगे बढ़ रही हैं। वह आगामी फिल्म आरसी 16 में राम चरण के साथ नजर आएंगी।एक्ट्रेस ने आरसी16 के सेट से तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें राम चरण, उनके पिता और तेलुगु मेगास्टार चिरंजीवी और ऑस्कर और ग्रैमी विजेता

संगीतकार ए.आर. रहमान और अन्य क्रू सदस्य नजर आ रहे थे।बुच्ची बाबू सना द्वारा निर्देशित, आरसी16 तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में देवरा: भाग 1 के बाद जान्हवी की दूसरी फिल्म है।

अमजद खान की इस फिल्म की वजह से अमिताभ बच्चन से टूट गया था बरसों पुराना 'याराना'

''तेरे जैसा यार कहां, कहां ऐसा याराना।'' साल 1981, फिल्म याराना। अमिताभ बच्चन और दिवंगत अभिनेता अमजद खान की इस मूवी का गाना दोनों की असल जिंदगी में काफी फिट बैठता था। डायरेक्टर रमेश सिप्पी की फिल्म शोले में एक दूसरे के जानी-दुश्मन बनने वाले अमजद और अमिताभ रियल लाइफ में काफी अच्छे दोस्त हुआ करते थे। लेकिन फिर अमजद खान ने बतौर डायरेक्टर हिंदी सिनेमा में पर्दापण किया और फिल्म चोर पुलिस बनाई। इस मूवी के बाद कुछ ऐसा हुआ दो जिगरी दोस्तों की दोस्ती हमेशा के लिए खत्म हो गई है। आइए जानते हैं कि इसके पीछे का कारण क्या था।

शोले में गब्बर सिंह की भूमिका को निभाने के बाद बतौर अभिनेता अमजद खान खुद को स्थापित कर चुके थे। इसके बाद उनके दिमाग में फिल्मों का निर्देशन करने का विचार आया और 1983 में उन्होंने अपने डायरेक्शन करियर की शुरूआत फिल्म चोर पुलिस की।

इस मूवी में लीड रोल में अमजद खान, शत्रुघ्न सिन्हा और परवीन बॉबी जैसे कई कलाकार लीड रोल में मौजूद थे। ये एक प्रोपर एक्शन थ्रिलर मूवी थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सौतन के साथ क्लैश की वजह से चोर पुलिस ज्यादा कुछ खास कामयाबी हासिल नहीं कर सकी।

एक्टर ने बताया था- मैं नहीं जानता की मेरी फिल्म को रिलीज होने के लिए डेढ़ साल तक समय क्यों लगा। सेंसर बोर्ड के पैनल में चोर पुलिस उलझ के रह गई। उनका मानना था कि फिल्म हिंसक सीन्स से भरी हुई है और उसमें कई आपत्तिजनक दृश्य भी मौजूद हैं।

लेकिन सही मायनों में मेरी फिल्म में ऐसा कुछ भी नहीं था। मुझे इस बात का पछतावा होता है कि काश मेरी मूवी में और भी खून खराबा दिखाया होता तो शायद वो चल सकती थी।

कैसे अमिताभ बच्चन से टूटी दोस्ती

अमिताभ बच्चन और अमजद खान की दोस्ती की मिसाल आज भी दी जाती है। आईएमडीबी की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म चोर पुलिस की रिलीज को लेकर अमजद काफी परेशान थे। उस दौरान अमिताभ बच्चन राजनीति में काफी एक्टिव हो गए थे। ऐसे में अमजद खान अपने दोस्त अमिताभ के पास गए और उनसे कहा कि सेंसर बोर्ड उनकी फिल्म को रिलीज नहीं करने दे रहा है।

अपने दोस्त की मदद करते हुए बिग बी ने सेंसर बोर्ड से गुहार लगाई और अमजद की फिल्म रिलीज हो गई। लेकिन कुछ दिन एक अखबार में अमजद और अमिताभ की इस बातचीत का किस्सा छप गया, जिससे अमिताभ खफा हो गए और उन्होंने अमजद को मिलने बुलाया।

बताया जाता है कि अमिताभ चोर पुलिस की रिलीज का कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहते थे। दीवार अभिनेता अमजद से इस खबर के लीक होने को लेकर सवाल पूछे। अमजद खान खुद इस मामले से पूरी तरह से अनजान और आश्चर्यचकित थे। कहा जाता है कि इसके बाद से अमिताभ और अमजद

की दोस्ती में दरार आ गई।

अमजद खान खान की चोर पुलिस को भले उतनी सफलता नहीं मिली, लेकिन इस फिल्म के नाम एक खास उपलब्धि दर्ज है। दरअसल चोर पुलिस हिंदी सिनेमा की पहली ऐसी मूवी है, जिसकी शूटिंग दुबई में हुई थी।

एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी : सारा अली खान

अपनी बेबाक बातों के लिए मशहूर एक्ट्रेस सारा अली खान ने कहा है कि एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी है, जो उनके पास है। सारा ने कहा कि उनके रास्ते में जो भी आता है वह उसे सकारात्मक तरीके से हंसी में लेती हैं। जब उनसे पूछा गया कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें कौन से सवाल परेशान करते हैं? सारा ने लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई के मौके पर आईएएनएस को बताया, कोई भी चीज वास्तव में मुझे परेशान नहीं करती। पिछले कुछ वर्षों में मेरी चमड़ी मोटी हो गई है। मैं हर चीज को सकारात्मक तरीके से लेती हूं।

सारा को फिल्में देखना बहुत पसंद है और उसके पास अपना पसंदीदा सेट है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे पास पसंदीदा कलाकारों का अपना एक सेट है। मुझे दूसरे लोगों का काम देखना पसंद है क्योंकि मैं हर किसी से और अपने आस-पास मौजूद हर चीज से सीखते रहना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा, हर कलाकार की अपनी खूबियां होती हैं, मैं उसे चुनना और उसे अपने काम में शामिल करना पसंद करती हूं। मुझे खुद को बेहतर बनाना पसंद है। जब संगीत की बात आती है तो सारा पूरी तरह से बॉलीवुड प्रेमी हैं। एक्टेस ने कहा, मेरे पास अपनी प्लेलिस्ट है जो मेरे हर वाइब के लिए अलग है, मुझे हिंदी संगीत बहुत पसंद है इसलिए मुझे लगता है कि मैं पूरी तरह से बॉलीवुड की शौकीन हूं।

गुत्थी बनकर लौटे सुनील ग्रोवर, रिलीज हुआ नये कपिल शर्मा शो का ट्रेलर

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा जल्द ही अपना नयो शो लेकर आ रहे हैं। इस शो का नाम द ग्रेट इंडियन कपिल शो है। इस शो का फर्स्ट ट्रेलर रिलीज हो गया है जिसमें मजेदार जोक्स और मस्ती की झलक देखने को मिली है। खास बात ये है कि कपिल का ये शो टीवी पर नहीं बल्कि नेटफ्लिक्स पर आने वाला है। साथ ही एक नये धमाके के साथ। इस नये धमाके में हम सबके फेवरेट कॉमेडियन सुनील ग्रोवर भी हैं। जी हां, सुनील ग्रोवर ने कपिल के शो में गुत्थी बनकर वापसी कर ली है।

मजेदार है ट्रेलर

शनिवार को शो का पहला ट्रेलर जारी किया गया है। ऐसा लगता होता है कि शो का प्रारूप काफी हद तक पहले जैसा ही है, जिसमें एक चिट-चैट सेगमेंट में सेलिब्रिटी मेहमानों को दिखाया गया है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर लंबे समय के बाद साथ आ रहे हैं। दोनों ने अपनी 6 साल पुरानी दुश्मनी को भुला दिया है। साल 2017 में दोनों के बीच भयानक झगड़ा हो गया था जिसके बाद सुनील ने शो छोड़ दिया था। इस ट्रेलर का एक बड़ा आकर्षण यह है कि कपिल और सुनील अपनी लड़ाई का मजाक उड़ा रहे हैं। तब से, दोनों ने कभी स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया था। ट्रेलर में कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह भी दिखाई देते हैं, और वही भूमिकाएं निभाते हुए दिखाई देते हैं जो उन्होंने इस शो के टेलीविजन सीरीज में निभाई थीं।

गुत्थी के अवतार में लौटे सुनील ग्रोवर

शो के पहले ट्रेलर में सुनील ग्रोवर अपने हिट गुत्थी अवतार में नजर आ रहे हैं। खुद कपिल शर्मा भी उन्हें देखकर हैरान रह जाते हैं। दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत करते हैं। अपने आइकॉनिक लुक दो चोटियां और कुर्ता में गुत्थी बने सुनील को देख फैंस खुश हो जाएंगे। शो में कीकू शारदा भी हैं। साथ ही जज की कुर्सी पर अर्चान पूरन सिंह नजर आएंगी।

ये बॉलीवुड स्टार्स करेंगे शिरकत

कपिल शर्मा के इस शो में गेस्ट के रूप में रणबीर कपूर, नीतू कपूर, आमिर खान, दिलजीत दोसांझ, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर जैसे स्टार्स शामिल होने वाले हैं।

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया अपनी फिटनेस का राज

पैन इंडिया सेंसेशन रश्मिका मंदाना प्रेजेंट में इंडस्ट्री में काम करने वाले सबसे टैलेंटेड सितारों में से एक हैं। एक्ट्रेस अपनी सराहनीय एक्टिंग के लिए जाने जाती हैं वह हमेशा अपनी सुंदरता से अपने फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपना वर्कआउट रुटीन शेयर किया, जिसने उनके फैंस हैरान कर दिया। मंदाना के पास प्रेजेंट में अपने बड़े ब्लॉकबस्टर सीक्वल, पुष्पा के साथ-साथ कई प्रोजेक्ट्स हैं।

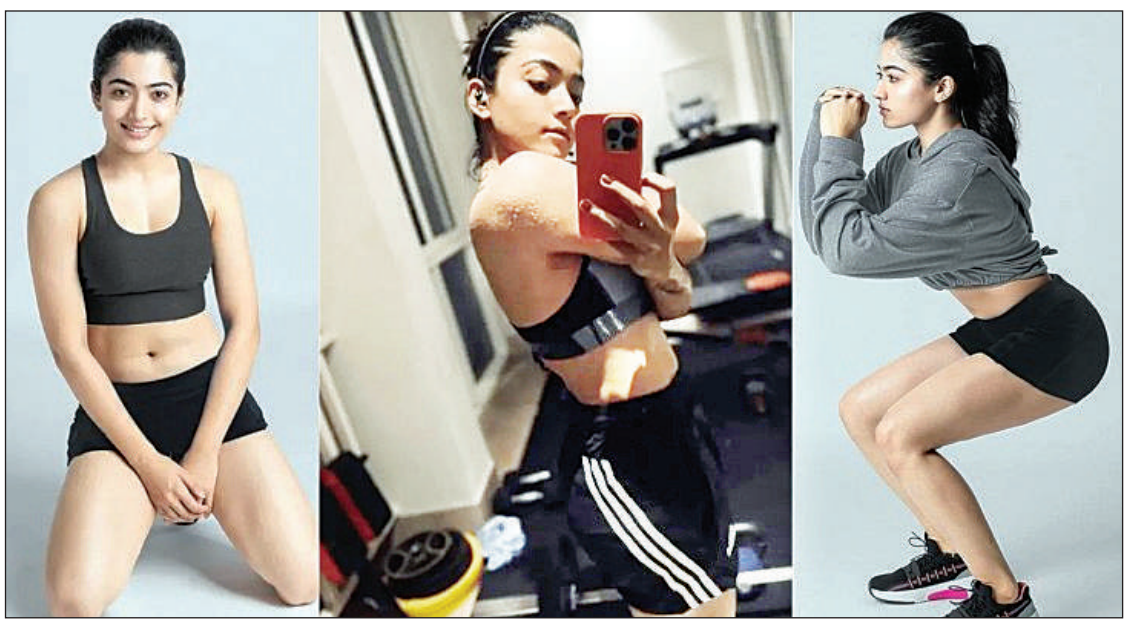

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया अपना वर्कआउट रुटीन

हालिया अपडेट में, रश्मिका ने अपने बिजी इवेंट से कुछ समय निकाला, वर्कआउट सेशन के लिए जिम गई और अपना फिटनेस गोल्स शेयर किया। 21 मार्च को, श्रीवल्ली स्टार ने अपने सोशल प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने वर्कआउट सेशन की एक झलक शेयर की और कैप्शन में लिखा, जब से मैंने वर्कआउट वीडियो नंबर शेयर किया है, काफी समय हो गया है? यह लगभग 4/5 हो चुका था। कई महीनों से मैं अपना वर्कआउट नहीं कर पा रही थी । । लेकिन अब मैं इस पर वापस आ गई हूं! और अब आप इनमें से बहुत से वीडियो देखेंगे ताकि कहीं न कहीं यह आपको भी प्रेरित कर सके। !

वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद, फैंस ने उनके कमेंट सेक्शन में जाकर स्टार के समर्पण की प्रशंसा की। एक फैन ने लिखा, आपको जो कुछ मिला है वह आपकी कड़ी मेहनत के कारण है, जबकि एक अन्य ने लिखा, वाह। । मैं इस संबंध में ट्वीट करने ही वाला था। इस वीडियो को अपलोड करने के लिए धन्यवाद। यह कई युवाओं को प्रेरित करेगा।

रश्मिका का वर्क फ्रंट

रश्मिका फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म 'पुष्पा: द रूल' के शेड्यूल में बिजी हैं। हालिया अपडेट में, उनके शूट की एक तस्वीर ऑनलाइन वायरल हो गई और फैंस शांत नहीं रह पाए। फोटो में डियर कॉमरेड एक्ट्रेस लाल और सुनहरे रंग की साड़ी, गहने और फूल पहने हुए दिखाई दे रही है, और उसके बगल में गार्ड हैं क्योंकि सेट पर उनके फैंस की एक बड़ी भीड़ है जो रश्मिका उर्फ श्रीवल्ली को देखने आए हैं।

फिल्म में रश्मिका के अलावा पैन-इंडिया हार्टथ्रोब अल्लू अर्जुन और फहद फासिल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में एक शानदार स्टार कास्ट भी है जिसमें जगपति बाबू, प्रकाश राज, सुनील, धनंजय, जगदीश प्रताप और कई अन्य लोग महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

श्रद्धा कपूर ने राहुल मोदी के साथ अपने रिश्ते पर दिया कंफर्मेशन

पहना (आर) नाम का नेकलेस

इस चर्चा के बीच कि श्रद्धा कपूर कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ ऑफिशियल रिलेशनशिप के लिए तैयार हैं । एक्ट्रेस ने रविवार को अपनी कई तस्वीरें खिंचवाईं, जिसने आग में घी डालने का काम किया। एक्ट्रेस ने अपने रविवार की एक झलक दी जब उन्होंने बैंगनी रंग का नाइट सूट पहनकर सेल्फी ली। जिस चीज़ ने फैंस का ध्यान खींचा वह 'आर' वाला पेंडेंट था जो श्रद्धा ने तस्वीरों में पहना था। जिसके बाद श्रद्धा ने 'आर' पेंडेंट पहने हुए तस्वीरें पोस्ट कीं।

रेडिट पर उनकी नवीनतम तस्वीरें साझा करते हुए, एक व्यक्ति ने लिखा, श्रद्धा ने 'आर' पेंडेंट पहने हुए तस्वीरें पोस्ट कीं। क्या वह राहुल मोदी के साथ रिश्ते को आधिकारिक बनाने की कोशिश कर रही हैं? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक फैंस ने लिखा, ध्यान दें कि सभी 4 तस्वीरों में 'आर' दिखाई दे रहा है। सभी सेलेब पोस्ट क्यूरेटेड हैं। इसलिए यह जानबूझकर किया गया लगता है। एक अन्य ने कहा, यह छोटी भी नहीं है। वे अब दो साल से डेटिंग कर रहे हैं और निश्चित रूप से इस साल शादी कर रहे हैं। श्रद्धा की राहुल के साथ डेटिंग की अफवाहें पिछले कुछ सालों से हैं, जिन्होंने मार्च की शुरुआत में जामनगर में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग उत्सव में उन्हें कंपनी दी थी। अंबानी समारोह के लिए मुंबई के एक निजी हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय, श्रद्धा को राहुल को अपने आशिकी 2 के सह-कलाकार और कथित पूर्व, आदित्य रॉय कपूर से मिलवाते हुए भी देखा गया था। हालांकि राहुल और श्रद्धा को एक साथ घूमते-फिरते देखा गया है, लेकिन एक्ट्रेस ने अभी तक अपने रिश्ते की घोषणा नहीं की है। राहुल एक फिल्म लेखक हैं, जिन्होंने 2023 की रोमांटिक-कॉम तू झूठी मैं मक्कार लिखी थी, जिसमें श्रद्धा के साथ रणबीर कपूर थे। रिपोर्ट के अनुसार, श्रद्धा अब राहुल के साथ अपने रिश्ते को छिपाने की प्लानिंग नहीं बना रही हैं। कथित तौर पर तू झूठी मैं मक्कार में काम करने के दौरान श्रद्धा और राहुल एक-दूसरे के करीब आए। फिल्म पर काम करने के बाद, वे मजबूत होते जा रहे हैं। वे एक-दूसरे के साथ बहुत सहज स्थिति में हैं, यही वजह है कि उन्हें अपने अफेयर को छिपाने की जरूरत महसूस नहीं होती है, और यही कारण है कि उन्हें

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन ख़राब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियां अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है- ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है।
ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएं विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक़्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक़्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक़्क़ी भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 27 मार्च 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 05:08 तक
नक्षत्र : चित्रा सायं 04:16 तक
योग : व्याघात रात्रि 10:52 तक
करण : गर सायं 05:08 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष: संत तुकाराम जयंती , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

बाइक को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर हादसे में दम्पति की मौत

भाईदूज पर पीहर से लौटते समय हुआ हादसा

भरतपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

भरतपुर के रूपवास थाना इलाके में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एक बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मार दी। घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। महिला अपने पति के साथ भाईदूज मनाने अपने पीहर गई थी। वहां से लौटते समय ये हादसा हो गया। मृतक के भाई ओकेश ने बताया कि उसका भाई बबलेश (25) सुबह अपनी पत्नी पूजा (24) के साथ भाईदूज मनाने अपनी ससुराल घाटा गांव थाना रूपवास गया था। वहां से दोनों बुलेट पर सवार होकर वापस अपने घर धाना खेड़ली थाना रूपवास आ रहे थे। तभी जरेला गांव के पास सामने से आ रही एक ट्रैक्टर ट्रॉली ने बुलेट को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बबलेश और पूजा दोनों

सड़क पर गिर गए और मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।घटना के बाद ड्राइवर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। घटना को देख राहगीर मौके पर रुक गए। दोनों पति पत्नी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टर्स ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बबलेश के पास मिल कागजात से शिनाख्त हुई। जिसके बाद घटना की सूचना बबलेश के परिजनों को दी गई। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त कर लिया है। पति पत्नी के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। बबलेश और पूजा की शादी 11 मार्च 2023 को हुई थी। बबलेश ड्राइवरी करता था। उसका बड़ा भाई ओकेश भी मजदूरी करता है। बबलेश की दो छोटी बहनों की शादी हो चुकी है। बबलेश के पिता सुरेश चंद घर पर ही रहते हैं।

डिवाइडर तोड़कर ट्रक से टकराई बेकाबू थार

दो व्यापारी गंभीर घायल, बालाजी मंदिर के पास हुआ हादसा

पाली,26 मार्च (एजेंसियां)।

पाली-जयपुर मार्ग पर मंगलवार दोपहर 72 फीट बालाजी मंदिर के निकट एक थार बेकाबू होकर डिवाइडर क्रॉस कर दूसरी ओर से सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। हादसे में सोजत के दो व्यवसाई घायल हो गए, जिनकी स्थिति गंभीर होने पर उन्हें बांगड़ अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद यहां से जोधपुर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस हादसे में थार जीप के परखच्चे उड़ गए। वहीं, घटना की जानकारी मिलने पर घायलों के परिजन और परिचित बांगड़ अस्पताल पहुंचे।

ट्रांसपोर्ट नगर थाने के एएसआई ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मंगलवार दोपहर हाईवे पर 72 फीट बालाजी मंदिर के निकट थार जीप असंतुलित होकर डिवाइडर क्रॉस कर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई।

इस हादसे में सोजत सिटी धोलीवाड़ का बास निवासी सुधीर टांक (20) और र सोजत सिटी के दिल्ली दरवाजा रोड निवासी वरुण सांखला (20) गंभीर रूप

से घायल हो गए। जिन्हें पहले पाली के निजी हॉस्पिटल और बाद में बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जोधपुर रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में सोजत सिटी से घायलों के परिजन और परिचित पहुंचे। जिनमें कई महिलाएं भी शामिल थी। युवकों की हालत गंभीर देख उनकी आंखों से आंसू बहने लगे जिन्हें मौके पर मौजूद अन्य रिश्तेदारों ने संभाला।

बसेड़ी अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी को तीन लोगों ने दौड़ाकर पीटा

धौलपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

जिले के बसेड़ी राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारियों से मारपीट का मामला सामने आया है। तीन युवकों ने अधिकारियों को अस्पताल से घसीटकर लाठी-डंडे और लात-घूंसों से जमकर पीटा। घटना के बाद पुलिस हरकत में आई। दो आरोपियों को पुलिस ने राउंडअप किया है। मामले का साजिशकर्ता और एक आरोपी अभी फरार है। घटना 25 मार्च की बताई जा रही है। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। बसेड़ी राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमल किशोर पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी चूरू ने बताया कि 25 मार्च को अस्पताल में ड्यूटी करने जा रहा था। सरकारी अस्पताल के सामने मार्केट में रजनीश ठाकुर एक दुकान पर बैठा हुआ था। उसने देखते ही गाली गलौज करना शुरू कर दिया।

चिकित्सा अधिकारी ने बताया गाली-गलौज सुनने के बाद वह अस्पताल में अपने ऑफिस में आकर बैठ गए। ऑफिस के अंदर पुलिस मुकदमा के संबंध में मेडिकल रिपोर्ट पर काम कर रहे थे। इसी दौरान रजनीश ठाकुर का पुत्र अनुराग अपने दो सहयोगी सूरज और वीरेंद्र को साथ लेकर पहुंच गया। आरोपियों ने अस्पताल में घुसकर लातघूसों से

मारपीट की। इसके बाद तीनों आरोपी चिकित्सा अधिकारी को खींचकर मेंन मार्केट में सड़क पर ले आए। वहां डॉक्टर के साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

अस्पताल के बरामदे के सामने भी आरोपियों ने डंडे और लात घूंसों से हमले किए। हमलावर बेरहमी से मारपीट कर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना चिकित्सा अधिकारी कमल किशोर ने स्थानीय बसेड़ी थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दविश दी।

पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। घटना को लेकर थाना प्रभारी गिरिराज प्रसाद ने बताया आरोपियों के खिलाफ राज कार्य में बाधा समेत तमाम धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दो आरोपियों को पुलिस ने राउंडअप कर लिया है। घटना का साजिश करता एवं एक आरोपी अभी फरार है। जिन्हें सीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

बसेड़ी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कमल किशोर के साथ की गई मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। तीन आरोपी अस्पताल में बेखौफ घुस जाते हैं। अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी को पड़कर खींच लाते हैं। अस्पताल के बरामदे एवं सड़क पर चिकित्सा अधिकारी के साथ लाठी डंडे और लात घूंसों से मारपीट की जाती है। उधर, घटना से चिकित्सकों में रोष देखा जा रहा है।

खेत में रखा मादक पदार्थों का जखीरा बरामद

बीकानेर,26 मार्च (एजेंसियां)।

पांचू थाना पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में पोस्त, अफीम और एमडी ड्रग्स का जखीरा पकड़ा है। करोड़ों रुपए की यह नशे की खेप आबादी क्षेत्र से दूर एक खेत में छिपाकर रखी गई थी और यहीं से तस्करों को सप्लाई दी जाती थी।

पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पांचू थाना क्षेत्र के जेडी मगरा गांव के खेत से करीब 1 करोड़ 50 लाख का डोडा पोस्त पकड़ा गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार के 10 किलो से ज्यादा मादक पदार्थ खेत में छुपाए गए थे।

फिलहाल पांचू थाना पुलिस क्षेत्र में इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े गिरोह की कुंडली खोलने में जुटी है। खेत से 100 ग्राम एमडी भी बरामद हुआ है।एक अन्य कार्रवाई में 10 किलो डोडा और बरामद एमडी के साथ दो युवक भी पकड़े गए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

कोटा में उपद्रवियों ने खंडित की श्रीराम की प्रतिमा

कोटा,26 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान के कोटा में मंदिर में प्रभु श्रीराम की प्रतिमा खंडित करने का मामला सामने आया है। घटना सोमवार रात कोटा जिले के बूढ़ादीत गांव के हनुमान मंदिर की है। घटना के बाद से गांव के लोगों में आक्रोश बना हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया।

बूढ़ादीत थाना प्रभारी भंवर सिंह ने कहा कि प्रभु राम की प्रतिमा खंडित हुई है। दोनों हाथ खंडित किए गए हैं। पूछताछ करने पर सामने आया, मंदिर में प्रभु राम, लक्ष्मण, सीता की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा दो पक्षों के विवाद के चलते नहीं हो सकी। प्राण प्रतिष्ठा अधर में है और यह घटना हो गई।

साल 2020 में कोरोना था, प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई। इस बीच में मंदिर निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने वाले जानकीलाल मीणा पर चोरी का आरोप लग जाने पर

वह दूर हो गया। दो पक्ष हो जाने पर प्राण प्रतिष्ठा अधर में रह गई। साथ 23 अप्रैल को प्रभु राम, लक्ष्मण, सीता को प्रतिमाओं की मंदिर में प्रतिष्ठा की तैयारी थी।

थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार की रात जिस कक्ष में प्रतिमाएं रखी थी, वहां किसी ने स्लाइड गेट से प्रवेश किया। वहां प्रभु श्रीराम की प्रतिमा खंडित की। बाकी लक्ष्मण, सीता की मूर्तियां सुरक्षित हैं। पुलिस की जांच चल रही है।

सहकर्मी ने महिला को नशीली चाय पिलाकर बनाया अश्लील वीडियो

बॉस के साथ मिलकर किया शोषण, करते रहे हैवानियत

जयपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

नाहरगढ़ थाना इलाके में ब्लैकमेल कर महिला कर्मचारी से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि नशीली चाय पिलाकर आरोपी सहकर्मी ने अश्लील वीडियो बनाया। पता चलने पर बॉस ने भी ऑफिस में जबरदस्ती की। इस संबंध में थाने में पीड़िता ने आरोपी सहकर्मी और बॉस के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी देवेंद्र प्रताप ने बताया कि चांदपोल निवासी 31 वर्षीय महिला ने मामला दर्ज करवा है कि साल 2020 से वह एक कंपनी में जॉब कर रही है। उसके साथ जमशेद अली भी काम करता था। दिसंबर 2021 में आरोपी सहकर्मी जमशेद मिलने के बहाने घर आया। नजर बचाकर उसने चाय में नशीला पदार्थ मिला दिया। चाय में नशा होने के कारण वह बेहोश हो गई।

बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया। होश आने पर अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दी। आरोपी ब्लैकमेल कर उसके साथ देह शोषण करने लगा और बॉस को भी इस बारे में बता दिया। अप्रैल 2023 में छुट्टी वाले दिन बॉस पवन ने ऑफिस बुलाया और डरा-धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। ब्लैकमेल कर बार-बार धमकी मिलने से परेशान होकर पीड़िता ने नाहरगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया।

चावल ब्रोकर की आखों में डाली मिर्च, बदमाश कार और 11 लाख रुपए ले उड़े

फतेहाबाद/टोहाना, 26 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के फतेहाबाद के टोहाना शहर के रतिया रोड पर दिनदहाड़े पिस्तौल दिखाकर तीन बाइक सवार लोगों ने कार सवार से लूट की वारदात को अंजाम दिया है। तीन युवकों ने गाड़ी सवार युवक मोनू से पहले रास्ता पूछा। उसके बाद उसकी आंखों में मिर्च गिरा दी। उसके बाद युवक पर फायरिंग की गई।

एक गोली युवक के हाथ पर लगी। इसके बाद तीनों बाइक सवार युवक कार छीनकर फरार हो गए। पीड़ित युवक मोनू का आरोप है कि उसकी गाड़ी में 11 लाख रुपये की नकदी रखी हुई थी और दो मोबाइल फोन थे।

युवक को गंभीर हालत में टोहाना के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। मीडिया से बातचीत में उकलाना क्षेत्र के गांव बिठमड़ा निवासी चावल ब्रोकर मोनू ने बताया कि वह रतिया रोड होते हुए जाखल इलाके की तरफ जा रहा था, इतने में बाइक पर तीन युवक सवार होकर आए और उससे रास्ता पूछने लगे।

जैसे ही उसने कार का दरवाजा खोला तो युवकों ने उस पर मिर्च फेंक दी और उसे दिखाई देना बंद हो गया। इसके बाद एक युवक ने पिस्तौल से फायरिंग की, उसके हाथ पर गोली लगी। मोनू ने बताया कि उसके बाद उसने हमलावर युवकों के हाथ जोड़े, तब जाकर उन्होंने उसकी जान बख्शी और वह वहां से भाग कर आया।

सीएम नायब सैनी का दावा

इस बार देश में 400 से पार व हरियाणा में दूसरी बार सभी 10 सीटें जीतेगी भाजपा

कैथल,26 मार्च (एजेंसियां)।

नायब सिंह सैनी मुख्यमंत्री बनने के बाद सेक्टर 19 स्थित भाजपा के जिला कार्यालय कपिल कमल में मंगलवार को पहुंचे। इस दौरान उनके साथ कुरुक्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी नवीन जिंदल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने की।

कार्यक्रम के तहत भाजपा के प्रत्याशी के जिले में चुनावी कार्यक्रम का शंखनाद किया गया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर इस बार भाजपा की पहले की अपेक्षा रिकॉर्ड मतों से जीत होगी। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि नायब और नवीन में कोई अंतर नहीं है। कहा कि चार जून के बाद

नरेंद्र मोदी को 400 पार सीटें मिलेंगी। कांग्रेस ने तो मैदान ही छोड़ दिया है। अब दूसरे विपक्षी नेता भी गायब हो जाएंगे। कहा कि दो महीने ही उनके पास हैं। इसलिए कार्यकर्ता खूब मेहनत करें। जनता का आशीर्वाद है और कार्यकर्ताओं की मेहनत है कि पिछली बार भी 2019 में कुरुक्षेत्र लोकसभा में ऐतिहासिक जीत हुई थी।

इस बार भाजपा देश में 400 पार और प्रदेश में दूसरी बार सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार करने पर ही ईडी ने उनके घर पर दबिश दी है। यदि वे ऐसा न करते तो ईडी दबिश क्यों देती। कोरोना महामारी का हवाला देते हुए सैनी ने कहा कि ऑक्सीजन की जरूरत थी तो हरियाणा से अधिक ऑक्सीजन दिल्ली में भेजी गई थी, लेकिन फिर भी केजरीवाल ऐसी बातें करते हैं। इस समय आम आदमी पार्टी कांग्रेस से भी चार कदम आगे निकल गई है।

भाजपा के प्रत्याशी नवीन जिंदल ने कहा कि उनकी भाजपा में शामिल होने की पहले तो काफी अफवाहें चल रही थी। उन्हें लोग पूछते थे क्या इरादा है तो वे बोलते थे अभी कोई विचार नहीं है। उनके पास हजारों संदेश और फोन आते थे। परंतु जब मोदी की विचारधारा से जुड़ पार्टी में शामिल हुआ तो जानने और पहचानने वालों ने कहा अब ठीक पार्टी में आ गए हो। इसलिए उन्हें बहुत खुशी है। उन्हें यह नहीं लगता कि वे नई पार्टी में आए हैं।

कांग्रेस ने राष्ट्र निर्माण में कई योगदान दिए: जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री सतीश जारकीहोली ने सोमवार को कहा कि राष्ट्र निर्माणमें कांग्रेस के अनेक यो-गदान हैं।

लेकिन भाजपा झूठी कहा नियांगढ़कर युवाओं को ऐसे प्रयासों से बेखबर करने में व्यस्त है। वह चिक्कोडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार और अपनी बेटी प्रियंका जारकीहोली के पक्ष में एक अभियान बैठक में बोल रहे थे।

आजादी के बाद से, कांग्रेस ने विश्वविद्यालयों, बांधों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्वतंत्र संवैधानिक एजेंसियों जैसे महान संस्थानों का निर्माण किया है। लेकिन भाजपा ऐसे सभी अच्छे कामों पर पानी फेरने का अथक प्रयास कर रही है। इसने

एजेंसियों की स्वायत्तता छीन ली है, पीएसयू को अपने दोस्तों को बेचकर सार्वजनिक क्षेत्र को कमजोर कर दिया है। सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश कम कर दिया है। इससे भी अधिक, भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल एजेंट युवाओं और अन्य इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को यह विश्वास दिला रहे हैं कि कांग्रेस ने देश के लिए कुछ नहीं कियाहै। प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता को इस प्रवृत्ति का विरोध करना चाहिए और भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करना चाहिए। राज्य में लगातार कांग्रेस सरकारों ने कई विकास परियोजनाओं और कल्याण कार्यक्रमों को शुरू किया और प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया है। वर्तमान कांग्रेस सरकार नेपांच गारंटी लागू कर मतदाताओं से किया अपना वादा निभाया है। इससे आम लोगों का सशक्तिकरण हुआ है। कांग्रेस विधायकों और नेताओं ने भी कोविड-19 महामारी और उत्तरी कर्नाटक में बाढ़ के दौरान कई कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए हैं। बेलगावी और चिक्कोडी में हमारे उम्मीदवार जीत के पात्र हैं। कांग्रेस ने हमेशा सभी समुदायों को एक साथ लिया है और विभिन्न समुदायों और धार्मिक समूहों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिएकड़ी मेहनत की है। यह भाजपा के विपरीत है जो लगातार समाज को धार्मिक और जाति के आधार पर विभाजित कर रही है।

मातम में बदली होली की खुशियां

दोस्त से मिलकर लौट रहा था, सड़क हादसे में गई जान

पटना (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में भीषण सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। वह अपने दोस्त से मिलकर घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने उसे रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिवार होली मना रहा था, इसी बीच बेटे की मौत की खबर सुनकर खुशियां मातम में बदल गई। घटना बेला थाना क्षेत्र के मनपौर व गोरहारी गांव के समीप की है। घटना के बाद डंपर चालक अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के सुरसंड निवासी लालू पासवान के 23 वर्षीय पुत्र साजन पासवान के रूप में की गई है।

परिजनों का कहना है कि साजन अपने दोस्त से होली खेलने के बाद बेला के गोरहारि

होते हुए सुरसंड अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान अनियंत्रित डंपर चालक ने बाइक सवार मृतक को पीछे से रौंदते हुए फरार हो गया। हालांकि इस दौरान आसपास के लोगों ने डंपर को खदेड़कर पकड़ने की कोशिश भी की। हालांकि, चालक व गाड़ी कुछ हाथ नहीं लगा। बताया गया की घाटनस्थल पर ही उसकी मौत हो गई। जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई। शव के पहचान को लेकर मृतक के मोबाइल समेत अन्य माध्यम से परिजनों को सूचना दी गई। सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया है। वही, उत्सव का त्योहार होली वाले घर में मातम जैसा माहौल हो गया है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पोखर में डूबने से युवक की मौत

आरा(भोजपुर) (एजेंसियां)।

भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के खेसरहिया गांव में मंगलवार की दोपहर पोखर में डूबने से वार्ड सदस्य के चचेरे भाई की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक कोईलवर थाना क्षेत्र के खेसरहिया गांव वार्ड नंबर 9 निवासी रामचंद्र पासवान का बेटा बिरन पासवान (34) है, वह पेशे से प्राइवेट काम करता था।

इधर,मृतक के चचेरे भाई सह वार्ड 09 के वार्ड सदस्य मनोज पासवान ने बताया कि मंगलवार की दोपहर वह घर के बच्चों के साथ गांव में स्थित पोखरा के किनारे गया था। जहां पर वह पोखरा में नहाने लगा। तभी नहाने के दौरान वह उसमें डूब गया। इसके बाद वहां मौजूद बच्चे घर पर आए और उन्होंने कहा कि चाचा पोखरा में नहा रहे थे, लेकिन वह पोखर से बाहर नहीं निकले। सूचना पाकर परिजन फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसके शव को डूबने के करीब आधा घंटे के बाद पानी से बाहर निकाला।

मधेपुरा जेल गेट तोड़कर कैदियों ने की भागने की कोशिश

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा मंडल कारा में एक विचाराधीन कैदी की मौत हो गई। मृतक गुलसागर शर्मा (45) सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के कटैया गांव का रहने वाला था। वह हत्या के आरोप में काफी दिनों से जेल में बंद था। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सदर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने जेल प्रशासन पर मारपीट करने का आरोप लगाया है।

मृतक के परिजन नंदन शर्मा ने बताया कि सोमवार की रात उनको जेल से किसी ने फोन करके बताया कि गुलसागर शर्मा के साथ मारपीट की जा रही है।

जानकारी मिलने पर जब वे अन्य लोगों के साथ सुबह में सदर अस्पताल पहुंचे तो शव गाड़ी में रखा हुआ था।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस द्वारा कैदी की जमकर पिटाई की गई, जिसके बाद उनकी मौत हो गई।

होली के दिन जदयू नेता सह मुखिया पर चली गोली

बांका (एजेंसियां)।

बांका में जेडीयू के नेता सह ओडहारा के मुखिया प्रवीण कुमार सिंह पर दिनदहाड़े गोलीबारी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मालती गांव में होली को लेकर घर से निकलने के दौरान पूर्व मुखिया के पति अवधेश यादव ने अन्य अपराधियों के साथ मिलकर मुखिया पर तीन से चार राउंड गोली फायर की। घटना के बाद मुखिया संघ के सदस्यों ने अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस से अपराधियों पर तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों पर लगातार हो रहे हमले को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिए आर्म्स लाइसेंस देने की मांग भी की गई है।

मुखिया संघ के सदस्यों और जदयू नेता ने आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने की मांग की है नहीं तो आंदोलन करने की बात कही जा रही है। वहीं हमले के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और फिलहाल वहीं पर कैंप कर रही है। आरोपियों के फरार होने से, मुखिया सहित पंचायत के लोगों ने डर का माहौल बना हुआ है।

पुलिस को दिए आवेदन में मुखिया प्रवीण सिंह ने कहा है कि होली पर्व के अवसर पर वह अपने सहयोगी के साथ गांव घूमने के लिए निकला था। जब वह घर लौट रहा था तो वीरेंद्र प्रसाद यादव के घर के पास अवधेश यादव पिता धनेश्वर यादव उम्र 47 साल, छोटू यादव पिता- स्वर्गीय कटली यादव उम्र 30 साल, संजय यादव पिता सुरेश यादव उम्र 55 साल, विपिन यादव पिता अर्जुन यादव उम्र 35 साल, संजय यादव पिता राजेंद्र यादव उम्र 40 साल और चार से पांच अज्ञात व्यक्तियों ने मेरे सहयोगी दीपक कुमार चौधरी के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब उसे बचाने गया तो मेरे साथ भी मारपीट करने लगे। इस बीच दीपक के गले से दो भर सोने की चैन और मेरे गले से ढाई भर सोने की चेन को छीन लिया और भाग गए।

निगरानी जांच में दोषी 40 शिक्षकों की नौकरी खत्म

15 दिनों के अंदर सेवा से हटाने के निर्देश, 2015-2023 तक 26 प्राथमिकी दर्ज

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा में शिक्षा विभाग की ओर से निगरानी जांच में दोषी पाए गए वैसे शिक्षकों को नौकरी से हटाने का आदेश दिया है। जो दोषी पाए जाने के बाद भी स्कूलों में काम कर रहे हैं। विभाग ने अभियुक्त बनाए गए शिक्षकों को सेवा से नहीं हटाने पर नाराजगी जाहिर की है।

ऐसे नियोजित शिक्षकों को 15 दिनों के अंदर इन शिक्षकों की सेवा समाप्ति कर, इसकी रिपोर्ट

विभाग को भेजने को कहा गया है।प्राथमिक शिक्षा निदेशक मिथिलेश मिश्र ने इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि याचिका संख्या 17115/2019 के तहत निगरानी जांच में दोषी पाये गये प्राथमिकी अभियुक्त शिक्षकों की सेवा समाप्त करने का निर्देश विभाग ने दिया था। जिले में 40 नियोजित शिक्षकों के प्रमाणपत्र जांच में निगरानी ने दोषी पाया था। जिसमें से अभी तक 39 शिक्षकों की सेवा विभिन्न नियोजन इकाइयों की ओर से समाप्त की जा चुकी है।

शेष बचे एक शिक्षक की सेवा समाप्ति की कार्रवाई लंबित थी। इस तरह के कार्यरत एक शिक्षक को भी हटाने का आदेश दिया गया था।

जिसे हाल ही हटा दिया गया है। पत्र के अनुसार, जिले में साल 2015 से 2023 तक निगरानी की ओर से विभिन्न थानों में 26 प्राथमिकी दर्ज की गई।

40 नियोजित शिक्षकों को शामिल किया गया। इन शिक्षकों के प्रमाणपत्र निगरानी जांच में संदिग्ध पाए गए थे। जिला शिक्षा विभाग की ओर से इनमें 39 को पहले ही हटाया जा चुका है जबकि नवादा प्रखंड के बचे एक शिक्षक को प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी ने हाल ही में सेवा से हटा दिया है।

होली के बाद गंगा स्नान करने गए दो युवक डूबे...मौत

बक्सर (एजेंसियां)।

बक्सर के उमरपुर गांव में होली खेलने के बाद गंगा में स्नान करने गए दो युवक की डूबने से मौत हो गई। जिसकी खोजबीन करने पर दोनों के शव को नदी में तैरता देखा गया। जिसके बाद स्थानीय लोगो ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

जिसके बाद दोनों को आनन फानन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया गया।

दोनों मृतक की पहचान मंझरिया गांव निवासी बीरा राम के पुत्र सुजीत कुमार(19) और दिग्विजय कुमार के पुत्र राहुल कुमार(18) के रूप में हुई है।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों होली खेलने के बाद दोस्तों के साथ गंगा नदी के किनारे स्नान करने गए थे। गंगा नदी में भी स्नान करने के दौरान दिग्विजय कुमार डूबने लगा। जिसे बचाने के क्रम बीरा राम भी डूबने लगा। आसपास के लोग जबतक उनके पास पहुंचते तब तक दोनों डूब गए।

इस घटना की सूचना जैसे ही स्थानीय ग्रामीणों के माध्यम से घर वालों को मिली उनके बीच कोहराम मच गया। तुरंत ही प्रशासन को सूचना दी गई, जिसके बाद मौके पर औद्योगिक थाने की पुलिस व गोताखोरों की टीम पहुंच गई। तबतक स्थानीय गोताखोरों के द्वारा दोनों के शवों को बाहर निकाल लिया गया

औद्योगिक थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि जैसे ही सूचना मिली वह तुरंत ही मौके पर पहुंच गए हैं। इस घटना के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

डीजे पर नाचने को लेकर विवाद, मारपीट में 4 घायल

शेखपुरा (एजेंसियां)।

होली के दिन डीजे पर नाचने को लेकर विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इसमें एक पक्ष के 4 लोग घायल हो गए। घटना सदर प्रखंड के फरीदपुर की है। वहां मौजूद लोगों ने कहा कि मारपीट के दौरान जमकर लाठियां चली। घटना में घायल सभी को सदर अस्पताल शेखपुरा में भर्ती कराया गया है।

घायलों की पहचान फरीदपुर गांव निवासी जीतन पासवान, मोहित कुमार, रंजीत कुमार और

सुनीता देवी के रूप में की गई। वहीं घायल सुनीता देवी ने बताया कि गांव में एक पक्ष की ओर से होली के दौरान डीजे बजाया जा रहा था। डीजे पर नाचने को लेकर गांव के ही धर्मवीर पासवान, नवीन कुमार, पियूष कुमार सहित अन्य लोगों से मारपीट हो गई।

हथियावा थाना अध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर विजय कुमार ने बताया कि घटना के संबंध 112 नंबर पर सूचना मिली थी। बच्चों के बीच शुरू हुआ विवाद बहुत बढ़ गया। इसके कारण लड़ाई हो गई।लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किराये पर गाड़ी ली...फिर लूट कर हुए फरार

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया में लूटी गई पटना की कार को पुलिस ने बरामद कर लिया है। शातिर बदमाशों ने लूट से पहले पटना में कार को भाड़े पर लिया, पूर्णिया पहुंचने पर सुनसान इलाका देख उसी कार को लूट लिया। इस लूटकांड में शामिल चार में से एक बदमाश को धर दबोचा है। तीन अब भी फरार हैं। इनकी धड़ पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। वारदात 23 मार्च की रात गए कसबा थाना क्षेत्र के काठपुल के समीप की है।

पुलिस की गिरफ्त में आए बदमाश की पहचान टिकापट्टी थाना क्षेत्र के छर्रापट्टी वार्ड 8 निवासी राज कुमार मण्डल के बेटे गुलशन कुमार (24) के रूप में हुई है। कसबा थाना अध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने बताया कि बीते 22 मार्च को पटना के जीरो माइल से 4 बदमाशों ने स्विफ्ट डिजायर कार भाड़े पर ली। इसके बाद इस कार कसबा थाना क्षेत्र के एनएच काठेपुल के समीप 4 बदमाशों ने लूट लिया। इसके बाद कार के चालक जो कार के मालिक भी थे। इन्हें रोड के किनारे धक्का मार कर उतार दिया था। घटना के क्रम में बदमाशों द्वारा एटीएम से 1500 रुपए की निकासी की भी गई। साथ ही मोबाइल और आधार कार्ड भी लूट लिया गया। पुलिस में मामले की शिकायत आते ही एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने एसडीपीओ सदर-2 डॉ विमलेंदु कुमार गुलशन के नेतृत्व में छापेमारी के क्रम में घटनाक्रम में शामिल गुलशन कुमार को उसके घर से धर दबोचा गया।

बिहार में शिक्षकों की बदरंग हुई होली, छुट्टी पर बवाल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में शिक्षकों की छुट्टियों पर लगातार बवाल जारी है। शिक्षकों को होली में छुट्टी नहीं देने को लेकर अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अपनी ही सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा- मैं शिक्षकों के साथ पहले भी था, आज भी हूं और कल भी रहूंगा। वहीं, माले विधायक और शिक्षक नेता संदीप सौरभ ने गिरिराज सिंह पर निशाना साधा है और कहा कि वो शिक्षकों को मूर्ख समझते हैं क्या?

बता दें कि विधानसभा का बजट सत्र शिक्षा विभाग के अफसर केके पाठक के विभिन्न पत्रों को लेकर चर्चा में रहा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आश्वासन के बावजूद स्कूलों की टाइमिंग में सुधार नहीं हुआ। अब होली के मौके पर शिक्षकों की

छुट्टी ट्रेनिंग के दौरान स्थगित रही। अनुपस्थित शिक्षकों पर विभाग कार्रवाई भी करने जा रहा है।

इस बीच होली में ऐसे शिक्षकों के वीडियो, फोटो वायरल होते रहे, जिनके साथ ड्यूटी के दौरान कीचड़ वाली होली खेली गई। इगझ जब प्रतिपक्ष में थी, तब शिक्षा विभाग के विभिन्न आदेशों और निर्देशों पर सवाल खड़े करती थी। इगझ कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हिंदू त्योहारों में छुट्टी कटौती पर तीखी टिप्पणी की गई थी, लेकिन अब जब बीजेपी नीतीश कुमार के साथ सत्ता में हैं तो पार्टी के तेवर अलग दिख रहे हैं। ऐसे में बीजेपी की तो आल-ोचना हो ही रही है, गिरिराज सिंह जैसे पार्टी के नेता भी सवालों के घेरे में हैं। हालांकि, मंगलवार को गिरिराज सिंह ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि बिहार में होली का त्योहार है, शिक्षक भी हमारे परिवार के ही हैं, जो सनातन धर्म को मानने वाले हैं। उनके लिए होली खुशियों का त्योहार है, लेकिन शिक्षकों को बंधुआ मजदूर समझ लिया गया है जो ठीक नहीं है। शिक्षकों को डराया और धमकाया जा रहा है।

निरंकुश शासक कभी शासन और प्रशासन समाज के हित में नहीं होता। मैं शिक्षकों और उनके परिवार से अपील करता हूं कि समाज आपके साथ हैं। आप निराश न हों, हम आपके साथ हैं। मैं उस दिन भी आपके साथ था, आज भी हूं। ऐसे लोगों को आज नहीं तो कल इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

यह सभी जान रहे हैं कि बिहार में होली इस बार दो दिन यानी 25 मार्च और 26 मार्च को मनायी जा रही है, लेकिन शिक्षा विभाग ने होली की छुट्टी शिक्षकों को 26 और 27 मार्च को दी है। कई शिक्षकों की ट्रेनिंग भी चल रही है। जानकारी है कि ट्रेनिंग में जो अनुपस्थित हुए हैं, उन पर कार्रवाई की जा रही है। बता दें मंगलवार को बेगूसराय से बीजेपी का टिकट कंफर्म होने के बाद गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात भी की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com